Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 196
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शनिवार,14 फरवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 अशोक कुमार वर्मा ने मुरादाबाद मंडल के

4 पेट की सारी समस्या का इलाज है एक चम्मच घी

7 डेस्टिनेशन वेडिंग नहीं, इस थीम पर कृतिका

अभिभाषण पर बोले सीएम योगी

नौ साल में टेक्नोलॉजी, ट्रस्ट और ट्रांसफॉर्मेशन की त्रिवेणी बनकर उभरा यूपी

- सपा-कांग्रेस ने अन्नदाता किसान को कर्जदार बना दिया था
- 2017 के पहले यूपी को लोग गलत निगाहों से देखते थे

लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के बजट सत्र में राज्यपाल के अभिभाषण पर विधानसभा को संबोधित किया और इस दौरान बीते नौ वर्षों में प्रदेश की विकास यात्रा पर विस्तार से बात की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यूपी विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर संबोधित करते हुए कहा कि बीते नौ साल में उत्तर प्रदेश ने अपराध और अव्यवस्था से अनुशासन की, कर्फ्यू से कानून के राज की, उपद्रव से उत्सव की यात्रा की है। प्रदेश ये यात्रा समस्या से समाधान की यात्रा है और अविश्वास से आत्मविश्वास की यात्रा है। इसको प्राप्त करने के लिए साफ नीयत थी। अब यूपी बीमारू राज्य नहीं है बल्कि देश की तीसरी अर्थव्यवस्था है। आज यूपी देश के विकास का इंजन बनकर लीड रहा है। उन्होंने सपा के शासनकाल का जिक्र करते हुए कहा कि 2017 से पहले प्रदेश में अपराधी समानांतर सरकार चला रहे थे। माफिया खुला घूमते थे। न तो बेटियां सुरक्षित थीं और न ही व्यापारी। पर अब यूपी उपद्रव नहीं उत्सव का प्रदेश है। अब प्रदेश में दंगों की जगह टेम्पल इकानॉमी विकसित हो रही है। 2017 के पहले के कुंभ में 12 करोड़ लोग आए थे पर इस बार माघ मेले में ही प्रयागराज में 21 करोड़ लोग स्नान करने आए। ये सब इसलिए हो रहा है क्योंकि लोगों में कानून व्यवस्था को लेकर लोगों का विश्वास जागा है। सपा-कांग्रेस ने अन्नदाता किसान को कर्जदार बना दिया था मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सपा-कांग्रेस ने अन्नदाता किसान को कर्जदार बना दिया था। सपा सरकार ने व्यापारियों और निवेशकों को पलायन करने पर मजबूर कर दिया था। चारों तरफ हताशा और निराशा थी। प्रदेश के बारे में लोगों की धारणा खराब हो चुकी थी। बीते नौ साल में प्रदेश की स्पष्ट कृषि नीति के कारण अब कृषि की लागत कम और उत्पादन ज्यादा है। हमने विकास की यात्रा से अन्नदाता को जोड़ने का काम किया है। देश की कुल कृषि भूमि का यूपी के पास 11 फीसदी है पर हमारा अन्नदाता इस पर देश का 21 प्रतिशत खाद्यान्न उत्पन्न कर रहा है। किसानों के खाते में सीधे 95 हजार करोड़ की धनराशि दी जा चुकी है। आज खाद्यान्न उत्पादन में यूपी पहले स्थान पर है। दुग्ध उत्पादन में अग्रणी राज्य है साथ ही मत्स्य उत्पादन में भी प्रगति की है। 2017 के पहले यूपी को लोग गलत निगाहों से देखते थे मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज यूपी के बारे में हर कोई अच्छा सोचता है। 2017 के पहले यूपी को लोग गलत निगाहों से देखते थे। आज यूपी की अर्थव्यवस्था 36 लाख करोड़ हो गई है। हमने टैक्स चोरी को रोका है। टैक्स चोरी रोकना भ्रष्टाचार पर सरकार का प्रहार है। बीते नौ साल में जनता पर कोई नया टैक्स नहीं लगाया गया है फिर भी हमने वित्तीय अनुशासन कायम रखा है। राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान अच्छा नहीं था सपाइयों का व्यवहार मुख्यमंत्री योगी ने समाजवादी पार्टी को आड़े हाथों लिया। कहा कि राज्यपाल का अभिभाषण पहले से तय था। ये कोई अचानक नहीं हुआ था।

पीएम मोदी ने किया नए नाम का अनावरण

सेवा तीर्थ से होगा देश का विकास

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी ने सेवा तीर्थ परिसर का उद्घाटन किया, जिसमें प्रधानमंत्री कार्यालय, कैबिनेट सचिवालय और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय स्थित हैं। दिल्ली को औपचारिक रूप से भारत की आधुनिक राजधानी बनाए जाने के 95 वर्ष पूरे हो गए। नयी दिल्ली को 13 फरवरी, 1931 को देश की राजधानी बनाए जाने के समारोह के बाद से बहुत कुछ बदल चुका है। भारत को 1947 में स्वतंत्रता मिली, तीन साल बाद देश गणतंत्र बना और वह अब अपनी राह स्वयं तय कर रहा है। इन निर्णायक पड़ावों के दौरान राजधानी के केंद्र में स्थित रायसीना हिल परिसर समय का मूक प्रहरी बनकर खड़ा रहा है। शुक्रवार को यह प्रतिष्ठित स्थल एक और महत्वपूर्ण घटना का साक्षी बनेगा जब इसके निकट स्थित नये पीएमओ भवन और कर्तव्य भवन 1 एवं कर्तव्य भवन 2 का उद्घाटन किया। सेवा तीर्थ में प्रधानमंत्री कार्यालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और कैबिनेट सचिवालय हैं, जो पहले अलग-अलग स्थानों पर स्थित थे। कर्तव्य भवन 1 और 2 में कानून, रक्षा, वित्त, स्वास्थ्य, कृषि और कई अन्य महत्वपूर्ण मंत्रालयों के कार्यालय स्थित हैं। जब मोदी सेवा तीर्थ परिसर का उद्घाटन किया, तो यह अवसर केवल प्रतीकात्मक नहीं क्योंकि नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक 1931 से सत्ता के केंद्र रहे हैं। सरकार की योजना नॉर्थ ब्लॉक और साउथ ब्लॉक में इन प्रतिष्ठित इमारतों को युग युगीन भारत राष्ट्रीय संग्रहालय में परिवर्तित करने की है जो भारत की सभ्यतागत यात्रा को दर्शाने वाला एक विश्व स्तरीय संग्रहालय होगा।

सार संक्षेप

दिल्ली के तीन स्कूल को बम की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली के कम से कम तीन स्कूल को शुक्रवार सुबह बम की धमकी भरे ईमेल प्राप्त हुए, जिसके बाद अधिकारियों ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मध्य दिल्ली के झंडेवालान स्थित बीटी तमिल स्कूल ने सुबह करीब 9.12 बजे डीएफएस को धमकी मिलने की सूचना दी। एक अन्य स्कूल ने अभिभावकों को भेजे संदेश में कहा, प्रिय अभिभावकों, आज सुबह स्कूल को एक सुरक्षा संबंधी धमकी प्राप्त हुई। एहतियात के तौर पर आवश्यक सुरक्षा उपायों के लिए पुलिस स्कूल में मौजूद है। सभी विद्यार्थियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। स्कूल को सुरक्षित घोषित किए जाने के बाद कक्षाएं फिर से शुरू की जाएंगी। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

असम विधानसभा चुनाव में वैध मतदाता ही डालेंगे वोट: धर्मबीर सिंह

नई दिल्ली। असम विधानसभा चुनाव को लेकर आई फाइनल वोटर लिस्ट को लेकर कांग्रेस के आरोपों पर भाजपा सांसद धर्मवीर सिंह ने कहा कि जो भारतीय मतदाता हैं, उन्हें ही वोट देने का अधिकार है। भाजपा सांसद धर्मबीर सिंह ने बातचीत करते हुए कहा कि कांग्रेस के पास आरोप लगाने के अलावा दूसरा काम नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का आरोप लगाना गलत बात है। चुनाव आयोग आजाद है और वे अपनी ड्यूटी ठीक से करते हैं। विदेशियों को वोट देने का अधिकार नहीं होना चाहिए। इसका धर्म, जाति या इलाके से कोई लेना-देना नहीं है। इस देश के किसी भी हिस्से में सिर्फ उन्हीं लोगों को वोट देने का अधिकार है जो इस देश के नागरिक हैं। पूर्व आर्मी चीफ जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित किताब को लेकर हुए विवाद पर भाजपा सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि जो भी हो, सच तो यह है कि राहुल गांधी ने झूठ बोला। कोई भी डॉक्यूमेंट उठा सकता है, आरोप लगा सकता है, यह ठीक नहीं है। राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं, उन्हें कुछ तो जिम्मेदारी लेनी चाहिए। स्पीकर द्वारा नियम बताया गया, तो नियम के अनुसार ही सत्र चलता है। राहुल गांधी को बोलने से कोई नहीं रोकता है, लेकिन वे संसद के नियमों का पालन नहीं करते हैं। उन्होंने पीएम मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। इकोनॉमी कहां से कहां पहुंच गई है।

राज्यसभा: भाषण का अंश हटाए जाने पर खड़गे ने जताई आपत्ति

वित्त मंत्री बोलीं- सभापति का है यह अधिकार

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को कहा कि सदन में उनके द्वारा दिए गए भाषण का एक हिस्सा राज्यसभा की वेबसाइट से हटा दिया गया है। इस पर उन्होंने आपत्ति जताई और कहा कि उन्होंने सभी बातें नियमों के दायरे में रहकर कर कही थीं। जवाब में सभापति ने कहा कि वे इस विषय को देखेंगे। मल्लिकार्जुन खड़गे ने आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि हटाए गए अंशों को बहाल किया जाए। इस पर सदन में मौजूद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि यह निर्णय सभापति का होता है और सभापति ने यदि अपने विवेक से नियमों के आधार पर निर्णय लिया है तो ऐसे में नेता प्रतिपक्ष को ऐसी मांग नहीं करनी चाहिए। खड़गे का कहना था कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सदन में दिए गए उनके भाषण का एक बड़ा हिस्सा बिना किसी उचित कारण के हटा दिया गया है। उन्होंने जब राज्यसभा की वेबसाइट देखी तो उन्हें यहां अपने भाषण के ये अंश नहीं मिले। खड़गे ने सदन में आपत्ति जताते हुए कहा कि जिन अंशों को रिकॉर्ड से बाहर किया गया है, उनमें मुख्य रूप से वे हिस्से शामिल हैं जहां उन्होंने वर्तमान सरकार के कार्यकाल में संसदीय कामकाज की स्थिति पर तथ्य आधारित टिप्पणियां की थीं और कुछ नीतियों पर प्रधानमंत्री की आलोचना की थी। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष होने के नाते यह उनका दायित्व है कि वे उन नीतियों पर सवाल उठाएं जो उन्हें लगता है कि देश और जनमानस पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही हैं। मेरा संसदीय जीवन पांच दशक से अधिक का रहा है। विधायक और सांसद के रूप में लंबे अनुभव के दौरान मैंने सदन की गरिमा, नियमों और परंपराओं का हमेशा सम्मान किया है। मैं भली-भांति जानता हूं कि किन परिस्थितियों में किन शब्दों को रिकॉर्ड से हटाया जा सकता है। इसलिए पूरे विश्वास के साथ कह रहा हूं कि मेरे भाषण में कोई भी असंसदीय या मानहानिकारक शब्द नहीं था। उन्होंने कहा कि अंश हटाने के लिए नियम 261 का प्रयोग केवल विशिष्ट और सीमित परिस्थितियों में किया जा सकता है। मेरे वक्तव्य में ऐसा कुछ भी नहीं था जो इस नियम के उल्लंघन की श्रेणी में आए। मेरी सभी टिप्पणियां चर्चा के विषय से संबंधित थीं और धन्यवाद प्रस्ताव के दायरे में पूरी तरह आती थीं। इसके अतिरिक्त, आर्टिकल 105 के तहत सांसदों को सदन के भीतर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार प्राप्त है। ऐसे में भाषण के बड़े हिस्से को हटाया जाना न केवल संसदीय परंपराओं पर प्रश्न खड़ा करता है, बल्कि लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की भावना के भी प्रतिकूल है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभापति से कहा, मैं आपसे विनम्र आग्रह करता हूं कि हटाए गए अंशों पर पुनर्विचार किया जाए और उन्हें रिकॉर्ड में बहाल किया जाए। यदि मुझे सदन के भीतर न्याय नहीं मिलता, तो मैं जनता के बीच अपने भाषण का अनरिकॉर्डेड संस्करण साझा करने के लिए बाध्य होऊंगा। उस स्थिति में इसे नियमों के उल्लंघन के रूप में न देखा जाए, क्योंकि मेरा उद्देश्य केवल अपनी बात को पारदर्शिता के साथ देश के सामने रखना है।

विश्व रेडियो दिवस पर पीएम मोदी ने गांवों से शहरों तक रेडियो को बताया विश्वसनीय आवाज

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि रेडियो एक ऐसा माध्यम है जो दूरदराज के गांवों से लेकर शहरों तक, लोगों के लिए विश्वसनीय आवाज है तथा इसने समय पर जानकारी पहुंचाई है, प्रतिभा को निखारा है और रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर साल 13 फरवरी को मनाया जाने वाला विश्व रेडियो दिवस इस माध्यम से जुड़े सभी लोगों के प्रयासों को पहचान प्रदान करने का एक अवसर है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, विश्व रेडियो दिवस एक ऐसे माध्यम का जश्न मनाने का अवसर है जो दूरदराज के गांवों से लेकर शहरों तक, लोगों के लिए विश्वसनीय आवाज है। वर्षों से, रेडियो समय पर जानकारी प्रदान करता रहा है, प्रतिभा को निखारता रहा है और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करता रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के माध्यम से उन्होंने स्वयं रेडियो की उस क्षमता का अनुभव किया है जिसके द्वारा देश के लोगों की

सामाजिक शक्ति को उजागर किया जा सकता है। उन्होंने कहा, इस महीने का यह कार्यक्रम रविवार, 22 फरवरी को प्रसारित होगा। मोदी द्वारा प्रधानमंत्री का पदभार संभालने के कुछ ही महीनों बाद अक्टूबर, 2024 में मन की बात रेडियो कार्यक्रम शुरू हुआ था। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री के लिए शासन, सामाजिक मुद्दों पर अपने विचार और प्रेरणादायक कहानियां नागरिकों के साथ साझा करने का एक सीधा मंच रहा है। इसका प्रसारण हर महीने के आखिरी रविवार को सुबह 11 बजे होता है।

राहुल गांधी के खिलाफ प्रस्ताव नहीं लाएगी सरकार, केंद्रीय मंत्री रीजीजू बोले-भाजपा सांसद ने दिया है नोटिस

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ असंसदीय भाषा का इस्तेमाल करने के लिए सरकार ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ प्रस्ताव लाने की योजना छोड़ दी है क्योंकि भाजपा के एक सांसद ने इसी मुद्दे पर कांग्रेस नेता के खिलाफ एक विशिष्ट प्रस्ताव शुरू करने के लिए नोटिस दिया है। रीजीजू ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि इस बारे में लोकसभा अध्यक्ष से सलाह ली जाएगी कि इस मामले को सदन की विशेषाधिकार समिति को भेजा जाए, आचार समिति को भेजा जाए या सीधे लोकसभा में लाया जाए। उन्होंने कहा,

अभी यह तय नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि चूंकि एक सदस्य ने निजी तौर पर प्रस्ताव के लिए पहले ही नोटिस दे दिया है, इसलिए सरकार अपना प्रस्ताव पेश करने से बचेगी। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बृहस्पतिवार को कहा था कि उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ विशिष्ट प्रस्ताव लाने के लिए एक नोटिस दिया है। उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की सदन की सदस्यता रद्द करने और उन्हें आजीवन चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित करने की मांग की है। दुबे के अनुसार, उन्होंने अपने नोटिस में कहा है कि कैसे नेता प्रतिपक्ष विदेश जाते हैं और भारत विरोधी तत्वों के साथ सांठगांठ करते हैं। विशिष्ट प्रस्ताव स्वतंत्र होता है, जिसे सदन की मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया जाता है, और जिसे किसी फैसले या राय को व्यक्त करने के लिए तैयार किया जाता है। दुबे ने कहा, कोई विशेषाधिकार हनन नोटिस नहीं दिया है।

लोकसभा में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्ष का हंगामा, कार्यवाही 9 मार्च तक के लिए स्थगित

नई दिल्ली ,(एजेंसी)। लोकसभा की कार्यवाही विपक्ष के हंगामे के कारण नौ मार्च को सुबह 11 बजे तक के लिए शुक्रवार को स्थगित कर दी गयी। बजट सत्र 28 जनवरी को शुरू हुआ था और एक फरवरी को वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश किया गया था। इस सत्र की शुरूआत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के दोनों सदनों के सदस्यों की संयुक्त बैठक को संबोधित करने से हुई थी। बजट सत्र का दूसरा चरण नौ मार्च से शुरू होगा, जो दो अप्रैल तक चलेगा। एक बार के स्थगन के बाद शुक्रवार दोपहर 12 बजे सदन की कार्यवाही जब दोबारा शुरू हुई तो पीठासीन अधिकारी संध्या राय ने विधायी दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाये। इसके बाद संध्या राय ने सदन की

कार्यवाही नौ मार्च को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इसके पहले आज की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी दलों के सदस्य केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी के इस्तीफे की मांग को लेकर हंगामा करने लगे। संध्या राय ने पूर्व सदस्य भगवान दास राठौर के निधन की सूचना दी। राठौर का 80 वर्ष की आयु में 21 जनवरी 2026 को उत्तराखंड के हरिद्वार में निधन हुआ। राठौर छठी और नौवीं लोक सभा के सदस्य रहे। सदस्यों ने मौन रहकर राठौर को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद संध्या राय ने प्रश्न काल के लिए कांग्रेस के उज्जवल रमन सिंह का नाम पुकारा तभी विपक्ष के सदस्य आसान के बीचों-बीच आकर नारेबाजी करने लगे। विपक्ष के सदस्य श्हरदीप सिंह पुरी इस्तीफा दोश के नारे लगाने लगे। हंगामे के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा ने कोडीन सीरप से हुई मौत के एक पूरक प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में कोडीन सीरप के कारण मौत नहीं हुई है।

बिहार में बेटियों की चीखें सुनाई नहीं देती? रोहिणी आचार्य ने नीतीश सरकार से पूछा सवाल

पटना ,(एजेंसी): आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने इस बार नीतीश सरकार पर हमला बोला है। रोहिणी ने इस बार बिहार की बिगड़ती कानून व्यवस्था और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को लेकर तीखा प्रहार किया है। रोहिणी ने राज्य की वर्तमान स्थिति को लचर और लाचार बताते हुए सीएम से सवाल किया है कि क्या उन्हें बिहार की बेटियों की चीखें सुनाई नहीं देतीं? रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर एक अखबार की कतरन साझा की, जिसमें 12वीं कक्षा की एक 16 वर्षीय छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का जिक्र है। छात्रा की मौत कोचिंग की चौथी मंजिल से गिरने के कारण हुई थी, जिसे परिजनों ने हत्या करार दिया है। इसी घटना का हवाला देते हुए रोहिणी ने आरोप लगाया कि बिहार में मां-बहन-बेटियों की अस्मत और जिंदगी खतरे में है। रोहिणी ने केवल अपराध ही नहीं, बल्कि पुलिसिया कार्रवाई पर भी गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि पुलिस जांच की आड़ में मामलों को दबाने की कोशिश करती है। दोषियों को सलाखों के पीछे भेजने के बजाय पीड़ित परिवार को ही प्रताड़ित किया जाता है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री और उनके सहयोगी आत्ममुग्धता में डूबे हैं।

यूपी बजट सत्र: भ्रष्टाचार, डीजीपी नियुक्ति, एनकाउंटर और रोजगार पर विपक्ष ने सरकार को घेरा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने राज्य सरकार को कई अहम मुद्दों पर घेरते हुए भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था, एनकाउंटर नीति और रोजगार जैसे विषयों पर गंभीर सवाल उठाए। माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि सदन में भ्रष्टाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर कोई ठोस चर्चा नहीं हुई, जबकि आम जनता सबसे अधिक भ्रष्टाचार से ही परेशान है। उन्होंने कहा कि आईएएस अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच के मामले लोकायुक्त के पास लंबित हैं और कई अधिकारियों और अन्य लोगों के खिलाफ शिकायतें भी दर्ज हैं, लेकिन उनकी स्थिति की कोई स्पष्ट जानकारी सदन को नहीं दी गई। उनका कहना था कि यदि लोकायुक्त की सिफारिशें सदन के पटल पर लाई जातीं, तो सदस्य भी उनकी समीक्षा कर सकते थे। उन्होंने लोकायुक्त के कार्यकाल पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि उनका कार्यकाल कब तक है। लोकायुक्त आठ वर्षों से पद पर हैं, इस विषय पर सरकार को स्पष्टता लानी चाहिए। कानून-व्यवस्था पर टिप्पणी करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हाल के मामलों में पुलिसकर्मियों का नाम आपराधिक घटनाओं में सामने आना चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि डीजीपी कार्यालय प्रभावी ढंग से काम करता नहीं दिख रहा है और राज्य में कार्यवाहक व्यवस्था से काम चलाया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि उच्चतम न्यायालय की मंशा के अनुरूप स्थायी डीजीपी की नियुक्ति की जाए, ताकि अधिकारी बिना किसी दबाव के काम कर सकें। एनकाउंटर की घटनाओं पर भी माता प्रसाद पांडेय ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि किसी का भविष्य बर्बाद करने वाली गलत परंपरा शुरू नहीं होनी चाहिए। यदि आज गलत मिसाल कायम की जाएगी तो आने वाली सरकारें उससे भी आगे बढ़ सकती हैं। गैंगस्टर कानून में संशोधन की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि इसका दुरुपयोग नहीं होना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व मुख्यमंत्री वीर बहादुर सिंह के कार्यकाल में यह अधिनियम लाया गया था और तब भी उन्होंने इसका विरोध किया था। उनका कहना था कि केवल गोली से अपराध खत्म नहीं होगा, बल्कि व्यवस्था में भरोसा पैदा करना जरूरी है। साइबर अपराधों पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि संगठित साइबर गिरोह आम लोगों को घर बैठे निशाना बना रहे हैं, सरकार को इनके खिलाफ सख्त और प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए। रोजगार के मुद्दे पर भी नेता प्रतिपक्ष ने सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े किए।

अशोक कुमार वर्मा ने मुरादाबाद मंडल के आलमनगर-रोजा रेलखंड का गहन निरीक्षण किया

नई दिल्ली: उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा ने आज मुरादाबाद मंडल के अंतर्गत आने वाले आलमनगर से रोजा रेलखंड का गहन निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं श्रीमती विनीता श्रीवास्तव, मंडल रेल प्रबंधक मुरादाबाद मंडल उपस्थित रहें। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य संरक्षा (रॉी३८), परिचालन गुणवत्ता और यात्री सुविधाओं का जायजा लेना तथा उन्हें और अधिक सुदृढ़ करना था। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक महोदय ने आलमनगर से काकोरी, मलिहाबाद, संडीला, बालामऊ,

हरदोई और रोजा सहित विभिन्न स्टेशनों, यार्डों और रेल कॉलोनियों का विस्तृत जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने काकोरी स्टेशन पर 'शहीद पार्क' का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में काकोरी स्टेशन के ऐतिहासिक योगदान को याद किया और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। बालामऊ में उन्होंने नई क्रू लॉबी और स्वास्थ्य इकाई (ल्ठीं' इँ वल्ल३) का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने रनिंग रूम, लेवल क्रॉसिंग (फाटकों), ब्रिजों और ट्रैक कर्व का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चयनित रेल खंडों पर 121 किमी प्रति घंटे की गति से स्पीड ट्रायल सफलतापूर्वक संपन्न किया गया, जो रेलखंड की मजबूत क्षमता को दर्शाता है। हरदोई और अन्य स्टेशनों पर गैंग, यूएसएफडी (वरत्रछ) और स्मॉल ट्रैक मशीनों का निरीक्षण किया गया। महाप्रबंधक ने ट्रैक की सुरक्षा और तकनीकी मानकों पर विशेष बल दिया। ररेलवे की प्राथमिकता संरक्षा और यात्री सुविधा है। आज का यह निरीक्षण परिचालन गुणवत्ता को और बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। – अशोक कुमार वर्मा, महाप्रबंधक, उत्तर रेलवे

कर्मचारियों से संवादः

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने ग्राउंड स्तर पर तैनात कर्मचारियों से सीधा संवाद किया और उन्हें संरक्षा के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि रेलवे अपनी परिचालन क्षमता को आधुनिक बनाने और यात्रियों को सुरक्षित सफर देने के लिए प्रतिबद्ध है।

बजट के बाद एक्शन में केडीए, 25 करोड़ तक के कामों से होगी शुरूआत इन कार्यों से बदलेगी शहर की सूरत

कानपुर। यूपी बजट में 750 करोड़ रुपये के प्रावधान के बाद केडीए ने 20 विकास परियोजनाओं के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसमें न्यू कानपुर सिटी की सड़कें और एयरपोर्ट मार्ग का सुंदरीकरण प्राथमिकता पर है। प्रदेश सरकार के बजट में अवस्थापना निधि से विकास कार्यों के लिए 750 रुपये का प्रावधान होने के 24 घंटे के भीतर गुरुवार को केडीए ने विकास

कार्यों के लिए टेंडरों की तैयारी शुरू कर दी। विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार 25 करोड़ तक के कार्यों से शुरूआत होगी। शासन ने कानपुर, मथुरा-वृंदावन और मेरठ में अवस्थापना निधि से विभिन्न तरह के विकास कार्य कराने के लिए प्रस्ताव मांगे थे। केडीए ने सर्वाधिक 20 प्रस्ताव भेजे। इनमें से 10 के संशोधित डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) भी भेजे जा चुके है। इसके बाद पांच और परियोजनाएं के डीपीआर भी पिछले महीने तक शासन को भेजे गए थे। शेष पांच प्रस्तावित कार्यों के डीपीआर तैयार कराए जा रहे हैं। दो लिंक रोड समेत ये कार्य शामिल केडीए के अफसरों के अनुसार 715 करोड़ से 20 प्रस्तावित परियोजनाओं में से नौ 25 करोड़ या उससे कम धनराशि की हैं। इनमें न्यू कानपुर सिटी में 30 मीटर चौड़ी रोड का निर्माण, मैनावती मार्ग से बैराज हाईवे के लिए दो लिंक रोड, चकेरी एयरपोर्ट प्रवेश मार्ग का सुंदरीकरण, गंगा बैराज से मंधना मार्ग सुंदरीकरण, प्रमुख मार्गों में रोशनी आदि कार्य शामिल हैं। केडीए को 20 परियोजनाओं के लिए तीन वित्तीय वर्षों में धन मिलेगा। सबसे पहले 25 करोड़ तक लागत वाले कार्य शुरू होने की संभावना है, क्योंकि इन्हें विभागीय स्तर पर स्वीकृति मिलनी है, जबकि 25 करोड़ से ज्यादा धनराशि वाले प्रस्तावों को कैबिनेट में स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। स्वीकृति की प्रत्याशा में इनके टेंडर कराने की तैयारियां शुरू कर दी हैं ताकि स्वीकृति मिलते ही जल्द से जल्द कार्य शुरू कराए जा सकें।

सुहागरात पर दुल्हन बोली- मुझसे दूर रहना वरना गंवानी पड़ेगी जान ढाई महीने घुटता रहा दूल्हा

कानपुर। साढ़ थाना क्षेत्र में सुहागरात से ही दुल्हन द्वारा प्रेमी के पास जाने की जिद और पति को जान से मारने की धमकी देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पत्नी के आत्महत्या के प्रयास और लगातार मानसिक उत्पीड़न से डरे पति ने अब थाने पहुंचकर पुलिस से सुरक्षा और न्याय की गुहार लगाई है। कहते हैं कि शादी की पहली रात खुशियों की सौगात लाती है, लेकिन साढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव में दूल्हे के दिल पर उस वक्त आघात पहुंचा। जब नई नवेली दुल्हन ने सुहागरात के समय पति से दूर रहने की बात कही। करीब ढाई महीने तक युवक कड़वा घूट पिए

अंदर-अंदर ही घुटता रहा। बीते बुधवार को युवक ने दूल्हन को समझाने का प्रयास किया, लेकिन उसने जिंदगी से हाथ धो बैठोगे की धमकी देकर कमरा बंद करके फंदा लगा लिया। ससुरालीजनों ने दरवाजा तोड़कर उसे बचा लिया। घटनाक्रम के बाद घबराया युवक गुरुवार को साढ़ थाने पहुंचकर पुलिस से मदद की गुहार लगाई है। प्रेमी के पास जाने की जिद पर अड़ी दुल्हन महाराजपुर थाना अंतर्गत एक गांव की युवती की शादी बीते 23 नवंबर को साढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक से हुई थी। बरात विदा होने के बाद ससुराल पहुंची दुल्हन ने सुहागरात में पति से दूर रहने की बात कही। इसके बाद प्रेमी के पास जाने की जिद पर अड़ी दुल्हन ने पति को जिंदगी से हाथ धो बैठने की भी धमकी दे डाली। दरवाजा बंद कर फंदा लगाया युवक के मुताबिक बीते बुधवार को फिर समझाने का प्रयास किया, तो पत्नी ने जल्द ही अंजाम भुगत लेने की धमकी दे दी। इसके बाद दरवाजा बंद कर फंदा लगाकर जान देने की कोशिश की। किसी तरीके से दरवाजा तोड़कर उसे बचाया जा सका। पुलिस ने दोनों परिवारों को बुलाया दुल्हन के तेवरों से डरा सहमा युवक साढ़ थाने पहुंचा और पुलिस को अपनी व्यथा सुनाई और दुल्हन की धमकी के कुछ सबूत भी सुनाए। साढ़ प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार सिंह ने बताया दोनों परिवारों को बुलाकर बीच का रास्ता निकालने की कोशिश की जा रही है।

महिला से मारपीट के दोषी को तीन वर्ष की सजा

बस्ती। एससी/एसटी के न्यायाधीश कमलेश कुमार की अदालत अनुसूचित जाति की महिला से मारपीट व जाति सूचक शब्द का इस्तेमाल करने के मामले में दोषी सोफिया खातून निवासी मुरादपुर थाना मुंडेरवा को तीन वर्ष कारावास की सजा सुनाई है। आठ हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया है। मुंडेरवा क्षेत्र के मुरादपुर गांव की वादिनी नीलम पत्नी धर्मेंद्र ने मुंडेरवा थाने में 13 मार्च 2021 को तहरीर देकर बताया कि शाम 7:30 बजे पानी चलाने की बात को लेकर गांव की चंद्रा व सोफिया खातून उसे गाली देने लगे। मना करने पर सोफिया ने उसे नाखून से नोंचने लगी। चंद्रा ने जाति सूचक शब्द कहते हुए लाठी से मारकर घायल कर दिया। मामले में विस्तृत विवेचना पश्चात अभियुक्ता सोफिया खातून के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाते हुए आरोप पत्र न्यायालय में तीन जुलाई 2021 को दाखिल किया गया था। अभियुक्त मसीउल्लह उर्फ चंद्रा का नाम निकल दिया था। विचारण के दौरान पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर अभियुक्त मसीउलाह उर्फ चंद्रा को विचरण के लिए तलब कर लिया जिसकी पत्रावली अलग है।

केरल में 160 किमी प्रति घंटे की हाई-स्पीड क्षमता वाली 7 परियोजनाओं के लिए डीपीआर सर्वेक्षण को मंजूरी दी गई

गोरखपुर: केरल में रेलवे नेटवर्क को बढ़ाने और सुधारने के लिए, 160 किमी प्रति घंटे की उच्च गति क्षमता के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए होरनूरझ्रमैंगलुरु तृतीय एवं चतुर्थ लाइन 307 किलोमीटर, कोयंबटूरझ्रशोरनूर तृतीय एवं चतुर्थ लाइन 99 किलोमीटर, शोरनूरझ्रएनार्कुलम तृतीय लाइन 106 किलोमीटर, एनार्कुलमझ्रकायंकुलम (कोट्टायम मार्ग से) तृतीय लाइन 115 किलोमीटर, कायंकुलमझ्रतिरुवनंतपुरम तृतीय लाइन 105 किलोमीटर, तिरुवनंतपुरमझ्रनागरकोइल तृतीय लाइन 71 किलोमीटर एवं तुरवूर अंबलप्पुझा दोहरीकरण 46 किलोमीटर खण्डों के सर्वेक्षणों को मंजूरी दी गई है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के बाद, परियोजना को मंजूरी देने के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और आवश्यक अनुमोदन जैसे नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि के साथ परामर्श की आवश्यकता होती है। चूंकि परियोजनाओं को मंजूरी देना एक लगातार और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए सटीक समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है। केरल सरकार वर्तमान में सिल्वर लाइन नामक सेमी-हाई स्पीड लाइन पर काम कर रही है। सिल्वर लाइन (तिरुवनंतपुरम-कासरगोड) परियोजना की डीपीआर केरल रेल विकास निगम लिमिटेड (केआरडीसीएल) द्वारा तैयार की गई थी, जो केरल राज्य सरकार और रेल मंत्रालय की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है। केआरडीसीएल को नवीनतम तकनीकी मानकों के अनुरूप डीपीआर को संशोधित करने की सलाह दी गई है, जैसे कि भारतीय रेलवे नेटवर्क के साथ एकीकरण के लिए ब्रॉड गेज को अपनाना, चापलूसी सत्तारूढ़ ढाल, यार्ड और सेक्शन के लिए उचित जल निकासी योजना, कवच का प्रावधान, 225 केवी विद्युतीकरण और निर्माण और संचालन के दौरान पर्यावरणीय सुरक्षा उपाय करना और मौजूदा रेल नेटवर्क के साथ एकीकरण आदि। हालांकि, केरल सरकार सिल्वर लाइन परियोजना को स्टैंड अलोन परियोजना के रूप में मानने पर जोर दे रही है। पिछले 11 वर्षों के दौरान गति क्षमता बढ़ाने के लिए भारतीय रेल में रेलवे पटरियों और सिग्नलिंग का उन्नयन और सुधार बड़े पैमाने पर किया गया है। भारतीय रेलों पर रेलपथ अवसंरचना में सुधार और सतत प्रक्रिया है। भारतीय रेल द्वारा रेल पटरियों, सिग्नलिंग आदि के उन्नयन के लिए निम्नलिखित उपाय किए जा रहे हैंः प्राथमिक रेलपथ नवीकरण करते समय 60 किग्रा, 90 अल्टीमेट टेन्साइल स्ट्रेंथ (यूटीएस) रेल, इलास्टिक फास्टनिंग के साथ चौड़े और भारी प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट स्लीपर (पीएससी), पीएससी स्लीपरों पर पंखे के आकार का लेआउट टर्नआउट और गर्डर ब्रिज पर एच-बीम स्लीपर से युक्त आधुनिक ट्रैक संरचना का उपयोग किया जा रहा है। मोटे वेब स्विच और वेल्ड करने योग्य सीएमएस क्रॉसिंग का उपयोग टर्नआउट नवीनीकरण कार्यों में किया जा रहा है। जोड़ों की वेल्डिंग से बचने के लिए 260 मीटर लंबे रेल पैनलों की आपूर्ति बढ़ाई गई है, जिससे सुरक्षा और सवारी की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। पहले के पारंपरिक/उन्नत एसईजे के स्थान पर मोटे वेब स्विच विस्तार जोड़ों का उपयोग किया जा रहा है। रेल यानी फ्लैश बट वेल्डिंग के लिए बेहतर वेल्डिंग तकनीक को अपनाना। ट्रैक की बेहतर रखरखाव और विश्वसनीयता के लिए उच्च आउटपुट प्लेन टैम्पर्स और पॉइंट्स और क्रॉसिंग टैम्पर्स का उपयोग करके ट्रैक रखरखाव के लिए मशीनीकृत प्रणाली को अपनाना। परिसंपत्ति की विश्वसनीयता को और बेहतर बनाने के लिए रेल ग्राईंडिंग मशीनों सहित अत्याधुनिक आधुनिक मशीनों की तैनाती। पीक्यूआरएस, टीआरटी, टी-28 आदि जैसी ट्रैक मशीनों के उपयोग के माध्यम से ट्रैक बिछाने की गतिविधियों का मशीनीकरण।

भारतीय रेल ने आधुनिकीकरण के बीच यात्री सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी

गोरखपुर : केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज राज्यसभा में एक प्रश ?न के उत ?तर में बताया कि भारतीय रेल परिचालन में यात्री सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। पिछले कुछ वर्षों में उठाए गए विभिन्न सुरक्षा उपायों से रेल दुर्घटनाओं में काफी कमी आई है। उन्होंने कहा भारतीय रेल में सुरक्षा संबंधी व्यय में पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई हैः- वर्ष 2013-14 में रु. 39,200 करोड़, वर्ष 2022-23 में रु. 87,336 करोड़, वर्ष 2023-24 में रु. 1,01,662 करोड़, वर्ष 2024-25 में रु. 1,14,022 करोड़, वर्ष 2025-26 में रु. 1,17,693 करोड़

कवच का कार्यान्वयन

. कवच स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है। कवच अत्यंत तकनीकी रूप से उन्नत प्रणाली है, जिसके लिए उच्चतम स्तर की सुरक्षा प्रमाणन की आवश्यकता होती है।

. कवच लोको पायलट को निर्दिष्ट गति सीमा के भीतर रेलगाड़ी चलाने में सहायता करता है, यदि लोको पायलट ऐसा करने में विफल रहता है तो यह स्वचालित रूप से ब्रेक लगा देता है और खराब मौसम के दौरान ट्रेनों को सुरक्षित रूप से चलाने में भी मदद करता है।

. यात्री रेलगाड़ी में इसका पहला परीक्षण फरवरी 2016 में आरंभ किया गया था। प्राप्त अनुभव और स्वतंत्र सुरक्षा मूल्यांकनकर्ता द्वारा इस प्रणाली के स्वतंत्र सुरक्षा मूल्यांकन के आधार पर, 2018-19 में तीन फर्मों को कवच संस्करण की आपूर्ति के लिए अनुमोदित किया गया।

५. कवच को जुलाई 2020 में राष्ट्रीय एटीपी प्रणाली के रूप में अपनाया गया।

५. कवच प्रणाली के कार्यान्वयन में निम्नलिखित प्रमुख गतिविधियां शामिल हैंः

प्रत्येक स्टेशन, खंड में स्टेशन कवच की स्थापना

ट्रैक की पूरी लंबाई में रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन टैग लगाई गई। यह रेडियो तरंगों का उपयोग करके वस्तुओं, व्यक्तियों या जानवरों की वायरलेस तरीके से पहचान और ट्रैकिंग करती है

सभी सेक ?शन में दूरसंचार टावरों की स्थापना

रेलवे ट्रैक के साथ-साथ ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाना

भारतीय रेलवे पर चलने वाले प्रत्येक लोकोमोटिव पर लोको कवच की व्यवस्था

५. दक्षिण मध्य रेलवे पर 1465 प्रति किलोमीटर ट्रैक पर कवच संस्करण 3.2 के कार्यान्वयन और प्राप्त अनुभव के आधार पर, आगे सुधार किए गए। अंततः, कवच विनिर्देश संस्करण 4.0 को 16.07.2024 को भारतीय रेलवे के शीर्ष अनुसंधान एवं विकास संस्था है आरडीएसओ द्वारा अनुमोदित किया गया।

शहर से 20 किलोमीटर के दायरे में बनेगी फ्लैटेड फैक्टरी एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए देखी जा रही जमीन

कानपुर। प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने बताया कि उद्योगों को सरकार लगातार प्रोत्साहित कर रही है। सरदार वल्लभ भाई पटेल इंप्लायमेंट एंड इण्डस्ट्रियल जोन के लिए शहर के अलग-अलग हिस्सों में जमीन देखी जा रही है। कानपुर में एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार के बजट में सरदार वल्लभ भाई पटेल इंप्लायमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन की घोषणा की गई है। इसके लिए 575 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस तरह के जोन प्रदेश के सभी 75 जिलों में प्रस्तावित हैं। इसके लिए शहर में जमीन देखी जा रही है। शहर से 20 किलोमीटर के दायरे में फ्लैटेड फैक्टरी बनेंगी। इस जोन में उद्योग विभाग, लीड बैंक, रोजगार, कौशल विकास से संबंधित कार्यालयों को एक छत के नीचे लाया जाएगा। इसका उद्देश्य उद्यम स्थापना से लेकर रोजगार मिलने तक की प्रक्रिया को सरल बनाना है। शासन की मंशा है कि उद्योग स्थापना से जुड़ी प्रक्रिया आसान की जा सके। इसके तहत 100 एकड़ में एक विशेष जोन बनाया जाना है। इसमें उद्योग से संबंधित विशेषज्ञ, कौशल विकास प्रशिक्षण, जिला उद्योग केंद्र, जिला रोजगार कार्यालय, ट्रेनिंग एवं इंटर्नशिप सहायक प्रकोष्ठ, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान प्रकोष्ठ आदि उद्योग से से जुड़े अन्य कार्यालय और लीड बैंक का कार्यालय एक ही स्थान पर होंगे। एक ही जोन में उपलब्ध हों सकेंगी आवश्यक सुविधाएं रोजगार, स्वरोजगार के इच्छुक युवाओं के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं इस एक ही जोन में उपलब्ध हो सकेंगी। यहां पर कार्यालय के अतिरिक्त बची भूमि पर रोजगार परक निर्माण इकाइयों या सर्विस इकाइयों की स्थापना कराई जा सकेगी। इसके लिए जिला प्रशासन के सहयोग से भूमि को चिह्नित किया जाएगा। इस जोन में फ्लैटेड फैक्टरी के अलावा मोटर ड्राइविंग ट्रैक के अलावा एआई आदि के शार्ट टर्म कोर्स का प्रशिक्षण दिया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि कुछ समय पहले मुख्यमंत्री की बैठक हुई थी। इसमें उन्होंने ये जोन शहर के 20 किलोमीटर के दायरे में ही बनाने के निर्देश दिए थे।

संक्षिप्त खबरें

एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 16 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 04054/04053 नई दिल्ली-बरौनी-नई दिल्ली वाया गोरखपुर होली विशेष गाड़ी का संचलन नई दिल्ली से 20 फरवरी से 06 मार्च, 2026 तक प्रतिदिन तथा बरौनी से 22 फरवरी से 08 मार्च, 2026 तक प्रतिदिन 15 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 04054 नई दिल्ली-बरौनी होली विशेष गाड़ी 20 फरवरी से 06 मार्च, 2026 तक प्रतिदिन नई दिल्ली से 19.50 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 20.50 बजे, अलीगढ़ से 22.30 बजे, टूण्डला से 23.45 बजे, दूसरे दिन इटावा से 01.00 बजे, कानपुर सेंट्रल से 06.00 बजे, उन्नाव से 06.35 बजे, ऐशबाग से 07.47 बजे, बादशाहनगर से 08.20 बजे, बाराबंकी से 09.15 बजे, गोंडा से 10.40 बजे, बस्ती से 11.55 बजे, खलीलाबाद से 12.27 बजे, गोरखपुर से 13.35 बजे, देवरिया सदर से 14.32 बजे, सीवान से 15.35 बजे, छपरा से 17.05 बजे, सोनपुर से 18.40 बजे, हाजीपुर से 18.55 बजे तथा शाहपुर पटोरी से 19.52 बजे छूटकर बरौनी 22.00 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 04053 बरौनी-नई दिल्ली होली विशेष गाड़ी 22 फरवरी से 08 मार्च, 2026 तक प्रतिदिन बरौनी से 00.45 बजे प्रस्थान कर शाहपुर पटोरी से 01.32 बजे, हाजीपुर से 02.35 बजे, सोनपुर से 02.47 बजे, छपरा से 05.10 बजे, सीवान से 06.07 बजे, देवरिया सदर से 07.10 बजे, गोरखपुर से 08.40 बजे, खलीलाबाद से 09.25 बजे, बस्ती से 09.55 बजे, गोंडा से 11.55 बजे, बाराबंकी से 13.55 बजे, बादशाहनगर से 14.50 बजे, ऐशबाग से 15.40 बजे, उन्नाव से 16.55 बजे, कानपुर सेंट्रल से 17.40 बजे, इटावा से 19.35 बजे, टूण्डला से 21.10 बजे, अलीगढ़ से 22.12 बजे तथा दूसरे दिन गाजियाबाद से 02.58 बजे छूटकर नई दिल्ली 03.50 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 08, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 06 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 16 कोच लगाये जायेंगे।

प्रत्येक शनिवार को 03 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 04022/04021 नई दिल्ली-गोरखपुर-नई दिल्ली होली विशेष गाड़ी का संचलन नई दिल्ली से 20 फरवरी से 06 मार्च, 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार को तथा गोरखपुर से 21 फरवरी से 07 मार्च, 2026 तक प्रत्येक शनिवार को 03 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 04022 नई दिल्ली-गोरखपुर होली विशेष गाड़ी 20 फरवरी से 06 मार्च, 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार को नई दिल्ली से 14.00 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 14.54 बजे, हापुड़ से 15.34 बजे, मुरादाबाद से 18.03 बजे, बरेली से 19.22 बजे, शाहजहाँपुर से 20.32 बजे, हरदोई से 21.19 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 23.10 बजे, दूसरे दिन गोंडा से 01.50 बजे तथा बस्ती से 03.02 बजे छूटकर गोरखपुर से 05.00 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 04021 गोरखपुर-नई दिल्ली होली विशेष गाड़ी 21 फरवरी से 07 मार्च, 2026 तक प्रत्येक शनिवार को गोरखपुर से 07.00 बजे प्रस्थान कर बस्ती से 08.05 बजे, गोंडा से 09.45 बजे, लखनऊ (उत्तर रेलवे) से 13.25 बजे, हरदोई से 14.57 बजे, शाहजहाँपुर से 16.30 बजे, बरेली से 17.50 बजे, मुरादाबाद से 19.45 बजे, हापुड़ से 21.10 बजे तथा गाजियाबाद से 22.12 बजे छूटकर नई दिल्ली 23.10 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में एल.एस.एल.आर.डी. का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित प्रथम श्रेणी का 01, तथा जनरेटर सह लगेज यान के 01 कोच सहित कुल 21 कोच लगाये जायेंगे।

देवरिया सदर से 07.42 बजे छूटकर गोरखपुर 09.15 बजे पहुँचेगी

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 03525/03526 आसनसोल-गोरखपुर-आसनसोल होली विशेष गाड़ी का संचलन आसनसोल से 28 फरवरी एवं 02 मार्च, 2026 को तथा गोरखपुर से 01 एवं 03 मार्च, 2026 को 02 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 03525 आसनसोल-गोरखपुर होली विशेष गाड़ी 28 फरवरी एवं 02 मार्च, 2026 को आसनसोल से 19.15 बजे प्रस्थान कर चित्तरंजन से 19.40 बजे, जामताड़ा से 19.56 बजे, मधुपुर से 20.26 बजे, जसीडीह से 21.15 बजे, झाझा से 22.35 बजे, जमुई से 22.55 बजे, किऊल से 23.18 बजे, दूसरे दिन बरौनी से 00.40 बजे, शाहपुर पटोरी से 01.32 बजे, हाजीपुर से 02.35 बजे, सोनपुर से 02.47 बजे, दिघवारा से 03.12 बजे, छपरा से 05.25 बजे, सीवान से 06.30 बजे, भटनी से 07.12 बजे तथा देवरिया सदर से 07.42 बजे छूटकर गोरखपुर 09.15 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 03526 गोरखपुर-आसनसोल होली विशेष गाड़ी 01 एवं 03 मार्च, 2026 को गोरखपुर से 12.15 बजे प्रस्थान कर देवरिया सदर से 12.40 बजे, भटनी से 13.12 बजे, सीवान से 13.55 बजे, छपरा से 15.25 बजे, दिघवारा से 16.12 बजे, सोनपुर से 17.00 बजे, हाजीपुर से 17.15 बजे, शाहपुर पटोरी से 18.02 बजे, बरौनी से 20.30 बजे, किऊल से 22.17 बजे, जमुई से 22.52 बजे, दूसरे दिन झाझा से 00.15 बजे, जसीडीह से 00.49 बजे, मधुपुर से 01.15 बजे, जामताड़ा से 01.47 बजे तथा चित्तरंजन से 02.02 बजे छूटकर आसनसोल 04.30 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 10, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 06 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

शिव मंदिर के पास मांस की दुकानें बंद कराने की मांग

बस्ती। शहर के कटरा पानी की टंकी के पास स्थित प्राचीन शिव मंदिर के पास खुलीं मांस की दुकानों को बंद कराने की मांग क्षेत्रीय लोगों ने डीएम से की है। इस बावत मोहल्ले के लोगों ने बृहस्पतिवार को डीएम के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा।ज्ञापन में कहा गया है कि शिव मंदिर की बांई तरफ मांस की कई दुकानें हैं। इनके दुकानदार धर्मस्थलों से दो से पांच सौ मीटर की परिधि में मांस, मछली और चिकन की दुकानों के संचालन पर पाबंदी का खुलेआम उल्लंघन कर रहे हैं। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि इससे हिंदू समाज में आक्रोश है। इस दौरान मोहित गुप्ता, रत्नाकर मिश्रा, रमनधर दूबे, विकास, हरि ओम प्रकाश, विवेक कुमार श्रीवास्तव, धर्मेंद्र कुमार, अनिल कुमार आदि मौजूद रहे।

कार से 6 लोगों को कुचलने वाले आरोपी छात्र को पुलिस ने किया गिरफ्तार

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के बंथरा इलाके में हनुमान मंदिर के पास एक अज्ञात कार ने ऑटोरिक्शा और पैदल यात्रियों को टक्कर मार दी। इस घटना में छह साल के बच्चे की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, बंथरा थाने को बृहस्पतिवार शाम करीब छह बजे हादसे की जानकारी मिली, जिसके बाद स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। शुरूआती जांच में पता चला है कि एक अज्ञात कार ने एक ऑटो रिक्शा और सड़क पर चल रहे लोगों को टक्कर मारी। पुलिस ने बृहस्पतिवार रात बताया कि घायलों की पहचान अरमान (12), अवध बिहारी (42), साधना वर्मा (35), मीना देवी (60) और दीक्षांत पटेल (छह) के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। दीक्षांत की हालत गंभीर थी, इसलिए उसे दूसरे अस्पताल में रेफर किया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

संक्षिप्त समाचार

भतीजी से फूफा ने की छेड़छाड़

ग्वालियर। कमरे में सो रही भतीजी से फूफा ने गलत काम करने का प्रयास किया। घटना सिरौल थाना क्षेत्र की है। गलत हरकत करने से युवती की नींद खुल गई और फूफा को धक्का देकर दूसरे कमरे में भाभी के पास पहुंची। घटना की जानकारी पीड़िता ने परिजनों से की तो परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और मामले की शिकायत की। पुलिस ने उनकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। सिरोल थाना क्षेत्र के डोगरपुर निवासी बीस वर्षीय युवती थाने पहुंची और शिकायत की है कि बीती पांच फरवरी को उसके फूफा उसके घर पर खाना खाने के बाद पिता व फूफा बातचीत करते रहे और जिस कमरे में वह सो रही थी उसमें पिता व फूफा भी आकर सो गए थे। जब उसके पिता सो गए तो फूफा उसके पलंग के पास पहुंचे और गलत हरकत करना शुरू कर दिया। पुलिस ने युवती की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

नकाबपोशों ने चलाई गोली महिला के पैर में लगी

ग्वालियर। घाटीगांव थाना क्षेत्र के ग्राम ठाटी में तीन दिन पहले हुए विवाद में दो दिन की जांच के बाद पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। एक महिला ने शिकायत की है कि दो नकाबपोश बदमाशों ने उस पर गोली चलाई थी। जो उसके पैर में लगी है। पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। घाटीगांव के ग्राम ठाटी में सोमवार रात को हरी सिंह कुशवाह तथा राजेश सिंह चौहान के बीच विवाद हो गया था। विवाद का कारण हरी सिंह ने उधार दिए गए 20 हजार रुपए राजेश से वापस मांग लिए थे। दोनों तरफ से लाठियां चलीं, जिसमें 8 लोग घायल हुए थे। दो की हालत गंभीर होने पर उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं लता पत्नी फेरन सिंह कुशवाह ने पुलिस को बताया है कि दो नकाबपोश व्यक्ति आए और मारपीट करने के बाद गोली चला दी। गोली पैर में लगी जिससे वह घायल हो गई। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर दो अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

घाटीगांव के ग्राम ठाटी में तीन दिन पहले हुआ था विवाद

मौसम के बदले मिजाज से बढ़ी बीमारियां

दिन-रात के तापमान में बड़े अंतर से सर्दी-जुकाम के मरीजों में इजाफा

■ ग्वालियर

फरवरी माह के मध्य तक पहुंचते-पहुंचते शहर में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। सुबह और देर रात जहां हल्की सर्दी लोगों को गर्म कपड़े पहनने पर मजबूर कर रही है, वहीं दोपहर में तेज धूप के कारण गर्मी का अहसास होने लगा है। दिन और रात के तापमान में दोगुने से अधिक का अंतर दर्ज किया जा रहा है, जिससे जनजीवन के साथ-साथ लोगों की सेहत भी प्रभावित हो रही है।

मौसम के इस असंतुलन का असर सीधे तौर पर स्वास्थ्य पर दिखाई दे रहा है। शहर के अस्पतालों में बुखार, खांसी, जुकाम और शरीर दर्द से पीड़ित मरीजों की संख्या बढ़ी है। चिकित्सकों का कहना है कि अचानक ठंड से गर्मी या गर्मी से ठंड होने पर शरीर को अनुकूल होने में समय लगता है। ऐसे में थोड़ी सी लापरवाही भी संक्रमण का कारण बन जाती है।

जयारोग्य चिकित्सालय की ओपीडी में इन दिनों मरीजों की भीड़ बढ़ती नजर आ रही है। विशेष रूप से मेडिसिन विभाग में सबसे अधिक मरीज पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों के अनुसार वायरल संक्रमण के लक्षणों वाले मरीजों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। इसी तरह जिला अस्पताल की मेडिसिन ओपीडी के बाहर भी लंबी कतारें देखी जा सकती हैं। यहां भी सर्दी-जुकाम और बुखार के मरीजों की संख्या अन्य बीमारियों की तुलना में अधिक है।

मेडिसिन रोग विशेषज्ञ डॉ. नीतेश मुदगल का कहना है कि लोग दोपहर में गर्मी महसूस होते ही जल्दबाजी में गर्म कपड़े उतार देते हैं, जबकि सुबह और शाम का मौसम अभी भी ठंडा है। शरीर का तापमान बार-बार बदलने से रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित होती है और बदन दर्द, गले में खराश तथा बुखार जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। यह मौसम विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों के लिए अधिक संवेदनशील माना जाता है।

उन्होंने सलाह दी है कि बदलते मौसम में विशेष सावधानी बरतें। संतुलित आहार लें, पर्याप्त पानी पिएं और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर मास्क का उपयोग करें। यदि सर्दी-जुकाम या बुखार के लक्षण दिखाई दें तो स्वयं दवा लेने के बजाय चिकित्सक से परामर्श अवश्य करें। बिना सलाह एंटीबायोटिक का सेवन नुकसानदायक हो सकता है।

इन बातों का रखें विशेष ध्यान

- गर्मी का अनुभव होने पर तुरंत गर्म कपड़े न उतारें।
- सुबह और शाम शरीर को ठंड से बचाकर रखें।
- सर्दी, जुकाम या शरीर दर्द होने पर चिकित्सकीय सलाह लें।
- लंबे समय तक बुखार रहने पर आवश्यक जांच कराएं।
- बिना डॉक्टर की सलाह एंटीबायोटिक या अन्य दवाएं न लें।
- जंक फूड और खुले बाजार के खानपान से परहेज करें।
- संक्रमित व्यक्ति के कपड़े और तौलिए का उपयोग न करें।
- बदलते मौसम में सतर्कता ही स्वास्थ्य की सुरक्षा का सबसे प्रभावी उपाय है।

गूगल पर तलाशा नंबर, भेजी एपीके फाइल, चार लाख पार

मुरार थाना क्षेत्र के अशोक कॉलोनी की घटना

■ ग्वालियर

खराब हुई वॉशिंग मशीन को सुधरवाने के लिए गूगल पर कस्टमर केयर का नंबर तलाश रहे बेकरी संचालक को भारी पड़ गया। कस्टमर केयर की जगह साइबर ठगों से उनकी बात हो गई और ठगों ने एपीके फाइल भेजकर उसके खाते से चार लाख रुपए निकाल लिए। घटना मुरार थाना क्षेत्र के अशोक कॉलोनी में सात फरवरी की है। घटना का पता गुरुवार की शाम को चला जब उन्होंने अपना मोबाइल चेक किया। ठगी का पता चलते ही पीड़ित साइबर सेल और फिर मुरार थाने पहुंचे।

मुरार थाना क्षेत्र के अशोक कॉलोनी निवासी सतीश कुमार माहौर बेकरी संचालक है। सात फरवरी को उनकी वॉशिंग मशीन खराब हो गई थी। वॉशिंग मशीन सुधरवाने के लिए वह गूगल पर कस्टमर केयर का नंबर तलाश रहे थे। इसी बीच उन्हें एक मोबाइल नंबर दिखा और उन्होंने कॉल किया। कॉल करने वाले ने खुद को कस्टमर केयर कर्मचारी बताया। इसके बाद बातचीत हुई और उसने रिपेयर ई सर्विस के नाम से एपीके फाइल की लिंक सेंड कर दी।

डाउनलोड करते ही मोबाइल हुआ हैक

एपीके फाइल डाउनलोड करते ही उनका मोबाइल कुछ मिनट के लिए हैक होकर बंद हो गया। इसके बाद जब मोबाइल स्टार्ट हुआ तो उनके मोबाइल पर कॉल आया। इसके बाद उसने एक रुपए का ट्रांजेक्शन कराया। जिस पर सतीश ने एक रुपए का ट्रांजेक्शन कर दिया। इसके बाद दो दिन में ठग ने उसके खाते से चार लाख रुपए बैंक ऑफ बडौदा के अकाउंट में ट्रांसफर कर लिए।

नैनोमैटेरियल्स पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से

जल, वायु और मृदा प्रदूषण का नैनो मैटेरियल्स से हो सकता है निदान

■ ग्वालियर

जीवाजी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ स्टडीज इन एनवायरनमेंटल केमिस्ट्री द्वारा प्रदूषण निवारण में नैनोमैटेरियल्स के उभरते रुझान विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 13 एवं 14 फरवरी को किया जा रहा है। यह संगोष्ठी पीएम-उषा (प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान) के सहयोग से आयोजित होगी।

कार्यक्रम के संयोजक प्रो. निमिषा जादौन एवं प्रो. एसएन मोहापात्रा ने बताया कि संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र शुक्रवार को प्रातः 10:30 बजे जीवाजी विश्वविद्यालय के गालव सभागार में आयोजित किया जाएगा। उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष प्रभारी कुलगुरु प्रो.जेएन गौतम होंगे। मुख्य अतिथि प्रो. नीलिमा सिंह चंदेल, पूर्व कुलगुरु, कोटा विश्वविद्यालय (राजस्थान) तथा विशिष्ट अतिथि प्रो.राजेश सिंह तोमर, कुलगुरु, एमिटी विश्वविद्यालय रहेंगे।

संगोष्ठी का समापन सत्र 14 फरवरी को सायं 4 बजे सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन फैसिलिटी में आयोजित किया जाएगा। जिसमें प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे, कुलगुरु राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि के रुप में शामिल होंगी, जबकि अध्यक्षता प्रो. जेएन गौतम करेंगे।

संगोष्ठी में देशभर से पर्यावरण रसायन, नैनोप्रौद्योगिकी और प्रदूषण नियंत्रण के क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ, शोधार्थी एवं शिक्षाविद् भाग लेंगे। सम्मेलन का उद्देश्य नैनोमैटेरियल्स के माध्यम से वायु, जल एवं मृदा प्रदूषण नियंत्रण की नवीन तकनीकों, शोध निष्कर्षों और भावी संभावनाओं पर विमर्श करना है।

आयोजकों के अनुसार यह संगोष्ठी पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में नई दिशा प्रदान करेगी। यह विद्वान होंगे शामिल : तकनीकी सत्र में प्रो. आलोक मित्तल मैनिट, भोपाल, प्रो. गजानन पांडेय बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, प्रो. एपी मिश्रा डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, प्रो. रोहित श्रीवास्तव दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट, आगरा, प्रो. आभा शर्मा नाइपर, रायबरेली, डॉ. तनवीर आजनि सीएसआईआर-नीरी, डॉ. उमा शर्मा विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन, प्रो. अनुराग श्रीवास्तव एबीवी-आईआईटीएम, डॉ. मुकेश कुमार शर्मा डीआरडीई, डॉ. धनंजय इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ. बिनोता थोखचोम-धनामंजुरी विश्वविद्यालय, इम्फाल(मणिपुर) शामिल होंगे।

मृतका के घर पहुंची चिकित्सकों की टीम

■ ग्वालियर

आवारा श्वानों के काटने से हुई मौतों को लेकर सामने आई सूचनाओं के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मृतका के घर पहुंचकर विस्तृत जांच की। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने बताया कि ग्वालियर जिले में रेबीज से केवल एक ही मृत्यु हुई है, जबकि अन्य दो मृतक दतिया और टीकमगढ़ जिलों के निवासी थे। हालांकि सभी मरीजों का उपचार ग्वालियर में ही चल रहा था। सीएमएचओ कार्यालय की आईडीएसपी टीम, जिसमें जिला स्वास्थ्य एवं महामारी नियंत्रण अधिकारी डॉ. मनोज कौरव तथा जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. महेन्द्र पिपरौलिया शामिल रहे। टीम ने श्री कृष्ण कॉलोनी, सिकंदर कम्पू स्थित स्व. किरन लालवानी (48) के निवास पर पहुंचकर परिजनों से जानकारी एकत्र की। परिजनों ने बताया कि 3 दिसंबर 2025 को शाम लगभग 7 बजे एक आवारा श्वान ने श्रीमती लालवानी को दाएं पैर की एड़ी में काट लिया था। अगले दिन उन्होंने निकटवर्ती क्लीनिक में प्राथमिक उपचार लिया, लेकिन एंटी रेबीज वैक्सीन के डोज नहीं लगवाए। 31 जनवरी 2026 को उनके बाएं पैर में दर्द शुरू हुआ और 2 फरवरी को रेबीज के लक्षण प्रकट हुए। 3 फरवरी को उन्हें जयारोग्य चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान 4 फरवरी को उनका निधन हो गया। विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी पशु के काटने पर तत्काल घाव को साबुन-पानी से अच्छी तरह धोकर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में एंटी रेबीज टीकाकरण अवश्य कराएं, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

चाय दुकानदार का मोबाइल चुराकर 12 बार में निकाले 27 हजार रुपए

■ ग्वालियर

चाय की दुकान चलाने वाले युवक का मोबाइल चोरी करने के बाद चोर ने उसके खाते से 27 हजार रुपए निकाल लिए। मोबाइल चोरी करने से पहले चोर ने उसके फोन-पे का पिन नंबर देख लिया था। मोबाइल चोरी करने के बाद उसने 12 बार में ट्रांजेक्शन कर रकम पार की है। दुकानदार को पता उस वक्त चला जब उसने दूसरी सिम निकलवाकर मोबाइल चलाया। यह पता चलते ही वह पड़ाव थाने पहुंचा और मामला दर्ज कराया। पुलिस के अनुसार चाय की दुकान चलाने वाले विकास के खाते से रकम पार हुई है। उसकी विकास नगर साईं बाबा मंदिर के पास चाय की दुकान है। विगत 9 फरवरी को रोजाना की तरह दिनेश व उनका साला दीपक कुशवाह दुकान पर काम कर रहे थे। तभी किसी ने उसका मोबाइल चोरी कर लिया। उसने मोबाइल काफी तलाश किया, लेकिन मिला नहीं। जिसने मोबाइल चोरी किया उसने उसका फोन पे का पिन नंबर देख लिया था। मोबाइल हाथ मे आने के बाद उसने खाते से रकम पार कर दी। जब दिनेश ने नई सिम निकलवाकर उसका उपयोग शुरु किया तो बैंक से मैसेज आना प्रारंभ हो गया। बैंक से जब यह मैसेज आए कि 12 बार में 27 हजार रुपए का ट्रांजेक्शन हुआ है तो दिनेश कुशवाह के होश उड़ गए। बीती रात वह पड़ाव थाने पहुंचे और प्राथमिकी दर्ज कराई।

ट्रेड यूनियन की हड़तालः बैंकों की 70 शाखाएं बंद रहीं, किया धरना प्रदर्शन

■ ग्वालियर

नए लेबर कोड के विरोध में गुरुवार को ट्रेड यूनियनों द्वारा पूरे देश सहित ग्वालियर में एक दिवसीय हड़ताल की गई। जिसमें ग्वालियर की 11 बैंकों की 70 शाखाएं बंद रहीं, जिनमें कोई कामकाज नहीं हुआ। इस दौरान लगभग 100 करोड़ का लेनदेन प्रभावित हुआ। इस हड़ताल में ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉइज एसोसिएशन एवं बैंक एम्पलोईज फेडरेशन ऑफ इंडिया आदि शामिल रहे।

राष्ट्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर देशव्यापी हड़ताल के तहत फूलबाग लक्ष्मीबाई की समाधि के सामने धरना प्रदर्शन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रमिक शामिल हुए। सीटू के राज्य उपाध्यक्ष रामविलास गोस्वामी ने कहा कि श्रमिक विरोधी श्रम संहिताओं को जब तक वापस नहीं लिया जाता तब तक संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका से की गई व्यापारिक डील भी पूरी तरह गुलामी की डील है। इसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, एकता यूनियन और आशा उषा यूनियन की व्यापक भागीदारी रही। धरना प्रदर्शन में इंटक के राजेंद्र सिंह नाती, अशोक गोस्वामी, किशन बघेल, मनोज शर्मा आदि शामिल रहे।

मधुमक्खी पालन से बढ़ाएं कमाई

■ ग्वालियर

कृषि विज्ञान केन्द्र ग्वालियर में राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन के तहत एक दिवसीय जिला स्तरीय सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रगतिशील कृषक, युवा, मधुमक्खी पालक, कृषक उत्पादक संगठन तथा कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारी शामिल हुए। मुख्य अतिथि दुर्गेश कुवंर सिंह जाटव ने मधुमक्खी पालन को लाभकारी व्यवसाय बताते हुए युवाओं और किसानों से इसे अपनाने का आह्वान किया। अध्यक्षता करते हुए सहायक संचालक उद्यानिकी एमपी बुन्देला ने बागवानी फसलों के साथ मधुमक्खी पालन को कम लागत में अधिक लाभदायक बताया। उपसंचालक कृषि रनवीर सिंह जाटव ने इसे आय वृद्धि का प्रभावी माध्यम बताया।

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. शैलेन्द्र सिंह कुशवाह ने कहा कि मधुमक्खी पालन से परागण बढ़ता है, जिससे फसलों की गुणवत्ता और उत्पादन में सुधार होता है। डॉ. अशोक यादव ने वैज्ञानिक तकनीकों से शहद उत्पादन की जानकारी दी। कार्यक्रम में शहद प्रसंस्करण और विपणन से जुड़ी योजनाओं पर भी मार्गदर्शन दिया गया। लगभग 220 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

श्रम संहिताओं के विरोध में दवा प्रतिनिधियों का प्रदर्शन

■ ग्वालियर

ऑल इंडिया संगठन एफएमआरएआई के आह्वान पर गुरुवार को ग्वालियर के सभी दवा प्रतिनिधि हड़ताल पर रहे। हड़ताल के दौरान शहर के दवा प्रतिनिधि दवा बाजार, हुजरात पुल पर एकत्रित हुए और वहां से रैली के रूप में निकलकर लक्ष्मीबाई समाधि के सामने आयोजित संयुक्त ट्रेड यूनियन के कार्यक्रम में शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए एमआर यूनियन के सचिव अभिषेक पाठक ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा नए लेबर कोड बिल लागू किए जाने से दवा प्रतिनिधियों के लिए बना एकमात्र कानून सेल्स प्रमोशनल एम्प्लॉई (शर्तें सेवा) अधिनियम 1976 प्रभावहीन हो गया है। उन्होंने कहा कि इसी अधिनियम के तहत दवा प्रतिनिधियों को कानूनी अधिकार और सुरक्षा प्राप्त थी, जो अब समाप्त हो गई है। इससे देशभर के दवा प्रतिनिधियों में असंतोष है। हड़ताली दवा प्रतिनिधियों ने केंद्र सरकार से चारों श्रम संहिताएं रद्द करने की मांग की। रैली और सभा में ग्वालियर यूनिट के अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, राजीव झा, राहुल शर्मा, अजय भदौरिया, चंद्रवीर भदौरिया, विवेक चौहान सहित अन्य उपस्थित रहे।

मेले में युवकों के बीच चले लात-घूंसे

ग्वालियर। ग्वालियर व्यापार मेले में गुरुवार को एक कपड़े की दुकान के सामने किसी बात को लेकर दो युवकों के बीच लात-घूंसे चल गए। दोनों युवक आपस में काफी देर तक झगड़ते रहे। इसके बाद मेला दुकानदारों और सैलानियों ने दोनों को एक-दूसरे से अलग किया। इसके बाद दोनों देख लेने की धमकी देते हुए चले गए। इस संबंध में जब मेला प्राधिकरण से पूछा तो उन्होंने कहा कि इस बारे में हमारे पास कोई जानकारी नहीं है।

एरोपोनिकव हाइड्रोपोनिक इकाइयों का किया अवलोकन

■ ग्वालियर

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के भ्रमण पर पहुंचे मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के सचिव अक्षय कुमार सिंह ने एरोपोनिक और हाइड्रोपोनिक इकाइयों का अवलोकन कर नवाचारों की सराहना की। हवा में उगाए जा रहे आलू और बिना मिट्टी के तैयार हो रहे धनिया को देखकर उन्होंने कहा कि ऐसी उन्नत तकनीक किसानों तक पहुंचनी चाहिए। कुलगुरु डॉ. अरविंद कुमार शुक्ला ने एरोपोनिक तकनीक की जानकारी देते हुए बताया कि इसमें पौधों की जड़ों पर पोषक तत्वों की फुहार से बिना मिट्टी उत्पादन लिया जाता है। हाइड्रोपोनिक यूनिट में उगाए गए धनिया और टमाटर की गुणवत्ता ने भी अतिथि को प्रभावित किया। भ्रमण के दौरान इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम मॉडल, जैविक तालाब, वैदिक गांव की परिकल्पना, ट्री हाउस मॉडल और विश्वविद्यालय परिसर में उगाई गई ब्लूबैरी जैसी उच्च मूल्य फसलों का भी अवलोकन कराया गया। सचिव ने कहा कि तकनीक आधारित खेती से सीमित संसाधनों में अधिक उत्पादन संभव है और इससे किसान आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

निरीक्षण से पहले अस्पताल में सुधार की कवायद

जिला अस्पताल की मूलभूत समस्याएं जस की तस

■ ग्वालियर

मुरार जिला अस्पताल में 28 फरवरी को नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड (एनक्यूएएस) की टीम के निरीक्षण से पहले अस्पताल प्रबंधन व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में जुट गया है। टीम के प्रस्तावित आगमन को देखते हुए अस्पताल परिसर में रंगाई-पुताई, साफ-सफाई और दस्तावेजों को व्यवस्थित करने का काम तेजी से किया जा रहा है। हालांकि इन तैयारियों के बीच कई मूलभूत समस्याएं अब भी जस की तस बनी हुई हैं, जिससे व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जानकारी के अनुसार निरीक्षण की तिथि तय होते ही अस्पताल में बाहरी सुधार कार्यों की गति बढ़ा दी गई है। वहीं आरोप यह भी लग रहे हैं कि कुछ अव्यवस्थाओं को अस्थायी रूप से छिपाने का प्रयास भी किया जा रहा है। जबकि हकीकत यह है कि कई महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरण लंबे समय से बंद पड़े हैं, जिससे मरीजों की जांच प्रभावित हो रही है।

एमआरआई सुविधा का लाभ आयुष्मान योजना के मरीजों को पिछले करीब ढाई माह से नहीं मिल पा रहा है। मशीन का संचालन कर रही निजी एजेंसी द्वारा आयुष्मान के तहत भर्ती मरीजों की जांच नहीं किए जाने से मरीजों को निजी तौर पर शुल्क देकर जांच करानी पड़ रही है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इसी प्रकार टीएमटी मशीन भी लगभग डेढ़ वर्ष से उपयोग में नहीं लाई गई है। बताया जा रहा है कि मशीन संचालन के लिए चिकित्सक को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, लेकिन अब तक इसे शुरू नहीं किया गया। हृदय संबंधी जांच के लिए मरीजों को आज भी जयारोग्य चिकित्सालय का रुख करना पड़ता है।

अस्पताल के नवनिर्मित ऑपरेशन थिएटर की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठे हैं। शुरू हुए एक माह से कम समय में ही हालिया बारिश के दौरान ओटी में पानी टपकने की शिकायत सामने आई। वहीं आईसीयू में फॉल्स सीलिंग के हिस्से ढीले पड़ने लगे थे, जिन्हें अब ठीक कराया जा रहा है।

प्रेस्टीज में कम्युनिटी मीडिएशन सेंटर का शुभारंभ

मध्यस्थता से मिलेगा शीघ्र और सुलभ न्याय

■ ग्वालियर

प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च के विधि विभाग में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से कम्युनिटी मीडिएशन सेंटर का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति विवेक रूसिया, प्रशासनिक न्यायाधीश, मप्र उच्च न्यायालय एवं कार्यकारी अध्यक्ष, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ललित किशोर गर्ग ने किया।

न्यायमूर्ति श्री रूसिया ने कहा कि मध्यस्थता समाज में सौहार्दपूर्ण समाधान का सशक्त माध्यम है। श्री ललित किशोर गर्ग ने इसे सरल न्याय प्रक्रिया की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। संस्थान की निदेशक प्रो. डॉ. निर्मला बंद्योपाध्याय एवं विभागाध्यक्ष प्रो. राखी सिंह चौहान ने केंद्र को विद्यार्थियों के व्यावहारिक प्रशिक्षण हेतु उपयोगी बताया।

इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश ऋतुराज सिंह चौहान, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रशांत पाण्डेय, जिला विधिक सहायता सचिव प्रियंक भारद्वाज, विशेष रेलवे मजिस्ट्रेट अतुल यादव, जिला बार काउंसिल अध्यक्ष पवन पाठक, अतिरिक्त महाधिवक्ता दीपेंद्र सिंह कुशवाह एवं राजेश कुमार शुक्ला उपस्थित रहे। कार्यक्रम में इंदौर सामुदायिक मध्यस्थता मॉडल पर लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

मंत्र भारत

ग्वालियर -शनिवार,14 फरवरी 2026

विचार

संपादकीय

राहुल गांधी पर भाजपा का नया वार

कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से भाजपा का डर अब खुलकर सामने आने लगा है। बुधवार को राहुल गांधी ने संसद में जिस तरह अमेरिका से हुए व्यापार समझौते और एपस्टीन फाइल्स पर मोदी सरकार को घेरा, उसके बाद उनके भाषण के कई हिस्से सदन की कार्रवाई से निकाल दिए गए। इसके बाद भी राहुल गांधी का सामना भाजपा नहीं कर पा रही है तो अब उन्हें संसद से बाहर करने की कोशिश करने लगी है। हालांकि केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने बुधवार को संसद में और संसद के बाहर कहा था कि भाजपा राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाएगी। लेकिन गुरुवार को भाजपा ने सिर्फ लोकसभा सदस्यता समाप्त करने की मांग की। समझा जाता है कि विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव रखे जाने पर भाजपा को अपने सहयोगी दलों से समर्थन की उम्मीद नहीं थी। दूसरा डर यह था कि इस पर संसद में बहस के दौरान फिर केंद्र बिंदु राहुल गांधी ही बनते। और मोदी सरकार नहीं चाहती कि राहुल गांधी पर बहस केंद्रित हो। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि मैंने एक ठोस प्रस्ताव पेश किया है जिसमें मैंने उल्लेख किया है कि वे कथित तौर पर सोरोस फाउंडेशन, फोर्ड फाउंडेशन, यूएसएआईडी से जुड़ेहुए हैं और थाईलैंड, कंबोडिया, वियतनाम और अमेरिका जैसे स्थानों की यात्रा करते हैं, और भारत विरोधी ताकतों से जुड़े हुए हैं। मैंने मांग की है कि उनकी सदस्यता रद्द की जाए और उन्हें जीवन भर के लिए चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित किया जाए। अपने डर को छिपाने के लिए नरेन्द्र मोदी ने निशिकांत दुबे को आगे किया है, हालांकि इस नोटिस के बाद भाजपा को यह साबित भी करना होगा कि जिन फाउंडेशन्स या देशों का नाम लिया गया है, वे किस तरह देश विरोधी हैं और राहुल से उनके क्या संबंध हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि राहुल गांधी को चुनाव लड़ने से रोकने और संसद सदस्यता खत्म करने का यह नोटिस उस समय दिया गया जब मोदी सरकार को ही यह साबित करना है कि एपस्टीन फाइल्स मामले में वह बेदाग हैं। क्योंकि नरेन्द्र मोदी, उनके केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, श्री मोदी के करीबी कारोबारी अनिल अंबानी जैसे लोगों के नाम इस कुख्यात मामले में आए हैं। ऐसे में केवल मुंहजबानी सफाई पेश करने से कुछ नहीं होगा। बल्कि ठोस सबूतों के साथ साबित करना होगा कि मानव तस्करी, यौन शोषण और मानवता को तार-तार करने वाले न जाने कितने घिनौने अपराधों से जुड़े इस मामले में किसी तरह भी मोदी सरकार का कोई संबंध नहीं है। हम यह बात पहले भी लिख चुके हैं कि इस मामले में दुनिया भर में इस्तीफे हो रहे हैं। किसी पर अपराध साबित हुआ या न हुआ हो, केवल एपस्टीन फाइल्स में नाम आने पर ही लोगों को इस्तीफे के लिए मजबूर किया जा रहा है। यहां तक कि अमेरिका में भी इस पर ट्रंप के विरोधी नेता सवाल कर रहे हैं और उन्हें सवाल करने दिया जा रहा है। मगर भारत में भाजपा को बचाने के लिए एपस्टीन फाइल्स का नाम लेना ही गुनाह की तरह दिखाया जा रहा है। बुधवार को जब संसद के भीतर राहुल गांधी को इस मामले में बोलने से रोका गया तो उन्होंने बाहर आकर अपने आरोपों को दोहराया। जिसके बाद केन्द्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने प्रेस कांफ्रेंस कर अपना पक्ष रखा। हालांकि वे चाहते तो जब से उनका नाम इस मुद्दे पर आया, तभी खुलकर सारी बातें बता सकते थे। लेकिन दबाने-छिपाने की इस प्रवृत्ति से ही शक गहराता है। बहरहाल, हरदीप सिंह पुरी ने माना कि उनकी मुलाकात कुख्यात अपराधी जेफ्री एपस्टीन से तीन-चार बार हुई थी। यानी राहुल गांधी ने संसद के भीतर जो कुछ कहा, उसे खुद हरदीप पुरी ने सत्यापित कर दिया है। इसके बाद उन पर क्या आरोप लगते हैं और कितने साबित होते हैं, ये तो बाद की बात है, सबसे पहले उन्हें नैतिकता के आधार पर ही इस्तीफा दे देना चाहिए। लेकिन मोदी सरकार की डिक्शनरी में शायद नैतिकता शब्द है ही नहीं, इसलिए उसके आधार पर इस्तीफे भी नहीं होते। पत्रकारों को अपनी बात बताते हुए हरदीप पुरी ने कुछ बड़ी गलतियां कर दीं। एक तो उन्होंने कहा कि एपस्टीन पर कुछ कम उम्र की लड़कियों के शोषण का आरोप था, जबकि सच यह है कि इस मामले में उसे सजा भी हो चुकी थी। दूसरी बात कम उम्र की लड़कियों को ही बच्चियां कहा जाता है और यह बच्चियों की तस्करी, या उनसे दुष्कर्म बेहद गंभीर अपराध है। भारत में भी इसी पर पॉक्सो एक्ट बना है, लेकिन हरदीप पुरी ने इतने हल्के तरीके से यह बात कही, मानो इसमें कोई बड़ी बात नहीं है। हरदीप सिंह पुरी ने ये दावा भी किया है कि मोदी कभी एपस्टीन से नहीं मिले, इस पर पवन खेड़ा ने पूछा है कि हरदीप पुरी आपको इतना यकीन कैसे है कि प्रधानमंत्री कभी श्री एपस्टीन से नहीं मिले? क्या आप उनके मध्यस्थ थे? क्या आप भाजपा नेताओं के लिए एपस्टीन के गेटकीपर थे? हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि अमेरिका में भारतीय राजदूत के पद से रिटायर होने के कुछ महीने बाद मुझे इंटरनेशनल पीस इंस्टीट्यूट (आईपीआई) में आमंत्रित किया गया था। आईपीआई में मेरे बॉस टेरियल रोड लार्सन उस कुख्यात व्यक्ति, एपस्टीन को जानते थे। मैं तीन या अधिकतम चार बार उनसे मिला।आपको बता दूं कि जिस आईपीआई यानी अंतरराष्ट्रीय शांति संस्थान की बात हरदीप पुरी कर रहे हैं, वो न्यूयॉर्क का थिंक टैंक है, जहां हरदीप पुरी ने रिटायर होने के बाद और भाजपा में शामिल होने से पहले काम किया था। इस संस्था को भी एपस्टीन से फंड मिला था। हरदीप यह बात साफ नहीं कर रहे हैं कि अगर वो एपस्टीन से तीन-चार बार मिले तो क्या हर बार आईपीआई प्रतिनिधिमंडल के साथ मिले थे। लिंक्ड इन के संस्थापक रीड हॉफमैन का नाम भी इन फाइल्स में है और हरदीप सिंह पुरी की हॉफमैन से मुलाकात और उनके भारत दौरे की तैयारी की बात भी सामने आई है। हॉफमैन से मुलाकात पर एपस्टीन ने हरदीप सिंह पुरी से बातचीत की थी, ऐसा खुलासा भी हुआ है। ऐसे में सवाल है कि मोदी सरकार अपने दूतावास और विदेश मंत्रालय को छोड़कर सेवानिवृत्त हरदीप सिंह पुरी की सेवाएं क्यों ले रही थी ।

उपभोक्ता आन्दोलन की 40 वर्ष की यात्रा, कितनी न्यायकारी

> क्रांति से शांति तक नामक फोटो प्रदर्शनी नेपाली कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय, सानेपा, ललितपुर में आयोजित किया गया था, जहां वर्तमान प्रधानमंत्री प्रचंड आये, और इसके प्रकारांतर पीएम इन वेटिंग, केपी शर्मा ओली भी पधारे। उस अवसर पर प्रचंड का नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा से क्या संवाद हुआ, वह सार्वजनिक नहीं हुआ है। मगर, बुधवार सुबह प्रचंड ने घोषणा की, कि पहले संसद में विश्वास मत करा लेते हैं, फिर मैं कुर्सी छोडूंगा। एक साल 180 दिनों से प्रचंड सत्ता में हैं। तीसरे टर्म प्रधानमंत्री पद पर बने रहना कितना कठिन होता है, उसे यों समझा जाये कि अब तक उन्हें चार बार विश्वास मत हासिल करना पड़ा है। आखिरी बार 20 मई, 2024 को प्रचंड को विश्वास मत हासिल करना पड़ा था, तब उपेन्द्र यादव के नेतृत्व वाली जनता समाजवादी पार्टी ने अपना समर्थन वापस ले लिया था। बुधवार शाम एमाले ने समर्थन वापसी की घोषणा कर दी।

-अविनाश राय

उपभोक्ता आन्दोलन का सूत्रपात 1986 में बने उपभोक्ता संरक्षण कानून के द्वारा हुआ, जिसमें उपभोक्ताओं के प्रति बरती गई लापरवाहियों, जैसे खराब वस्तुओं की बिक्री या सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही की जांच करके यथोचित आदेश पारित करने के लिए जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तरों पर न्यायालयों के गठन के लिए मार्ग प्रशस्त किए गए। वर्ष 2019 में इस कानून में अनेकों बदलाव भी लाए गए, किन्तु आज यदि 40 साल की इस उपभोक्ता संरक्षण यात्रा का आकलन करें तो ऐसा लगता है कि न्याय मांगने वालों को शीघ्र न्याय में विलम्ब तो देश के सामान्य न्याय व्यवस्था की तरह ही झेलना पड़ रहा है, जबकि दूसरी तरफ देशवासियों की बहुत बड़ी संख्या तो अभी तक अपने इस बहुमूल्य अधिकार के बारे में अंजान ही दिखाई देती है। इसलिए सबसे पहले तो उपभोक्ता संरक्षण अधिकार के प्रति अज्ञानता की इस मूल कमी को दूर करने के लिए इसे शिक्षा व्यवस्था के साथ जोड़ा जाना चाहिए। राजनीति विज्ञान में तो यह एक अच्छा विषय बनाया जा सकता है, बल्कि हिन्दी, अंग्रेजी, पंजाबी, उर्दू सहित देश की सभी भाषाओं की पुस्तकों में मैट्रिक और इंटर स्तर पर भी कुछ न कुछ पाठ जोड़े जा सकते हैं। जब तक ऐसे पाठ्यक्रम सम्भव न हों, तब तक विद्यालयों में गोष्ठियों या नुक्कड़ नाटकों की तरह जागरूकता अभियान चलाए जा सकते हैं। देश के गैर-सरकारी सामाजिक और धार्मिक संगठनों को भी ऐसे अभियानों में शामिल किया जा सकता है। उपभोक्ता अदालतों के माध्यम से जो उपभोक्ता संरक्षण अभियान तीव्र गति से चलना चाहिए था, वह भी आज दिखाई नहीं दे रहा। कहने को उपभोक्ता अदालत व्यवस्था इस रूप में गठित की गई थी कि जिसमें एक सामान्य शिकायत पत्र पर कार्रवाई सम्भव हो सकती थी, परन्तु यहां भी सामान्य अदालतों की तरह छोटी सी राशि वाले मामले में भी वकील करना पड़ता है, मुकदमा तैयार होता है, दस्तावेज लगाए जाते

हैं, फिर गवाहों की उपस्थिति से याचिका के तथ्यों को सिद्ध करना पड़ता है और अन्त में वकीलों की बहस और फिर आदेश की प्रतीक्षा। इतना ही नहीं, तीन स्तर की अपील पद्धति शिकायतकर्त्ता के लिए आशा के स्थान पर निराशा, थोड़ी सी राशि का दावा करने के स्थान पर उससे अधिक राशियां इस अदालत व्यवस्था की भेंट चढ़ाना और पल भर के निर्णय के स्थान पर दिन, महीने, साल यूं गुजरते जाएंगे तथा तारीख पर तारीख जैसे डायलाग उपभोक्ता अदालतों पर भी बोले जाते हैं। सामान्यतः उपभोक्ताओं की शिकायत किसी घरेलू वस्तु या सेवा से सम्बंधित होती है। ऐसी छोटी-छोटी शिकायतों के निरीक्षण, परीक्षण में सामान्य विवेक का इस्तेमाल करते हुए भी शीघ्र निर्णय सम्भव है। एक व्यक्ति ने दूसरे व्यक्ति को कुछ राशि का भुगतान करने के लिए चौक जारी किया। दूसरे व्यक्ति ने वह चौक अपने बैंक में जमा करवा दिया। बैंक द्वारा राशि प्राप्त होने पर वह राशि किसी गलत खाते में जमा कर दी गई। अब ऐसी सामान्य त्रुटि वाली शिकायत पर किस चीज का गम्भीर या गहरा परीक्षण किया जाना है। शिकायत के साथ व्यक्ति चौक जमा कराने की कॉपी और जिस बैंक से राशि निकली, उसका प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर देता है तो ऐसे मामलों में सारी अदालती प्रक्रिया को लम्बी अवधि की तारीखों के साथ निपटाने में यदि 1-2 वर्ष लग जाते हैं तो स्पष्ट प्रतीत होता है कि उपभोक्ता न्याय प्रणाली में विवेकशीलता या गतिशीलता का तो कोई स्थान ही नहीं है। सामान्य अदालतों की तरह अब उपभोक्ता अदालतों में भी ई-फाईलिंग अर्थात याचिका और सभी दस्तावेजों को पी.डी.एफ. के रूप में अदालतों के निर्धारित काऊंटर पर फाईल करना और इसी प्रक्रिया का अनुसरण जवाब, गवाहियां और लिखित बहस तक किया जाना किसी भी दृष्टि से उपभोक्ता संरक्षण अभियान को एक जन आन्दोलन बनने में सहायता नहीं कर सकता। सूचना के अधिकार ने भी एक आन्दोलन की तरह कानून का रूप लिया था। निःसंदेह यह अभियान तीव्र गति से चल रहा है। हाथ से लिखकर किसी भी विभाग को सूचना उपलब्ध कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया जा सकता है। सामान्यतः 30 दिन के अन्दर उत्तर भी आ ही जाता है। संतोषजनक उत्तर न होने पर अपील भी हस्तलिखित दी जा सकती है और उसका निपटारा भी शीघ्र होता है। दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर केन्द्रीय सूचना आयोग भी इसी प्रकार यथा सम्भव तीव्र गति और अनौपचारिक प्रक्रिया का पालन कर रहा है। मुझे मेरे एक मित्र ने बताया कि केन्द्रीय सूचना आयोग में सुनवाई के लिए 15-15 मिनट के स्लैब निर्धारित किए जाते हैं, जिससे पक्षकारों का समय व्यर्थ नहीं होता। वकील के माध्यम से बहस करो या पक्षकार स्वयं बहस करे। बहस किसी भी भाषा में की जा सकती है और यहां तक कि आवश्यकता पडने पर लिखित बहस के रूप में हाथ से ही संक्षिप्त बिन्दू लिखकर अदालत को दे दिए गए। उपभोक्ता आन्दोलन को भी सूचना के अधिकार जैसी पद्धति अपनानी चाहिए। इसके लिए आवश्यक नहीं कि सरकारें बार-बार कानूनों में संशोधन करें या अनुशासन की किसी कड़ी प्रक्रिया को लागू करें। वास्तव में उपभोक्ता अदालतों के न्यायाधीशों को स्वयं ही अपने अन्दर यह विवेक जागृत करना चाहिए कि जो आदमी अपने उपभोक्ता के अधिकार को कुछ हजार रुपए के रूप में लागू करवाना चाहता है, उसे उस अधिकार की राशि से अधिक राशि और लम्बा समय खर्च करना तो अपने आप में ही एक गम्भीर अन्याय है। औपचारिक अदालती प्रक्रियाओं को शीघ्रातिशीघ्र सम्पन्न करके सीधा याचिकाकर्त्ता से सम्वाद स्थापित करके उपभोक्ता आन्दोलन को वास्तव में न्यायकारी बनाया जा सकता है।

चिंताजनक है डीपफेक पोर्नोग्राफी का चलन

> यह आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस यानि कृत्रिम बुद्धिमता तकनीक का एक बड़ा दुरुपयोग है। यह हमारी सामाजिक चिंताओं में भी वृद्धि कर रहा है। डीपफेक पोर्नोग्राफी के इस्तेमाल के जरिए बिना सहमति वाले व्यक्तियों के अश्लील वीडियो बनाना और सांझे करना शामिल है और इसका इस्तेमाल व्यक्ति की छवि को खराब करने के लिए किया जाता है। डीपफेक पोर्नोग्राफी, या सरल शब्दों में कहें तो एक प्रकार की कृत्रिम पोर्नोग्राफी है, जिसे पहले से मौजूद तस्वीरों या वीडियो में डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल करके बनाया जाता है। आघ्टफिशियल इंटैलीजैंस के जरिए आजकल डीपफेक पोर्न बनाया जा रहा है। इसका मतलब है कि ऐसा कोई भी अश्लील वीडियो या चित्र जो हमारा नहीं है मगर उस पर हमारा चेहरा लगा दिया जाता है और ये सब इतना सटीक होता है कि सामान्य इंसान इसे पहचान भी नहीं पाता कि यह नकली है या असली। डीपफेक शब्द डीप लनग और फेक का मिश्रण है। इससे वे सब बनाया जा सकता है, जिसे अब सिंथैटिक मीडिया कहा जाता है। कम्प्यूटर की सहायता से बनाई गई नग्न तस्वीरों और वीडियो को डीप न्यूड कहा जाता है। हो यह रहा है कि साइबर अपराधी कृत्रिम बुद्धिमता सॉफ्टवेयर की मदद से वीडियो, ऑडियो और तस्वीरों पर नग्न सामग्री का लेप कर देते हैं। कृत्रिम बुद्धिमता का इस्तेमाल कर किसी व्यक्ति के बोलने के तरीके, सिर तथा चेहरे की गतिविधियों को किसी अन्य व्यक्ति के साथ शामिल कर देने से यह बताना मुश्किल हो जाता है कि यह वीडियोधत्स्वीरें सही हैं या गलत।

इस समय पोर्नोग्राफी के जरिए प्रभावशाली व्यक्तियों और महिलाओं को ब्लैकमेल करने की घटनाएं बड़ी तेजी से बढ़ रही हैं।

यह आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस यानि कृत्रिम बुद्धिमता तकनीक का एक बड़ा दुरुपयोग है। यह हमारी सामाजिक चिंताओं में भी वृद्धि कर रहा है। डीपफेक पोर्नोग्राफी के इस्तेमाल के जरिए बिना सहमति वाले व्यक्तियों के अश्लील वीडियो बनाना और सांझे करना शामिल है और इसका इस्तेमाल व्यक्ति की छवि को खराब करने के लिए किया जाता है। डीपफेक पोर्नोग्राफी, या सरल शब्दों में कहें तो एक प्रकार की कृत्रिम पोर्नोग्राफी है, जिसे पहले से मौजूद तस्वीरों या वीडियो में डीपफेक तकनीक का इस्तेमाल करके बनाया जाता है। आघ्टफिशियल इंटैलीजैंस के जरिए आजकल डीपफेक पोर्न बनाया जा रहा है। इसका मतलब है कि ऐसा कोई भी अश्लील वीडियो या चित्र जो हमारा नहीं है मगर उस पर हमारा चेहरा लगा दिया जाता है और ये सब इतना सटीक होता है कि सामान्य इंसान इसे पहचान भी नहीं पाता कि यह नकली है या असली। डीपफेक शब्द डीप लनग और फेक का मिश्रण है। इससे वे सब बनाया जा सकता है, जिसे अब सिंथैटिक मीडिया कहा जाता है। इसमें किसी व्यक्ति के भाव,कार्यों की नकली तस्वीर या वीडियो क्लिप बनाया जा सकता है। यह न केवल दुनिया को मूर्ख बना सकता है, बल्कि आपकी समझ से भी खिलवाड़ कर सकता है। आघ्टफिशियल इंटैलीजैंस के चलते, हर गुजरते दिन के साथ ऐसी डीपफेक तकनीक आसान, सस्ती और अधिक सुलभ होती जा रही है। कम्प्यूटर की सहायता से बनाई गई नग्न तस्वीरों और वीडियो को डीप न्यूड कहा जाता है। हो यह रहा है कि साइबर अपराधी कृत्रिम बुद्धिमता सॉफ्टवेयर की मदद से वीडियो, ऑडियो और तस्वीरों पर नग्न सामग्री का लेप कर देते हैं। कृत्रिम बुद्धिमता का इस्तेमाल कर किसी व्यक्ति के बोलने के तरीके, सिर तथा चेहरे की गतिविधियों को किसी अन्य व्यक्ति के साथ शामिल कर देने से यह बताना मुश्किल हो जाता है कि यह वीडियोधत्स्वीरें सही हैं या गलत। कम्प्यूटर द्वारा तैयार की गईं इन वीडियोधत्स्वीरों की सत्यता की जांच गहन विश्लेषण से ही की जा सकती है। साइबर विशेषज्ञ कहते हैं कि डीपफेक वीडियो और फोटो के फेशियल एज, हेयरलाइन्स, आईब्रो, आईग्लास बार्डर देखकर पहचाना जा सकता है। वीडियो प्ले होने पर आंखों और होंठों के मूवमैंट से डीपफेक वीडियो को पहचाना जा सकता है। इस तरीके से बनाए गए वीडियो और फोटो में हाथों और पैरों की लम्बाई एक समान नहीं होती। इस तरह ऐसे वीडियो को पहचाना जा सकता है। डीपफेक को लेकर आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस और साइबर दुनिया के दुरुपयोग पर नियंत्रण अत्यंत जरूरी है। साइबर सुरक्षा और सोशल मीडिया के दुरुपयोग का मुद्दा ऐसा है, जिसकी और अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। सोशल मीडिया के जरिए गलत सामग्री सांझी करने से लोगों के निजता के अधिकार का हनन होता है, ऐसे में इसके खिलाफ कड़ा नियमन करने की आवश्यकता है। इसके साथ ही डीपफेक पोर्नोग्राफी के कारक के रूप मे आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस के दुरुपयोग से जुड़े नैतिक पहलू पर बहस होनी चाहिए।-डा. वरिन्द्र भाटिया

उभरते भारत के लिए बजट: विकास इंजन के रूप में कपड़ा उद्योग

> भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है तथा निकट भविष्य में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में मजबूती से अग्रसर है। माननीय प्रधानमंत्री के रणनीतिक नेतृत्व में, बीता वर्ष वस्त्र क्षेत्र के लिए एक निर्णायक मोड़ रहा है। 18 एफ.टी.ए. के माध्यम से, भारत को अब 800 बिलियन डॉलर के वैश्विक आयात बाजार में से लगभग 466 बिलियन डॉलर मूल्य के कपड़ा बाजारों तक विशेष पहुंच प्राप्त है, जिसे 110 बिलियन डॉलर के अमरीकी बाजार तक नए सिरे से पहुंच मिलने से और विस्तार मिला है। हाल ही में घोषित भारत-अमरीका व्यापार समझौते से निर्यात के पिछले वर्ष की तुलना में काफी बढने की उम्मीद है। बाजार तक पहुंच को सुदृढ करने के साथ-साथ, क्यू.सी.ओ. को हटाए जाने से अनुपालन संबंधी बोझ में कमी आई है, जबकि जी.एस.टी. सुधारों ने लंबे समय से चली आ रही उलटी शुल्क संरचना की समस्या का समाधान किया है, जिससे यह क्षेत्र निर्णायक रूप से फाइबर-न्यूट्रल ढांचे की ओर अग्रसर हुआ है। बजट 2026 को महत्वपूर्ण बनाने वाली बात इसकी निरंतरता और व्यापकता है। कपास उत्पादकता मिशन जैसी पहलें और व्यापक आर्थिक सुधार अब पायलट चरण से आगे बढ़कर स्थायी मंचों में परिवर्तित किए जा रहे हैं, जो संरचनात्मक सुधारों के वास्तविक स्वरूप को दशार्ता है। दशकों तक वस्त्र क्षेत्र को मुख्यतरू कल्याणकारी दृष्टिकोण से देखा जाता रहा। यह बजट वस्त्र क्षेत्र को अब विस्तार, प्रतिस्पर्धात्मकता और दीर्घकालिक राष्ट्रीय विकास के लिए एक मुख्य औद्योगिक रणनीति के रूप में पुनरू स्थापित करते हुए उस सोच में एक निर्णायक परिवर्तन का संकेत देता है।

गिरिराज सिंह

विकसित भारत बजट 2026-27 वैश्विक अनिश्चितता के दौर में आत्मविश्वास, दृढ़ संकल्प और स्पष्ट सुधारोन्मुख दृष्टिकोण की ओर इंगित करता है। भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है तथा निकट भविष्य में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में मजबूती से अग्रसर है। माननीय प्रधानमंत्री के रणनीतिक नेतृत्व में, बीता वर्ष वस्त्र क्षेत्र के लिए एक निर्णायक मोड़ रहा है। 18 एफ.टी.ए. के माध्यम से, भारत को अब 800 बिलियन डॉलर के वैश्विक आयात बाजार में से लगभग 466 बिलियन डॉलर मूल्य के कपड़ा बाजारों तक विशेष पहुंच प्राप्त है, जिसे 110 बिलियन डॉलर के अमरीकी बाजार तक नए सिरे से पहुंच मिलने से और विस्तार मिला है। हाल ही में घोषित भारत-अमरीका व्यापार समझौते से निर्यात के पिछले वर्ष की तुलना में काफी बढने की उम्मीद है। बाजार तक पहुंच को सुदृढ करने के साथ-साथ, क्यू.सी.ओ. को हटाए जाने से अनुपालन संबंधी बोझ में कमी आई है, जबकि जी.एस.टी. सुधारों ने लंबे समय से चली आ रही उलटी शुल्क संरचना की समस्या का समाधान किया है, जिससे यह क्षेत्र निर्णायक रूप से फाइबर-न्यूट्रल ढांचे की ओर अग्रसर हुआ है। बजट 2026 को महत्वपूर्ण बनाने वाली बात इसकी निरंतरता और व्यापकता है। कपास उत्पादकता मिशन जैसी पहलें और व्यापक आर्थिक सुधार अब पायलट चरण से आगे बढ़कर स्थायी मंचों में परिवर्तित किए जा रहे हैं, जो संरचनात्मक सुधारों के वास्तविक स्वरूप को दशार्ता है। दशकों तक वस्त्र क्षेत्र को मुख्यतरू कल्याणकारी दृष्टिकोण से देखा जाता रहा। यह बजट वस्त्र क्षेत्र को अब विस्तार, प्रतिस्पर्धात्मकता और दीर्घकालिक राष्ट्रीय विकास के लिए एक मुख्य औद्योगिक रणनीति के रूप में पुनरू स्थापित करते हुए उस सोच में एक निर्णायक परिवर्तन का संकेत देता है। भारत का वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र देश के जी.डी.पी. में लगभग 2.3 प्रतिशत का योगदान देता है, औद्योगिक उत्पादन का लगभग 12 प्रतिशत हिस्सा है और 5.2 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करता है, जिससे यह अर्थव्यवस्था का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्तंभ बन जाता है। हालांकि वैश्विक वस्त्र एवं परिधान निर्यात में भारत की हिस्सेदारी लगभग 4 प्रतिशत है, जो इस क्षेत्र में विस्तार की अपार संभावनाओं को रेखांकित करती है। सरकार ने इस दिशा में एक स्पष्ट और

महत्वाकांक्षी मध्यम अवधि का लक्ष्य निर्धारित किया है। 2030 तक वस्त्र क्षेत्र का आकार 350 बिलियन डॉलर तक पहुंचाना और निर्यात को 100 बिलियन डॉलर तक विस्तारित करना।

वस्त्र क्षेत्र की प्रगति को लंबे समय से बाधित करने वाला एक प्रमुख कारण पुराने उत्पादन क्लस्टरों पर इसकी निर्भरता रहा है, जो उत्पादकता और विस्तार को सीमित करता है। विनिर्माण संबंधी दक्षता बढ़ाने और लॉजिस्टिक्स लागतों को कम करने के लिए इकोसिस्टम का आधुनिकीकरण अनिवार्य है। बजट 2026 देशभर में 200 औद्योगिक क्लस्टरों के आधुनिकीकरण का प्रावधान करते हुए इस आवश्यकता को सीधे तौर पर समाधान करता है। साक्ष्य दशार्ते हैं कि क्लस्टर-आधारित विनिर्माण से श्रम उत्पादकता में 20 से 25 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है और प्रति इकाई लॉजिस्टिक्स लागत में 30 प्रतिशत तक की कमी लाई जा सकती है। मैगा टैक्सटाइल पार्कों, सांझा प्रसंस्करण सुविधाओं तथा प्लग-एंड-प्ले इकोसिस्टम में किए गए निवेश बड़े पैमाने पर स्थायी लागत को कम करते हैं। वस्त्र क्षेत्र के रूपांतरण के केंद्र में रोजगार सृजन और कार्यबल की तैयारी हैं। वस्त्र उद्योग, पूंजी-प्रधान उद्योगों की तुलना में प्रति करोड़ रुपए के निवेश पर लगभग 3 गुना अधिक रोजगार सृजित करता है और क्रमिक पहलों के माध्यम से पूरी मूल्य श्रृंखला में कौशल विकास और रोजगार-योग्यता को सुदृढ़ करने पर निरंतर ध्यान दिया गया है। इस क्लस्टर-आधारित विकास के समर्थन से, वस्त्र विस्तार एवं रोजगार योजना के तहत अगले 5 वर्षों में 2 से 3 करोड़ अतिरिक्त आजीविकाओं को सहारा मिलने की संभावना है। इस गति को समर्थ 2.0 के माध्यम से और बल दिया गया है, जिसके अंतर्गत 2026 से 2031 के बीच 2,800 करोड़ रुपए का प्रावधान कर 15 लाख उद्योग-तैयार श्रमिकों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस रोजगार और कौशल वृद्धि को सतत विकास में बदलने के लिए, वस्त्र मूल्य श्रृंखला में काम करने वाली सभी इकाइयों के पास विस्तार और प्रतिस्पर्धा करने की वित्तीय क्षमता होनी आवश्यक है। वस्त्र इकोसिस्टम की रीढ़ एम.एस.एम.ई. को पहचानना बजट 2026 का मुख्य फोकस है, जो उनकी सबसे बड़ी रुकावट-तरलता को सीधे तौर पर दूर करता है। 10,000 करोड़ रुपए का एस.एम.ई. ग्रोथ फंड, मजबूत टी.आर.ई.डी.एस. प्लेटफॉर्म के माध्यम से विस्तारित चालान वित्तपोषण और सरकारी भुगतान चक्रों में तेजी कार्यशील पूंजी पर दबाव को कम करते हैं क्योंकि अकेला विलंबित भुगतान ही प्रति वर्ष लगभग 15 प्रतिशत एम.एस.एम.ई. पूंजी को अवरुद्ध कर देता है। बजट 2026 में मूल्य श्रृंखला में पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार प्रथाओं का समावेश और स्थिरता को भविष्य में निर्यात प्रतिस्पर्धा के प्रमुख चालक के रूप में स्वीकार करते हुए टैक्स ईको पहल के जरिए वस्त्र क्षेत्र में स्थिरता को एक डिजाइन सिद्धांत के

सड़क दुर्घटनाओ का प्रमुख कारण हाई स्पीड

लखनऊ,(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश विधान सभा की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे सपा के सदस्य अनिल प्रधान के सवाल पर परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के जवाब से शुरू हुई। परिवहन मंत्री ने ड्राइविंग लाइसेंस की पूरी प्रक्रिया और उसके लिए निर्धारित शुल्क के बारे में सदन में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लाइसेंस के लिए कम से 18 साल की आयु निर्धारित है। सपा विधायक अनिल प्रधान ने प्रश्नकाल में परिवहन मंत्री से लड़कियों को स्कूटी दिए जाने को लेकर सवाल पूछा। उन्होंने कहा,इंटर पास करने वाले बच्चों की उम्र 15-16 साल होती है, तो क्या ड्राइविंग लाइसेंस में छूट दी जाएगी? क्या कोई ऐसा नियम बनाया जाएगा कि कोई गाड़ी खरीदने जाए, तो उससे पहले उसके पास डीएल होना जरूरी हो? जिस पर स्पीकर सतीश महाना ने कहा- क्या आपके घर में कोई 15 साल में 12वीं पास कर लिया है? क्या आपने पास किया है? इस पर विधायक बोले कि हो जाता है सर। यह सुनकर स्पीकर हंसने लगे और कहा-अब तो 6 साल में ही एडमिशन होता है।परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि 18 वर्ष की आयु से कम उम्र के लोगों को हम ड्राइविंग लाइसेंस नही जारी करते हैं। उन्होंने एक अनुपूरक सवाल पर साफ किया कि रजिस्ट्रेशन से लेकर लाइसेंस तक अलग अलग फीस निर्धारित है,

वायरल बुखार और जुकाम ठीक होने के बाद तुरंत न करें ये गलतियां, वरना फिर से बढ़ सकती है बीमारी

अक्सर ये देखने को मिलता है कि जो लोग वायरल बुखार से तुरंत ठीक होते हैं, वो दोबारा बीमार हो जाते हैं। ऐसा होने के पीछे आमतौर पर उन्हीं की कुछ लापरवाहियां होती हैं। इसलिए आइए इस लेख में जानते हैं कि बुखार और जुकाम ठीक होने के तुरंत बाद क्या सावधानियां बरतनी चाहिए? जब हम वायरल बुखार या सामान्य जुकाम से ठीक होते हैं, तो सबसे पहले मन में यही आता है कि अब सब सामान्य हो गया और हम अपनी पुरानी दिनचर्या में तुरंत लौट सकते हैं। लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यह वह समय होता है जब हमारा शरीर सबसे कमजोर होता है और उसे पूरी तरह से रिकवर होने के लिए अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है। बीमारी से लड़ने में हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली बहुत ज्यादा ऊर्जा खर्च कर चुकी होती है, ऐसे में शरीर थोड़ा कमजोर हो चुका होता है। इस दौरान की गई छोटी सी लापरवाही भी सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है, जिसे 'सेकेंडरी इन्फेक्शन' कहा जाता है। इसलिए जैसे ही आपका बुखार ठीक होता है या जुकाम के लक्षण कम होते हैं, ऐसी स्थिति में कुछ चीजों से परहेज करना चाहिए। आपके शरीर को पूरी तरह से मजबूत होने में बीमारी ठीक होने के बाद भी कुछ दिन लग सकते हैं, और इस दौरान की गई गलतियां आपके स्वास्थ्य को फिर से खतरे में डाल सकती हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि ऐसी स्थिति में किन गलतियों से बचना चाहिए।

ठंडी चीजों से परहेज करें

बीमारी से उबरने के बाद तुरंत ही ठंडी चीजें जैसे आइसक्रीम, ठंडा पानी या कोल्ड ड्रिंक पीने से बचना चाहिए। ये आपके गले और फेफड़ों की संवेदनशीलता को बढ़ा सकते हैं, जिससे बलगम जमा हो सकता है और खांसी या जुकाम दोबारा शुरू हो सकता है।

अत्यधिक मेहनत और इंटेंस वर्कआउट से बचें

बीमारी से उबरने के बाद तुरंत ही इंटेंस वर्कआउट शुरू करना सबसे बड़ी गलती है। आपका शरीर पहले से ही थकान महसूस कर रहा होता है और मांसपेशियों की मरम्मत हो रही होती है। ज्यादा कसरत करने से शरीर पर दबाव पड़ता है, जिससे आपकी इम्यूनिटी फिर से कमजोर हो सकती है और आप आसानी से किसी नए वायरस या बैक्टीरिया की चपेट में आ सकते हैं। इसलिए कुछ दिनों तक धीरे-धीरे सामान्य वॉक से वर्कआउट की शुरूआत करें।

आहार में न बरतें ये लापरवाही

तबियत ठीक होते ही पिज्जा, कोल्ड ड्रिंक या बाजार के जंक फूड की ओर ललचाना स्वाभाविक है, लेकिन यह आपके सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकती है। रिकवरी के दौरान आपके शरीर को पोषक तत्वों की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। हल्का सुपाच्य और इम्यूनिटी बढ़ाने वाला भोजन जैसे दलिया, सूप, मौसमी फल और सब्जियां ही खाएं। जंक फूड्स में पोषक तत्व कम और सेचुरेटेड फैट ज्यादा होता है, जिससे पाचन तंत्र पर दबाव पड़ता है और रिकवरी धीमी हो सकती है।

नींद को प्राथमिकता दें

अक्सर ऐसा होता है कि लोग ठीक होते ही अपने छूटे हुए काम को पूरा करने के लिए देर रात तक जागना शुरू कर देते हैं। पर्याप्त नींद न लेने से शरीर को सेहतमंद होने का समय नहीं मिल पाता है। नींद के दौरान ही शरीर अपनी मरम्मत का काम करता है और इम्यूनिटी को रीचार्ज करता है। इसलिए बीमारी ठीक होने के बाद भी कम से कम 7 से 8 घंटे की गुणवत्तापूर्ण नींद लें। यह आपकी शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की रिकवरी के लिए बेहद जरूरी है।

दवाई का कोर्स अधूरा न छोड़ें

अगर डॉक्टर ने आपको एंटीबायोटिक्स या कोई अन्य दवा दी है, तो लक्षण ठीक होते ही उसे अधूरा न छोड़ें। कई बार मरीज बेहतर महसूस करने पर दवा लेना बंद कर देते हैं, जिससे बैक्टीरिया पूरी तरह खत्म नहीं हो पाते और बीमारी फिर से उभर सकती है। इसलिए डॉक्टर द्वारा बताए गए पूरे कोर्स को समाप्त करें, और डॉक्टर की सलाह के बिना कोई भी दवा दोबारा शुरू न करें।

दूल्हे के दोस्त हों या दुल्हन की बहन, शादी की खरीदारी से पहले ध्यान रखें ये बातें

कुछ ही दिन में शादी का सीजन शुरू हो जाएगा। ऐसे में आपको खरीदारी करते समय कुछ बातों का ध्यान अवश्य ही रखना चाहिए। शादी का सीजन शुरू होने वाला है, जिसकी रौनक बाजारों में लौट आई है। ऐसे में सिर्फ दूल्हा-दुल्हन ही नहीं,

बल्कि रिश्तेदारों, दोस्तों और मेहमानों तक के लिए कपड़े खरीदना काफी अहम होता है। लेकिन अक्सर लोग सिर्फ दिखावे के चक्कर में ऐसे कपड़े खरीद लेते हैं, जो न तो कम्फर्टेबल होते हैं और न ही लंबे समय तक टिकते हैं। इसलिए शादी के कपड़े खरीदते समय कुछ बातों का ध्यान रखना बेहद है। दूल्हा-दुल्हन के साथ-साथ परिवार के बाकी सदस्य भी ट्रेंड्स के साथ-साथ अपने स्टाइल और जरूरत के अनुसार चुनाव करें। ये आर्टिकल बताएगा कि कपड़े खरीदते समय किन जरूरी बातों का ध्यान रखें जिससे आपकी शादी की शॉपिंग परफेक्ट और संतुलित हो।

सही फैब्रिक चुनें

अपने लिए कपड़े खरीदने जा रहे हैं तो सबसे पहले सही फैब्रिक का चयन करें। जैसे कि गर्मियों में हल्के और सांस लेने वाले कपड़े (जैसे कॉटन, लिनन) चुनें, और सर्दियों में थोड़ा भारी और गर्म फैब्रिक (जैसे सिल्क, वेलवेट) इस्तेमाल करें। मौसम के हिसाब से फैब्रिक नहीं चुनेंगे तो आप परेशान हो सकते हैं।

कंफर्ट को प्राथमिकता दें

दूल्हा-दुल्हन के साथ-साथ अन्य लोगों को भी शादी में कई घंटे बिताने होते हैं, इसलिए अपने लिए ऐसे कपड़े चुनें जिनमें आप आसानी से चल-फिर सकें और जो लंबे समय तक पहनने में असहज न हों। ऐसा नहीं करेंगे तो भी आपको कुछ समय में उलझन होने लगेगी।

फंक्शन के हिसाब से कपड़े लें

किसी भी कार्यक्रम के लिए कुछ भी न खरीद लें। हमेशा कार्यक्रम के हिसाब से ही कपड़े खरीदें। हल्दी, मेहंदी, संगीत और रिसेप्शन जैसे सभी कार्यक्रमों में अलग ड्रेस कोड रखें। ध्यान रखें कि बहुत भारी कपड़े हर जगह फिट नहीं बैठते।

पेट की सारी समस्या का इलाज है एक चम्मच घी, बस जान लें इसे खाने का तरीका

सुबह खाली पेट गुनगुने पानी के साथ एक चम्मच घी लेना आयुर्वेद की एक पारंपरिक पद्धति मानी जाती है। आयुर्वेद में घी को सात्विक और पोषक आहार माना गया है, जो शरीर को अंदर से संतुलित करने में मदद करता है। हालांकि, हर व्यक्ति की प्रकृति अलग होती है, इसलिए इसे अपनाने से पहले अपनी सेहत के अनुसार समझना जरूरी है।

पाचन शक्ति में सुधार

आयुर्वेद के अनुसार घी अग्निह्व यानी पाचन शक्ति को संतुलित करता है। यह आंतों को चिकनाई देता है, जिससे कब्ज की समस्या में राहत मिल सकती है। पेट की सूजन और गैस में भी मदद मिल सकती है।

मेटाबॉलिज्म को सपोर्ट

घी में हेल्दी फैट्स (विशेषकर ब्यूटिरिक एसिड) होते हैं, जो आंतों की सेहत के लिए फायदेमंद माने जाते हैं।सही मात्रा में लिया गया घी शरीर को ऊर्जा देता है। यह फैट-सॉल्यूबल विटामिन (ए, डी, ई, के) के अवशोषण में मदद करता है।

त्वचा की चमक

घी को अंदरूनी मॉइस्चराइजर भी कहा जाता है। नियमित और सीमित मात्रा में सेवन से त्वचा में नमी और ग्लो आ सकता है। ड्राई स्किन में लाभ मिल सकता है। आयुर्वेद मानता है कि घी शरीर के ह्ववात दोषह्व को संतुलित करता है। इससे जोड़ों में जकड़न और सूखापन कम हो सकता है। खासकर उम्र बढ़ने के साथ यह सहायक माना जाता है।

इन लोगों को सावधानी रहने की जरूरत

जिनका कोलेस्ट्रॉल ज्यादा है, जिन्हें फैटी लिवर या मोटापे की समस्या है जिनकी पाचन शक्ति कमजोर है ऐसे लोग डॉक्टर से सलाह लेकर ही इसे अपनाएं। इसके सेवन का सही तरीका है 1 चम्मच देसी घी, एक गिलास गुनगुना पानी सुबह खाली पेट लें। गुनगुने पानी के साथ घी लेना आयुर्वेद में [illegible] माना जाता है [illegible] मात्रा और शरीर की प्रकृति [illegible] रखना [illegible] जरूरी है। [illegible] भी पहुंचा सकता है।

डायबिटीज का मेंटल हेल्थ पर भी पड़ता है असर, डिप्रेशन का बढ़ जाता है खतरा

डॉक्टरों के अनुसार, लंबे समय तक हाई शुगर लेवल रहने से शरीर की नसें, आंखें, किडनी, हृदय और यहां तक कि दिमाग तक प्रभावित हो सकते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि जिन लोगों का शुगर लेवल अक्सर बढ़ा हुआ रहता है ऐसे लोगों में मेंटल हेल्थ की समस्या जैसे स्ट्रेस और डिप्रेशन होने का खतरा भी अधिक हो सकता है। ब्लड शुगर बढ़े रहने की समस्या संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए दिक्कतें बढ़ाने वाली हो सकती है। इससे सिर्फ डायबिटीज का ही नहीं शरीर के कई अंगों पर भी खतरा हो सकता है।डायबिटीज आज के समय में दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं में से एक बन चुकी है। डॉक्टरों के अनुसार, लंबे समय तक शुगर लेवल हाई रहने से शरीर की नसें, आंखें, किडनी, हृदय और यहां तक कि दिमाग तक प्रभावित हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिन लोगों का शुगर लेवल अक्सर बढ़ा हुआ रहता है उन्हें शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य पर भी गंभीरता से ध्यान देते रहना चाहिए। अध्ययनों से पता चलता है कि डायबिटीज के शिकार लोगों में मेंटल हेल्थ की समस्या जैसे स्ट्रेस और डिप्रेशन होने का खतरा भी अधिक हो सकता है। मधुमेह से पीड़ित लोगों में अवसाद होने का जोखिम लगभग दोगुना देखा जाता रहा है। इसका मतलब है कि डायबिटीज के शिकार लोगों को आंखों, किडनी, तंत्रिकाओं को स्वस्थ रखने के प्रयासों के साथ अपनी मानसिक सेहत का भी विशेष ख्याल रखना चाहिए।

डायबिटीज रोगियों में डिप्रेशन होने का जोखिम

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कभी-कभी उदास या निराश महसूस होना बहुत सामान्य है। यह जीवन का एक सामान्य हिस्सा है। लेकिन अगर आप लंबे समय तक उदासी, चिंता और निराशा में रहते हैं, तो इसका मतलब हो सकता है कि आपको अवसाद है। जिन लोगों को पहले से डायबिटीज की दिक्कत रही है उनमें अवसाद होने का खतरा और भी ज्यादा देखी जा सकती है। मधुमेह से पीड़ित 40% लोगों ने कहा कि निदान के बाद से उन्हें अपनी मानसिक स्थिति को लेकर संघर्ष करना पड़ा है। मनोचिकित्सक कहते हैं, जब भी बात डायबिटीज की होती है तो इससे संबंधित शारीरिक समस्याओं के बारे मे तो लोग सावधान रहते हैं पर मानसिक सेहत पर होने वाले इसके दुष्प्रभावों को लेकर कम बात की जाती है।

डायबिटीज और अवसाद का क्या लिंक है?

डॉक्टर कहते हैं, वैसे तो मधुमेह सीधे तौर पर अवसाद का कारण नहीं बनता, लेकिन मधुमेह में होने वाली दिक्कतें इसको बढ़ाने वाली हो सकती हैं, इसलिए जिन लोगों को पहले से हाई डायबिटीज की दिक्कत होती है उन्हें मानसिक स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहना चाहिए। पिछले शोधों से पता चला है कि टाइप-1 और टाइप-2 डायबिटीज वाले लोगों में बिना डायबिटीज वालों की तुलना में अवसाद होने की आशंका ज्यादा होती है। इसी तरह से अवसाद से ग्रस्त लोगों में भी टाइप-2 डायबिटीज होने का खतरा भी ज्यादा होता है।

अध्ययन में क्या पता चला?

हालांकि डायबिटीज यूके द्वारा किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि डिप्रेशन, टाइप-2 डायबिटीज के जोखिम को बढ़ाने में प्रत्यक्ष भूमिका भी निभा सकता है। शोध के निष्कर्ष में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) में वृद्धि पर अवसाद के प्रभावों के बारे में बताया है। इसमें पाया गया है कि पूरी तरह तो नहीं लेकिन आंशिक रूप से अवसाद और मधुमेह के बीच के संबंध हो सकता है। शोधकताओं ने सात आनुवंशिक परिवर्तनों की भी पहचान की है जो अवसाद और मधुमेह दोनों का कारण बन सकते हैं। ये जीन इस बात को निर्धारित करते हैं कि इंसुलिन के उत्पादन कैसे होगा और ये मस्तिष्क, अग्न्याशय में सूजन पैदा कर सकते हैं।

टाइप-2 डायबिटीज और मानसिक स्वास्थ्य दोनों का रखें ध्यान

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, शरीर में ये बदलाव दशार्ते हैं कि अवसाद, टाइप-2 डायबिटीज के जोखिमों को बढ़ा सकता है। शोध से यह भी पता चला है कि टाइप-1 डायबिटीज वाले लोगों में भी अवसाद होने की आशंका अधिक हो सकती है। अवसाद के कुछ लक्षण आपके डायबिटीज प्रबंधन पर भी सीधा प्रभाव डाल सकते हैं। अक्सर और लंबे समय तक उदास महसूस करना।

रात में बार-बार जागना, या बिस्तर से न उठ पाना।

डॉक्टर कहते हैं, डायबिटीज के रोगियों को मानसिक स्वास्थ्य को ठीक रखने वाले उपाय करते रहने चाहिए, वहीं जिन लोगों को अवसाद है उन्हें डायबिटीज कंट्रोल करने पर ध्यान देना जरूरी है।

पत्नी के चेहरे पर मुस्कान ला देंगे ये 5 तोहफे, कीमत भी है बेहद कम

500 रुपये तक में भी ऐसे कई तोहफे हैं जो आपके प्यार का संदेश खूबसूरती से पहुंचा सकते हैं। तो इस करवाचौथ पति अपनी पत्नी को महंगा नहीं बल्कि महत्वपूर्ण तोहफा दें, जो प्यार और अपनापन दोनों का एहसास कराए। करवा चौथ का व्रत सिर्फ उपवास नहीं, बल्कि पति-पत्नी के बीच अटूट प्रेम और एक-दूसरे के लिए समर्पण का प्रतीक है। इस दिन पत्नी पूरे दिन निर्जला व्रत रखकर पति की लंबी उम्र की कामना करती है। ऐसे में अगर पति एक छोटा-सा तोहफा भी दिल से दे, तो पत्नी के चेहरे पर मुस्कान

आना तय है। इसके लिए आपको जेब ढीली करने की भी जरूरत नहीं। 500 रुपये तक में भी ऐसे कई तोहफे हैं जो आपके प्यार का संदेश खूबसूरती से पहुंचा सकते हैं। तो इस करवाचौथ पति अपनी पत्नी को महंगा नहीं बल्कि महत्वपूर्ण तोहफा दें, जो प्यार और अपनापन दोनों का एहसास कराए।

हैंडमेड कार्ड और चॉकलेट बॉक्स

करवाचौथ पर अपनी पत्नी के लिए खुद से बनाकर कार्ड तोहफे में दें। इस कार्ड पर अपने प्यार का इजहार करें। साथ में एक चॉकलेट बॉक्स भी गिफ्ट कर सकते हैं। अपनी भावनाओं को शब्दों में पिरोएं। खुद लिखा कार्ड और कुछ पसंदीदा चॉकलेट्स, यकीन मानिए, इससे बड़ा तोहफा कोई नहीं। इस तरह के तोहफे में 150 रुपये से 300 रुपये तक खर्च हो सकते हैं।

कस्टमाइज्ड मग या कुशन

लगभग 300 से 400 रुपये खर्च करके अपनी पत्नी को कस्टमाइज्ड मग या कुशन गिफ्ट में दे सकते हैं। इन पर आपकी शादी की तस्वीर या कछ्ळ्प्री ङ्घ४ ऋ्ध्ॠशीप्री१ प्रिंट करवाएं। हर सुबह चाय पीते वक्त आपकी याद उन्हें मुस्कुराने पर मजबूर करेगी।

छोटा-सा ज्वेलरी पीस

लगभग 500 रुपये में ऑक्सीडाइज्ड ईयररिंग्स, चूड़ियां या पायल करवा चौथ की साज-सज्जा में चार चांद लगा देंगे।

प्रेमानंद महाराज जी जान चुके थे राजपाल यादव पर आएगा संकट, दो महीने पहले ही कर दिया था अलर्ट

अभिनेता राजपाल यादव इन दिनों काफी संकट में हैं। बकाया राशि चुकाने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा और समय देने की याचिका खारिज किए जाने के बाद राजपाल यादव तिहाड़ जेल में सजा काट रहे हैं, ऐसे में फिल्म उद्योग के कई लोग हास्य कलाकार के समर्थन में आगे आए हैं। इसी बीच दावा किया

जा रहा है कि प्रेमानंद महाराज जी को एक्टर पर आने वाले संकट का पहले ही आभास हो गया था और उन्होंने राजपाल यादव ने बड़ी नसीहत भी दी थी। दरअसल लगभगल दो महीने पहले राजपाल यादव महाराज जी से मिलने वृंदावन गए थे, जिसका वीडियो एक बार फिर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा गया कि राजपाल यादव मुस्कुराते हुए महाराज जी के पास पहुचते हैं। इस दौरान महाराज जी उनसे पूछते हैं- ठीक हो? इस पर एक्टर कहते हैं आज ठीक हैं. ।जवाब सुनते ही प्रेमानंद महाराज जी हंस पड़ते हैं और कहते कि, राजपाल जी लोगों को लगातार हंसाते और सबका मनोरंजन करते रहते हैं, जो बहुत अच्छी बात है।इसके बाद एक्टर ने प्रेमानंद जी को बताया कि वो 2020 में ब्रह्मलीन हुए थे। उन्होंने बताया कि, 1999 में उन्हें दीक्षा मिली और गुरुजी के साथ विश्व कल्याण के लिए सवा करोड़ पार्थिव शिवलिंग, महारुद्र यज्ञ और बाकी के कई अनुष्ठान किए। एक्टर ने बताया कि एक्टिंग के साथ-साथ

अपने गुरु जी के साथ भी जुड़े रहे। इस पर महाराज जी कहते हैं-,जीवन का असली फायदा यही है कि, मन भगवान से जुड़ा रहे. जिंदगी में मुश्किलें, दुख, अपनो से बिछड़ना और ऐसे हालात आते हैं कि, जीना मुश्किल हो जाता है, आर्थिक परेशानियां, रिश्तों में दिक्कतें इन सबमें सिर्फ भगवान ही साथ देते हैं। अच्छे समय में लोग हाथ मिलाते हैं, लेकिन मुसीबत में आते देखकर किनारा कर लेते हैं, डरते हैं कि कहीं कुछ कह न दें.। फिर प्रेमानंद जी कहते हैं-इसलिए भगवान के नाम का जाप करो, उन्हें स्मरण करते रहो, जीवन को आनंद से भर दो। हर मुश्किल से लड़ना सीखो, कभी हार मत मानो। ये सुनकर राजपाल यादव भावुक हो जाते हैं और रो पड़ते हैं श। अब इस वीडियो को देखने के बाद लोग दावा कर रहे हैं कि महाराज जी ने एक्टर को आनी वाली मुसीबत के लिए पहले ही सतर्क कर दिया था। यानी कि प्रेमानंद जी को दो तहीने पहले ही संकट का आभास हो चुका था।

राज्य के बड़े करदाताओं को बड़ी राहत,, अब वर्चुअली होगी व्यक्तिगत सुनवाई

लखनऊ,(संवाददाता)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के टैक्स प्रणाली को सरल बनाने व तकनीकी का अधिक से अधिक उपयोग करते हुए इज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा देने के निदेशों के क्रम में उत्तर प्रदेश में राज्य कर विभाग द्वारा बड़े करदाताओं को सुविधा प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। राज्य कर विभाग घ्द्वारा प्रदेश के बड़े करदाताओं के लिये वर्चुअल सुनवाई की व्यवस्था लागू किए जाने से समस्याओं का प्रभावी समाधान होगा। इससे न्याय निर्णयन की प्रक्रिया तेज, पारदर्शी, समयबद्ध और करदाता-हितैषी बनेगी। संयुक्त आयुक्त कारपोरेट एवं संयुक्त आयुक्त कारपोरेट सेल-ऑयल सेक्टर स्तर पर लागू होने वाली वर्चुअल सुनवाई की यह प्रक्रिया 20 फरवरी से प्रभावी होगी। प्रमुख सचिव राज्य कर कामिनी रतन चौहान ने बताया कि इस पहल के अंतर्गत प्रदेश के संयुक्त आयुक्त कारपोरेट एवं संयुक्त आयुक्त कारपोरेट सेल-ऑयल सेक्टर स्तर पर पंजीकृत करदाताओं की व्यक्तिगत सुनवाई सामान्य परिस्थितियों में अनिवार्य रूप से वर्चुअल होगी। यह व्यवस्था उत्तर प्रदेश माल एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 की विभिन्न धाराओं के अनुरूप होगी।

पाकिस्तान के खिलाफ खेलेंगे अभिषेक वरुण चक्रवर्ती बोले- उन्होंने अभ्यास किया

नई दिल्ली। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने संकेत दिया कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अभिषेक का खेलना संदिग्ध हो सकता है। उन्होंने कहा, 'अभिषेक अभी पूरी तरह ठीक नहीं हैं, एक-दो मैच लग सकते हैं।' भारत और पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को कोलंबो में मुकाबला होना है। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है लेकिन 15 फरवरी को कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण टी20 विश्व कप ग्रुप मुकाबले में उनके खेलने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। पेट के संक्रमण से जुड़ी समस्या से जूझ रहे अभिषेक को तेज बुखार और पेट दर्द की शिकायत के बाद दो दिन के लिए अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। उन्हें बुधवार को दिल्ली के एक अस्पताल से छुट्टी मिल गई, लेकिन गुरुवार को जब भारतीय टीम ने कोटला मैदान पर अभ्यास किया, तब अभिषेक ने बहुत ज्यादा ट्रेनिंग नहीं की क्योंकि वह अब भी थोड़ा कमजोरी महसूस कर रहे हैं। अभिषेक का कम हुआ है वजन अभिषेक का थोड़ा वजन भी कम हुआ है और पेट के गंभीर संक्रमण की स्थिति में पूरी तरह स्वस्थ होकर शीर्ष स्तर का क्रिकेट खेलने लायक ताकत और सहनशक्ति हासिल करने में समय लगता है। हालांकि, उनके स्वास्थ्य पर टीम इंडिया के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने बड़ा अपडेट दिया है, जिससे फैंस को खुशी मिल सकती है।

चक्रवर्ती ने अभिषेक के स्वास्थ्य पर अपडेट दिया चक्रवर्ती ने कहा कि अभिषेक अब बेहतर महसूस कर रहे हैं और उन्हें लगता है कि वह अगला मैच खेल सकते हैं। चक्रवर्ती ने कहा, 'मुझे लगता है कि अभिषेक अगला मैच खेलेंगे। मुझे उनकी स्थिति के बारे में पूरी तरह नहीं पता, लेकिन मैंने उनसे बात की है, वह अच्छी स्थिति में लग रहे हैं। उन्होंने गुरुवार को कुछ अभ्यास भी किया। उन्होंने बताया कि वह वापसी की प्रक्रिया में हैं।' पाकिस्तान के खिलाफ कुछ नई गेंदें आजमा सकते हैं वरुण चक्रवर्ती ने साथ ही कहा कि वह पाकिस्तान के खिलाफ प्रेमदासा स्टेडियम में कुछ नई गेंदें भी आजमा सकते हैं क्योंकि वहां बाउंड्री लंबी हैं। नामीबिया के खिलाफ वरुण ने तीन विकेट झटके। अपनी फिरकी का जादू चलाने के बाद वरुण कहा कि वह अपनी गेंदबाजी में और विविधता लाने के अलावा मौजूदा गेंदों को बिलकुल सटीक बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। चक्रवर्ती ने कहा कि उन्होंने अपनी गेंदबाजी में विविधता (वेरिएशन) लाने के अलावा मौजूदा गेंदों को बेहतर करने पर अधिक ध्यान दिया है। 'गति, स्पिन और गेंद पर अधिक रोटेशन...' उन्होंने कहा, 'मैंने अपनी गेंदबाजी के कुछ पहलुओं पर काम किया है जैसे गति, स्पिन और गेंद पर अधिक रोटेशन। लोग वेरिएशन पर भी काम करते हैं लेकिन मैंने अपनी मौजूदा गेंदों को परफेक्ट बनाने पर काम किया जिससे बहुत मदद मिली।' चक्रवर्ती ने नामीबिया के खिलाफ लंबे फॉलो थ्रू (गेंद फेंकते हुए आगे की ओर जाना) के साथ गेंदबाजी की और इस स्पिनर ने कहा कि अपनी गेंदों की गति बढ़ाने के लिए उन्होंने ऐसा किया। 'अपने फॉलो थ्रू पर काम किया' इस लेग स्पिनर ने कहा, 'मैंने अपने फॉलो थ्रू पर काम किया जिससे कि मैं विकेट पर अधिक तेजी से गेंद डाल सकूं। मैंने आज पहली ही गेंद गुगली फेंकी जबकि आम तौर पर मैं अपनी स्टॉक गेंद के साथ शुरूआत करता हूं।' चक्रवर्ती ने कहा, 'अगर आप हमारे खेले गए मुकाबलों को देखें तो इस विश्व कप से पहले हुए सभी द्विपक्षीय मैच सपाट पिचों पर थे। यह निश्चित रूप से थोड़ा हैरान करने वाला था। पहले मैच का विकेट भी और यह विकेट भी। लेकिन हमें जो भी विकेट मिलता है हमें उसके हिसाब से खुद को ढालना होगा।' पाकिस्तान से मैच पर क्या बोले चक्रवर्ती? चक्रवर्ती ने साथ ही कहा कि रात के मैच में दूसरी पारी में गेंदबाजी करते हुए ओस की भी भूमिका है और पाकिस्तान के खिलाफ कोलंबो में 15 फरवरी को होने वाले भारत के अगले मैच में भी ऐसा देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा, 'ओस की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। जब आप दूसरी पारी में गेंदबाजी कर रहे होते हैं और आपको लक्ष्य का बचाव करना होता है तो कभी-कभी यह एक बड़ा मुद्दा होती है। आज भी बहुत ओस थी लेकिन हम अच्छा कर पाए। हम अनुभवी भी हैं क्योंकि हम आईपीएल में बहुत मैच खेलते हैं। हमें पता है कि अगर ओस आती है तो कैसे गेंदबाजी करनी है।' अच्छा प्रदर्शन करना वरुण का लक्ष्य चक्रवर्ती के लिए 2021 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ मैच बुरे सपने की तरह रहा था। इस मुकाबलें में भारत को चक्रवर्ती से काफी उम्मीदें थी, लेकिन वह एक भी विकेट नहीं चटका पाए और टीम को 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। उस मैच से अब तक अपनी गेंदबाजी में आए बदलाव पर चक्रवर्ती ने कहा, 'मैंने साइड स्पिन की जगह अपनी ओवर स्पिन और विकेट से अधिक गति और जिप पर काम किया है। कुछ वेरिएशन हैं जिन्हें मैं पिछले छह वर्ष से आजमा रहा हूं लेकिन अब भी परफेक्ट नहीं हुए जबकि कुछ काफी जल्दी काम कर जाते हैं। यह गेंद की जटिलता पर निर्भर करता है।' अभिषेक अब भी कमजोरी महसूस कर रहे कप्तान सूर्यकुमार यादव ने संकेत दिया कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच में उनका खेलना संदिग्ध हो सकता है। उन्होंने कहा, 'अभिषेक अभी पूरी तरह ठीक नहीं हैं, एक-दो मैच लग सकते हैं।' समझा जाता है कि कोलंबो में उनका अभ्यास सत्र इस बात का संकेत देगा कि वह किस स्थिति में हैं। यदि वह नेट्स में सामान्य रूप से लंबे समय तक बल्लेबाजी करते हैं तो इसे उनके खेलने के लिए फिट होने का संकेत माना जा सकता है। पिछले एक साल में भारतीय टीम के नेट सत्र पर नजर डालें तो अभिषेक कई बार बल्लेबाजी करते हैं और तीन घंटे के अभ्यास सत्र में वह लगभग 75 से 90 मिनट तक बल्लेबाजी करते हैं।

टीम इंडिया ने लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी, टी20 विश्व कप में लगातार 10वीं जीत 47वीं बार छुआ 200 का आंकड़ा

नई दिल्ली। टी20 विश्वकप 2026 के सभी 18 मैचों स्पिनरों का दबदबा साफ दिखा है। अब तक डाले गए कुल ओवरों में से 50.4 प्रतिशत ओवर स्पिन गेंदबाजों ने फेंके हैं, जो टी20 विश्वकप के किसी भी संस्करण में सबसे ज्यादा है। भारत ने गुरुवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में नामीबिया को 93 रन से हरा दिया। इसी के साथ टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप में लगातार 10वीं जीत दर्ज करते हुए इतिहास रचा है। भारत के अलावा किसी अन्य देश ने टी20 वर्ल्ड कप में लगातार इतनी जीत दर्ज नहीं की है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने नौ विकेट खोकर 209 रन बनाए। इसी के साथ भारत ने टी20 फॉर्मेट में रिकॉर्ड 47वीं बार 200 का आंकड़ा छुआ। इस मामले में भारत शीर्ष पर है। वहीं, 29 बार 200 का आंकड़ा छूने वाली दक्षिण अफ्रीकी टीम इस लिस्ट में दूसरे पायदान पर है। न्यूजीलैंड ने 28 बार, जबकि ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज ने 25-25 बार ऐसा किया है। भारत ने लगातार सबसे ज्यादा मैच जीते टीम इंडिया ने 2024 टी20 विश्वकप से लेकर अब तक ये लगातार 10 मैच जीते हैं। 2024 टी20 विश्वकप में भारत अजेय रहा था। उसने नौ में से आठ मैच जीते थे और एक मैच बिना टॉस के रद्द हुआ था। यानी लगातार आठ मैच उधर (तब रोहित शर्मा कप्तान थे) और दो मैच टीम इंडिया ने इस विश्वकप (अब सूर्यकुमार कप्तान) में जीते। टी20 वर्ल्ड कप में लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने के मामले में भारत के बाद लिस्ट में दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया मौजूद हैं। दक्षिण अफ्रीका ने साल 2024 में लगातार आठ मैच जीते थे, जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम ने साल 2022 से 2024 के बीच इतने ही मुकाबलों में जीत हासिल की। इंग्लैंड ने साल 2010 से 2012 के बीच लगातार सात टी20 वर्ल्ड कप मुकाबले जीते, जबकि भारतीय टीम साल 2012 से 2014 के बीच लगातार सात मैच अपने नाम कर चुकी थी। रनों के अंतर से भारत की सबसे बड़ी जीत 93 रन से जीत टी20 वर्ल्ड कप में रनों के अंतर से भारत की सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले टीम इंडिया ने साल 2012 में इंग्लैंड के विरुद्ध कोलंबो में 90 रन से जीत दर्ज की थी। टीम इंडिया साल 2014 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 73 रन, जबकि साल 2022 में जिम्बाब्वे के विरुद्ध 71 रन से टी20 वर्ल्ड कप मैच जीती थी। टीम इंडिया ने साल 2024 में इंग्लैंड को 68 रन से मात दी थी। ईशान और हार्दिक की तूफानी पारी अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने ईशान किशन (61) और हार्दिक पांड्या (52) की शानदार पारियों के दम पर भारत 200 के पार पहुंचने में कामयाब रहा।

मिस्ट्री बनाम माइंड गेम, कौन जीतेगा? अश्विन बोले- रुकने दो तारिक को हमारे बैटर हटे तो बदलेगा खेल

कोलंबो। पाकिस्तानी स्पिनर उस्मान तारिक का क्रीज पर रुकना बहस का मुद्दा बना है। रविचंद्रन अश्विन ने सुझाव दिया कि बल्लेबाज चाहें तो हट सकते हैं, जिससे दबाव गेंदबाज पर जाएगा। भारत की स्पिन कमजोरी के बीच यह रणनीति हाई-वोल्टेज मुकाबले में निर्णायक बन सकती है। भारत और पाकिस्तान की भिड़ंत से पहले चर्चा सिर्फ फॉर्म या प्लेइंग इलेवन की नहीं, बल्कि एक खास गेंदबाजी एक्शन की भी है। पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक अपनी रन-अप के दौरान अचानक रुकने और मूर्ति जैसी स्थिर मुद्रा बनाने के कारण सुर्खियों में हैं। इस पर बहस छिड़ी है कि क्या यह वैध है, क्या यह बल्लेबाज को भ्रमित करने की रणनीति है, और भारत इससे कैसे निपटेगा? हालांकि, इस 28 वर्षीय ऑफ स्पिनर के अपरंपरागत गेंदबाजी एक्शन ने पहले ही खेल के सबसे छोटे प्रारूप में कुछ खिलाड़ियों का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। अब भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इस पाकिस्तानी स्पिनर को काउंटर करने का दिलचस्प तरीका बताया है। उनकी बातों पर गौर करें तो भारत और पाकिस्तान के बीच टक्कर दिलचस्प हो सकती है और इस दौरान विवाद भी देखने को मिल सकते हैं। क्या है विवाद की जड़? तारिक की बांह में दो कोहनी? तारिक गेंद डालने से ठीक पहले पल भर रुकते हैं। बल्लेबाज की टाइमिंग और लय टूट जाती है। कुछ लोगों ने इसे ह्यचकिंगह्न से जोड़ा, हालांकि उनके एक्शन की जांच हो चुकी है और उन्हें आईसीसी से दो बार क्लीन चिट मिलती रही है। क्रिकेट के नियमों के अनुसार तारिक के एक्शन को अवैध ठहराना आसान भी नहीं है। किसी गेंदबाज के एक्शन को अवैध करार देने के लिए सबसे पहला कारण 15 डिग्री का नियम है। इस नियम के मुताबिक, गेंदबाज अपनी कोहनी को 15 डिग्री की सीमा से अधिक नहीं मोड़ सकता है जिसका मैदान पर मौजूद अंपायरों के लिए वास्तविक समय में सटीक आकलन करना लगभग असंभव है। ऑस्ट्रेलिया के कैमरन ग्रीन और दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस जैसे बल्लेबाज कुछ ऐसे उल्लेखनीय खिलाड़ी हैं जो तारिक के गेंदबाजी एक्शन से हैरान रह गए थे। ग्रीन ने तो विरोध तक जताया था। तारिक का टी20 क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है। नवंबर में त्रिकोणीय सीरीज के दौरान रावलपिंडी में जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने 18 रन देकर चार विकेट लिए थे जिसमें हैट्रिक भी शामिल है। उन्होंने अब तक केवल चार टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 88 गेंदें फेंकी हैं और 11 विकेट लिए हैं। जब चयनकताओं ने तारिक को टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया तो किसी को हैरानी नहीं हुई। पीसीबी और सभी क्रिकेट एक्सपर्ट्स जानते थे कि श्रीलंका की पिचें तेज गेंदबाजों की तुलना में धीमी गति के गेंदबाजों के लिए अधिक उपयुक्त होंगी। तारिक का शीर्ष स्तर के क्रिकेट तक का सफर आसान नहीं था।पिछले दो सत्र में देश के प्रमुख घरेलू टी20 टूर्नामेंट पाकिस्तान सुपर लीग के दौरान संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के लिए उनके खिलाफ दो बार शिकायत दर्ज की गई, लेकिन दोनों ही मौकों पर लाहौर स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में परीक्षण के बाद उन्हें दोषमुक्त कर दिया गया। तारिक ने कहा, 'मेरी बांह में दो कोहनी हैं। मेरी बांह स्वाभाविक रूप से मुड़ती है। मैंने इसकी जांच करवाई है और रिपोर्ट में यह स्पष्ट है। हर कोई महसूस करता है कि मैं अपनी बांह मोड़ता हूं। मेरी मुड़ी हुई बांह एक जैविक समस्या है। तारिक क्यों बन रहे खतरा? अमेरिका के खिलाफ मैच में तीन विकेट लेकर उन्होंने बता दिया कि वह सिर्फ चर्चा नहीं, असर भी हैं। उनकी कैरम बॉल, तेज रफ्तार और हल्का सा ड्रिफ्ट बल्लेबाज को शॉट खेलने से पहले ही असमंजस में डाल देता है।

जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराया 170 चेज नहीं कर सके कंगारू

कोलंबो। टी20 विश्वकप 2026 में बड़ा उलटफेर हुआ, जब जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हरा दिया। कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में जिम्बाब्वे ने 169 रन बनाए, जवाब में ऑस्ट्रेलिया 146 पर सिमट गई। टी20 विश्वकप टूर्नामेंट में जिम्बाब्वे का कंगारुओं पर अजेय रिकॉर्ड कायम है। टी20 विश्वकप 2026 का पहला बड़ा उलटफेर हो चुका है। जिम्बाब्वे ने इस संस्करण के 19वें मुकाबले में 2021 की टी20 विश्वकप चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हरा दिया है। यह मुकाबला कोलंबो के प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया। जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में दो विकेट गंवाकर 169 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पूरी पारी 19.3 ओवर में 146 रन पर सिमट गई। यह जिम्बाब्वे टीम की ऑस्ट्रेलिया पर टी20 में दूसरी जीत है। इससे पहले जिम्बाब्वे ने 2007 टी20 विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया था। दोनों के बीच अब तक चार बार आमना-सामना हुआ है। इसमें से दो बार ऑस्ट्रेलियाई टीम और दो बार जिम्बाब्वे की टीम जीती है। सिकंदर रजा की टीम का टी20 विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड है। यानी अब तक कंगारू जिम्बाब्वे की टीम को इस टूर्नामेंट में हरा नहीं पाए हैं। एक और हार फेर देगी ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदों पर पानी; जिम्बाब्वे की जीत से रोचक हुई सुपर-8 की जंग ग्रुप-बी में दिलचस्प हुई जंग साथ ही ग्रुप-बी में भी सुपर-8 में पहुंचने की जंग दिलचस्प हो चली है। इस हार के साथ ऑस्ट्रेलिया पर सुपर-8 की दौड़ से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। उसे अब अपने सभी मैच जीतने होंगे। एक हार उनकी उम्मीदों पर पानी फेर सकता है। फिलहाल ग्रुप-बी में श्रीलंका दो मैचों में दो जीत और चार अंक लेकर शीर्ष पर हैं। वहीं, जिम्बाब्वे के भी दो मैचों के बाद चार अंक हैं। ऑस्ट्रेलिया के दो मैचों के बाद दो अंक हैं। टीम तीसरे स्थान पर है। आयरलैंड और ओमान का खाता नहीं खुला है और टीम क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर है। अब ऑस्ट्रेलिया को अगला मैच श्रीलंका से खेलना है और अगर हारे तो बाहर हो जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया को अब मनाना है कि जिम्बाब्वे या श्रीलंका एक-एक मैच हारे और कंगारू अपने बाकी सभी मैच बड़े अंतर से जीतें। जिम्बाब्वे की पारीः 169/2 (20) जिम्बाब्वे को पहला झटका आठवें ओवर में 61 के स्कोर पर लगा। मार्कस स्टोइनिस ने तादिवानाशे मरुमानी को जोश इंग्लिस के हाथों कैच कराया। उन्होंने 21 गेंद में सात चौके की मदद से 35 रन बनाए। जिम्बाब्वे को दूसरा झटका रेयान बर्ल के रूप में लगा। वह 16वें ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हुए। बर्ल ने 30 गेंद में चार चौके की मदद से 35 रन बनाए। बर्ल को कैमरन ग्रीन ने पवेलियन भेजा। ब्रायन बेनेट 56 गेंद में सात चौके की मदद से 64 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, कप्तान सिकंदर रजा ने भी 13 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 25 रन बनाए। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 24 गेंद में नाबाद 38 रन की साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया की पारीः 146/10 (19.3) जोश इंग्लिस आठ रन बनाकर आउट हुए, जबकि कैमरन ग्रीन और टिम डेविड खाता नहीं खोल सके। ब्लेसिंग मुजरबानी ने इंग्लिस और डेविड को आउट किया। वहीं, ब्रैड इवेंस ने ग्रीन को पवेलियन भेजा। कप्तान ट्रेविस हेड को ब्रैड इवेंस ने बोल्ड किया। वह 15 गेंद में तीन चौके की मदद से 17 रन बना सके। ऑस्ट्रेलिया ने 29 रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद ग्लेन मैक्सवेल ने मैट रेनशॉ के साथ पांचवें विकेट के लिए 59 गेंद में 77 रन की साझेदारी निभाई। मैक्सवेल 32 गेंद में एक चौका और एक छक्के की मदद से 31 रन बना सके। मैक्सवेल को बर्ल ने बोल्ड किया। इसके बाद मार्कस स्टोइनिस मसाकादजा का शिकार बने। वह चार गें में छह रन बना सके। बेन ड्वारशुइस को ब्रैड इवांस ने कैच आउट कराया।

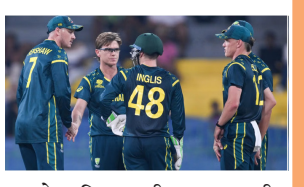

मैं अब 24 घंटे मजाक नहीं करता, मैं बदल चुका हूं नामीबिया से मैच के बाद क्यों भड़के ईशान किशन

नई दिल्ली। नामीबिया के खिलाफ 24 गेंद में 61 रन ठोकने के बाद ईशान किशन ने माना कि वह अब पहले जैसे नहीं रहे। मजाक कम, जिम्मेदारी ज्यादा है। क्रीज पर शांत रहना, सही समय पर हमला करना और टीम के लिए खेलना, यही उनकी नई सफलता का मंत्र है। भारत ने नामीबिया को हराकर टी20 विश्वकप 2026 में अपना लगातार दूसरा मैच जीता और ग्रुप-ए में शीर्ष पर जगह बना ली। भारत की जीत में ईशान किशन, हार्दिक पांड्या और वरुण चक्रवर्ती ने अहम भूमिका निभाई। ईशान ने 61 रन और हार्दिक ने 52 रन बनाए, जबकि वरुण ने तीन विकेट झटके। हालांकि, मैच के इतर ईशान किशन ने कुछ ऐसा कहा है, जिसने सभी को चौंका दिया है। आइए पूरा मामला जानते हैं... दरअसल, टीम इंडिया के विस्फोटक विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन इन दिनों सिर्फ अपने शॉट्स से नहीं, बल्कि अपनी सोच से भी चर्चा में हैं। नामीबिया के खिलाफ तूफानी अर्धशतक जड़ने के बाद उन्होंने माना कि करियर के उतार-चढ़ाव ने उन्हें पहले से ज्यादा परिपक्व बना दिया है। अब उनका फोकस मस्ती से ज्यादा जिम्मेदारी पर है। वापसी के बाद बदली तस्वीर पिछले महीने टीम में वापसी के बाद ईशान ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन ने उन्हें प्लेइंग इलेवन में पहली पसंद का विकेटकीपर बल्लेबाज बना दिया है। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी, तेज शुरूआत और आत्मविश्वास टीम को नई ऊर्जा दे रहे हैं। नामीबिया के खिलाफ तूफान गुरुवार रात खेले गए मुकाबले में बाएं हाथ के बल्लेबाज ने सिर्फ 24 गेंदों में छह चौके और पांच छक्के की मदद से 61 रन ठोक दिए। उनकी पारी की बदौलत भारत ने पावरप्ले में 86 रन बना डाले, जो टी20 विश्वकप इतिहास में टीम का सर्वश्रेष्ठ पावरप्ले स्कोर रहा। अभिषेक शर्मा की गैरमौजूदगी में ईशान ने जिम्मेदारी उठाई और गेंदबाजों पर टूट पड़े।

गावस्कर ने पाकिस्तान के खिलाफ अर्शदीप की जगह इस गेंदबाज को उतारने कहा सैमसन के शॉट चयन पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। भारतीय टीम अब पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मुकाबले की तैयारियों में जुट गई है। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने इस मैच को लेकर सलाह दी है और अर्शदीप सिंह की जगह कुलदीप यादव को एकादश में शामिल करने कहा है। भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप की शुरूआत शानदार तरीके से की है और अपने पहले दोनों मुकाबले जीते हैं। भारत का सामना अब रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा। इस मैच की महत्वता को देखते हुए दिग्गज भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने उम्मीद जताई है कि भारत अर्शदीप सिंह की जगह लेग स्पिनर कुलदीप यादव को प्लेइंग-11 में शामिल करेगा। भारत ने जीते हैं दोनों मुकाबले भारत ने ग्रुप चरण के पहले मैच में अमेरिका को हराया था, जबकि दूसरे मैच में नामीबिया को मात दी थी। नामीबिया के खिलाफ अर्शदीप सिंह महंगे साबित हुए थे और उन्होंने अपने कोटे के चार ओवर में भी पूरे नहीं किए थे। गावस्कर ने कहा कि भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के खिलाफ मैच को ध्यान में रखते हुए ही अपनी गेंदबाजी में बदलाव किए। कोलंबो में तीन स्पिनरों के साथ उतरेगा भारत? गावस्कर ने टी20 विश्व कप के आधिकारिक प्रसारकर्ता के एक कार्यक्रम में कहा, हमारे सभी गेंदबाजों ने विकेट लिए। अर्शदीप ने अपने चार ओवर पूरे नहीं किए, जबकि शिवम दुबे ने दो ओवर और हार्दिक ने अपना कोटा पूरा किया। इससे संकेत मिलता है कि कुलदीप यादव पाकिस्तान के खिलाफ मैच में अर्शदीप की जगह ले सकते हैं। श्रीलंका की पिचें स्पिनरों के लिए मददगार हैं और भारत का तीन स्पिनरों के साथ खेलने का इतिहास रहा है। मुझे उम्मीद है कि कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच में कुलदीप को अंतिम एकादश में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा, हार्दिक ने पहला ओवर किया जिससे संकेत मिलता है कि अर्शदीप पाकिस्तान के खिलाफ शायद नहीं खेलेंगे।

टी20 विश्व कप 2026 में आगे की राह तय करने में अहम होंगे आज के तीन मुकाबले

नई दिल्ली। नीदरलैंड ने पाकिस्तान से हारने के बाद अपने दूसरे मैच में नामिबिया को हराया था। वहीं, संयुक्त राज्य अमेरिका की टीम अब तक अपने दोनों मुकाबले हार चुकी है। टी20 विश्व कप 2026 में शुक्रवार को तीन महत्वपूर्ण मुकाबले खेले जाएंगे। अलग-अलग ग्रुप की टीमें मैदान पर उतरेंगी और अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश करेंगी। पहला मुकाबला ग्रुप बी का है, जो कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे आमने-सामने होंगे। यह टूनार्मेंट का 19वां मुकाबला है। भारतीय समयानुसार मैच सुबह 11:00 बजे शुरू होगा। दोनों टीमों ने अपने अभियान की शुरूआत जीत के साथ की है। ऑस्ट्रेलिया ने अपने पहले मैच में आयरलैंड को 67 रनों से हराया था। वहीं जिम्बाब्वे ने ओमान को 8 विकेट से मात दी थी। ऐसे में यह मुकाबला ग्रुप बी में शीर्ष स्थान के लिए अहम साबित हो सकता है। दूसरा मैच ग्रुप डी का है, जो दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मुकाबला कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात के बीच होगा। भारतीय समयानुसार मैच दोपहर 3:00 बजे शुरू होगा। दोनों टीमों को अपने पहले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। कनाडा को दक्षिण अफ्रीका ने 57 रनों से हराया था। वहीं संयुक्त अरब अमीरात को न्यूजीलैंड के खिलाफ 10 विकेट से हार मिली थी। इस मुकाबले में हारने वाली टीम के लिए अगले दौर की राह मुश्किल हो सकती है।

विश्वकप में चोट से जूझ रही टीमें जिम्बाब्वे के टेलर और आयरलैंड के स्टर्लिंग टूर्नामेंट से बाहर

नई दिल्ली। टी20 विश्वकप 2026 में जिम्बाब्वे के ब्रेंडन टेलर और आयरलैंड के कप्तान पॉल स्टर्लिंग चोट के कारण बाहर हो गए। जिम्बाब्वे ने बेन करन और आयरलैंड ने सैम टॉपिंग को टीम में शामिल किया है। दोनों टीमों को बड़े टूर्नामेंट में अहम समय पर झटका लगा है। टी20 विश्वकप 2026 के बीच जिम्बाब्वे को बड़ा झटका लगा है। अनुभवी बल्लेबाज ब्रेंडन टेलर हैमस्ट्रिंग चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह बेन करन को टीम में शामिल करने को इवेंट टेक्निकल कमेटी ने मंजूरी दे दी है। टेलर को नौ फरवरी को ओमान के खिलाफ मैच के दौरान दाहिने पैर की हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। बल्लेबाजी करते समय वह असहज दिखे और 31 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए। पवेलियन लौटते वक्त उन्हें लंगड़ाते हुए भी देखा गया था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच से पहले कप्तान सिकंदर ने बदलाव की पुष्टि करते हुए कहा, 'ब्रेंडन टेलर को चोट लगी है और वह अब इस प्रतियोगिता से बाहर हो गए हैं।' उनकी अनुपस्थिति में टोनी मुन्योंगा को टीम में मौका मिला और विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई। फॉर्म में थे टेलर टेलर शानदार लय में चल रहे थे। ओमान के खिलाफ उन्होंने मुश्किल समय में पारी संभाली और ब्रायन बेनेट के साथ 68 रन की अहम साझेदारी की। 2007 से टीम के साथ जुड़े इस दिग्गज ने जिम्बाब्वे के लिए 59 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1200 से ज्यादा रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और कई अर्धशतक शामिल हैं। 2025 में वापसी के बाद से भी वह लगातार रन बना रहे थे। आयरलैंड के कप्तान स्टर्लिंग भी बाहर जिम्बाब्वे के बाद आयरलैंड को भी बड़ा झटका लगा है। टीम के कप्तान पॉल स्टर्लिंग घुटने की लिगामेंट चोट के कारण बाकी टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह युवा बल्लेबाज रेंळङ्कस्त्रस्न्रल्लॅ को तुरंत प्रभाव से टीम में शामिल किया गया है। क्रिकेट आयरलैंड के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर ग्रीम वेस्ट ने बयान में कहा, 'पॉल स्टर्लिंग की जांच और स्कैन में लिगामेंट डैमेज सामने आया है, इसलिए वह टी20 विश्वकप के बाकी मैचों में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। वह जल्द ही घर लौटेंगे, जहां आराम और रिहैब किया जाएगा।' कैच लेते समय लगी चोट ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में स्टर्लिंग ने कवर पर शानदार कैच लपका, लेकिन जमीन पर गिरते समय उनका घुटना जोर से टकराया।

जगमग हुए गांव, उद्यमों ने पकड़ी रफ्तार

लखनऊ,(संवाददाता)। वर्ष 2017 से पहले बिजली की किल्लत से जूझ रहे उत्तर प्रदेश के गांव अब जगमगा रहे हैं। योगी सरकार ने ग्रामीण विद्युतीकरण को विकास की बुनियाद बनाया और योजनाबद्ध तरीके से हर घर तक बिजली पहुंचाने का लक्ष्य पूरा किया है। घर-घर बिजली कनेक्शन सुनिश्चित किया जा चुका है। प्रदेश सरकार के बजट 2026-27 में बिजली क्षेत्र को 65,926 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में पारेषण और वितरण नेटवर्क को मजबूत किया गया है। जर्जर लाइनों को बदला गया और नए उपकेंद्र स्थापित किए गए हैं। ह्यप्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजनाह्न के जरिए लाखों परिवारों को मुफ्त बिजली कनेक्शन दिए गए। इससे ग्रामीण जीवन की तस्वीर बदलती दिख रही है। अब गांवों में न केवल घरेलू रोशनी बल्कि कृषि और लघु उद्योगों को भी निर्बाध बिजली मिल रही है। गांवों में वितरण तंत्र को और सुदृढ़ किया जा रहा है। पुराने कंडक्टर बदले जा रहे हैं, लो टेंशन एबी के बल बिछाई जा रही हैं और ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाई जा रही है।

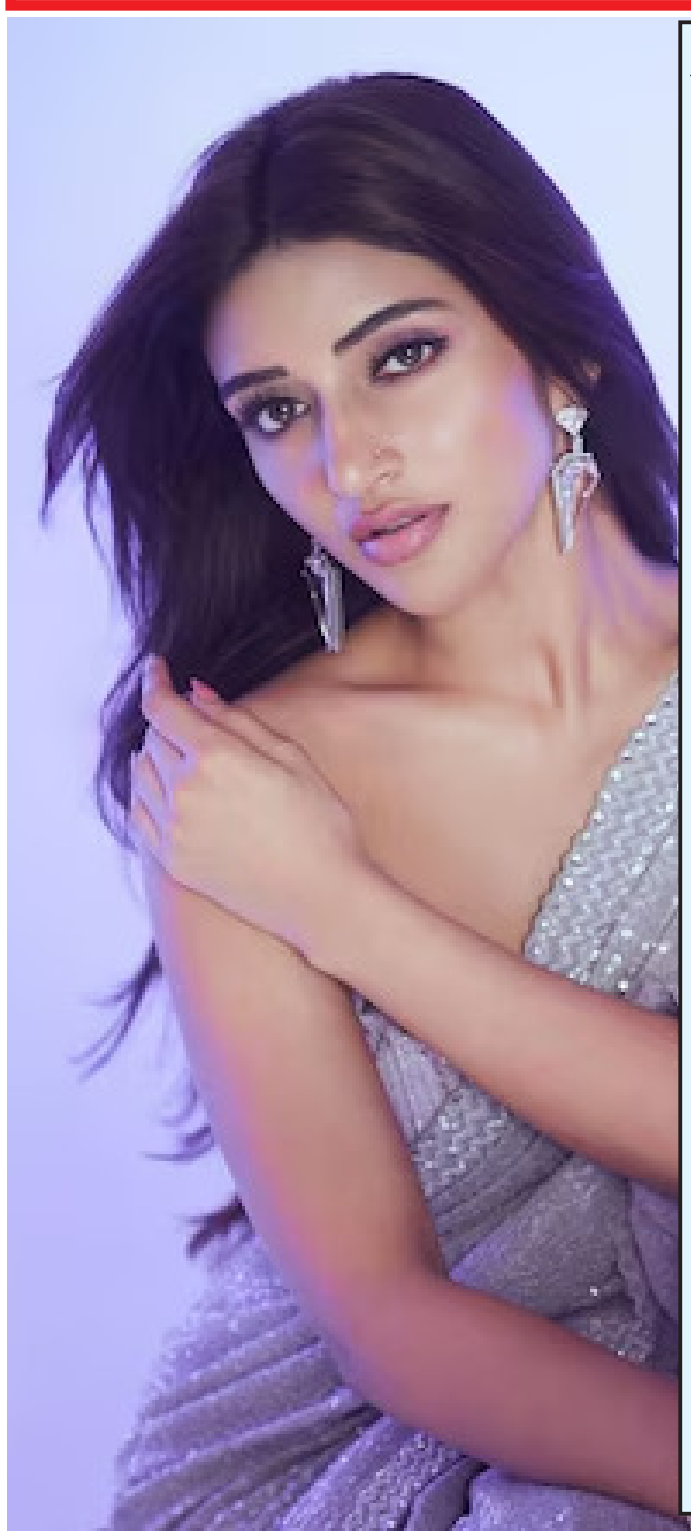

उप्स मोमेंट का शिकार हुई एक्ट्रेस श्रीलीला

एमबीबीएस डिग्री मिलने के बाद रेड ड्रेस में कर गई ये गलती

साउथ और बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस श्रीलीला ने हाल ही में अपनी मेहनत का फल पाया और एमबीबीएस की डिग्री पूरी कर ली। छह साल की मेहनत के बाद उन्होंने न सिर्फ एक सफल एक्ट्रेस के तौर पर पहचान बनाई, बल्कि अब वे अधिकारिक तौर पर डॉक्टर भी बन गई हैं। उनके गाने किसिक से फिल्म पुष्पा 2 में उन्होंने दर्शकों का दिल जीता था। लेकिन डिग्री लेने के बाद उनका एक मजेदार उप्स मोमेंट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। डिग्री मिलने के तुरंत बाद श्रीलीला खुशी-खुशी एयरपोर्ट पहुंचीं। उन्होंने एक खूबसूरत रेड ड्रेस पहनी थी और पूरी तरह स्टाइलिश लग रहीथीं। इस दौरान पेपराज्जी ने उनकी तस्वीरें और वीडियो खींचे, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए। लोग उनकी खूबसूरती और स्टाइल की तारीफ कर रहे थे। जश्न और जल्दबाजी में श्रीलीला ने अपनी ड्रेस का प्राइस टैग नहीं हटाया। कैमरे की नजर से यह टैग बच नहीं सका और तस्वीरों में साफ दिख गया। जब इस बात का एहसास हुआ, तो उन्होंने खुद हंसते हुए कहा, किसी को बता देना चाहिए! इस छोटे से मोमेंट ने उनके फैंस को बहुत खुश किया और लोग कह रहे हैं कि यह गलती उनकी क्यूटनेस और डाउन-टू-अर्थ पर्सनैलिटी को और बढ़ा रही है। श्रीलीला की एमबीबीएस डिग्री और उनकी मेहनत को फैंस ने खूब सराहा। इसी बीच उनका ऐसा सरल और ग्रेसफुल व्यवहार देखकर लोग उनके मुरीद हो गए। एक तरफ वे फिल्मों में व्यस्त हैं, तो दूसरी तरफ अब वे एक डॉक्टर भी हैं। और इसी बीच हुई यह छोटी-सी मजेदार गलती उनके व्यक्तित्व को और निखार रही है।

श्रीलीला का यह व्वचे मोमेंट साबित करता है कि बड़ी उपलब्धियों और ग्लैमर के बीच भी कभी-कभी छोटी-छोटी गलतियां होती हैं, और उन्हें हंसते-हंसते हैंडल करना ही असली स्टाइल है।

धोखाधड़ी मामले में विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी को बड़ी राहत, दो महीने बाद जेल से हुए रिहा

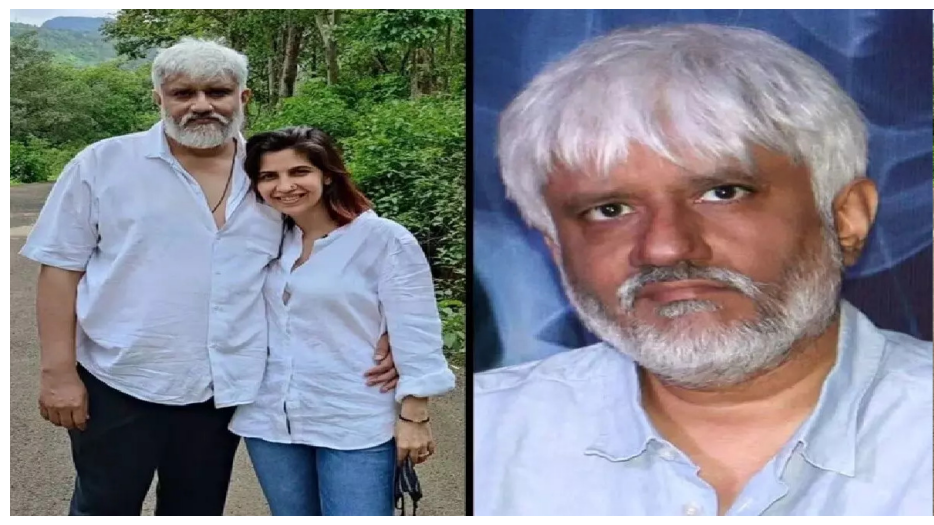

फिल्म निमार्ता विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी भट्ट पर पिछले साल दिसंबर में पैसों की धोखाधड़ी के आरोप लगे थे, जिसके बाद से दोनों 7 दिसंबर में जेल की हवा खा रहे थे। वहीं, हाल ही में इस दंपत्ति को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दे दी है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सुनवाई के दौरान दोनों को तुरंत रिहा करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट को कहा कि वे तय शर्तों के साथ औपचारिक बेल ऑर्डर जारी करें। साथ ही अदालत ने शिकायतकर्ता अजय मुर्डिया और राजस्थान सरकार को नोटिस जारी कर अगली सुनवाई में उपस्थित रहने को कहा है। इस मामले की अगली सुनवाई 19 फरवरी को होगी। इससे पहले 31 जनवरी को राजस्थान हाईकोर्ट ने विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट का कहना था कि मामले की गंभीरता को देखते हुए इस स्तर पर जमानत देना उचित नहीं है। शिकायत दर्ज होने के बाद 7 दिसंबर को दोनों को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उन्हें मुंबई से उदयपुर लाया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उदयपुर के कारोबारी अजय मुर्डिया ने आरोप लगाया है कि विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी ने फिल्म निर्माण में निवेश के नाम पर उनसे करीब 30 करोड़ रुपये लिए। शिकायत के मुताबिक, उन्हें ज्यादा मुनाफे का भरोसा दिलाया गया था। आरोप यह भी है कि फिल्म प्रोजेक्ट के नाम पर लिए गए पैसों का सही उपयोग नहीं किया गया। साथ ही अलग-अलग नामों से कथित फर्जी बिल लगाकर अतिरिक्त रकम ली गई। शिकायतकर्ता का दावा है कि निवेश की रकम का कुछ हिस्सा निजी खातों में ट्रांसफर किया गया। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद दोनों को राहत मिली है, लेकिन मामले की कानूनी प्रक्रिया जारी रहेगी। आने वाली सुनवाई में कोर्ट आगे की दिशा तय करेगा।

नेचुरल स्टार नानी की द पैराडाइज की नई रिलीज डेट अनाउंस, दमदार पोस्टर जारी

द पैराडाइज 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बनकर उभरी है। अनाउंसमेंट के बाद से ही इस फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्सुकता बनी हुई है। दसरा की बड़ी सफलता के बाद ऊंचाई पर चल रहे निर्देशक श्रीकांत ओडेला इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं, जबकि लीड रोल में नजर आएंगे नेचुरल स्टार नानी। दसरा जैसी ब्लॉकबस्टर देने के बाद नानी और ओडेला की यह जोड़ी एक बार फिर साथ आ रही है, जिसने फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ा दी है। इसी बढ़ते उत्साह के बीच मेकर्स ने अब फिल्म को लेकर बड़ा ऐलान किया है, जिसने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है। उन्होंने द पैराडाइज की नई रिलीज डेट का खुलासा किया है और साथ ही एक दमदार और इंटेंस नया पोस्टर भी जारी किया है। पोस्टर में दो लंबी गूंथी हुई चोटियां नजर आ रही हैं, जिनके सिरों से खून टपक रहा है, और बैकग्राउंड डार्क और रहस्यमय है। यह विजुअल साफ इशारा देता है कि फिल्म की कहानी काफी ग्रिटी और इंटेंस होगी, और दर्शकों को हाई-ऑक्टेन एक्शन थ्रिलर का अनुभव मिलेगा। पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने ऐलान किया,द पैराडाइज श्रीकांत ओडेला की एक और महत्वाकांक्षी फिल्म बनती नजर आ रही है। अपने यूनिक स्टोरीटेलिंग स्टाइल और बारीकियों पर खास ध्यान देने के लिए मशहूर ओडेला ने दसरा से शानदार डेब्यू किया था। यह फिल्म न सिर्फ आलोचकों से खूब सराही गई, बल्कि 100 करोड़ का आंकड़ा पार करते हुए नानी के करियर की सबसे बड़ी हिट भी बनी। भले ही ओडेला की फिल्मोग्राफी अभी छोटी है, लेकिन उन्होंने खुद को तेजी से एक ऐसे फिल्ममेकर के रूप में साबित किया है जिनसे बड़ी उम्मीदें जुड़ी हैं और द पैराडाइज के साथ यह उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। फिल्म की इंटेंसिटी को और ऊंचा उठाता है इसका ओरिजिनल साउंडट्रैक, जिसे अनिरुद्ध रविचंदर ने कंपोज किया है। अनिरुद्ध और अर्जुन चौंडी की आवाज में तैयार यह म्यूजिक फिल्म की ग्रिपिंग कहानी को एक शक्तिशाली और इमोशनल लेयर देता है। एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले बनी द पैराडाइज 21 अगस्त 2026 को बड़े पैमाने पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, इंग्लिश, स्पेनिश, बंगाली, कन्नड़ और मलयालम कुल आठ भाषाओं में आएगी। फिल्म के ग्लोबल प्लान को देखते हुए खबर है कि मेकर्स ने हॉलीवुड स्टार रयान रेनॉल्ड्स से इंटरनेशनल मार्केट में इसे प्रेजेंट करने के लिए संपर्क किया है। अपने विजनरी डायरेक्टर, दमदार स्टारकास्ट और बड़े स्केल के साथ द पैराडाइज सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक बड़ा सिनेमाई इवेंट बनने की ओर बढ़ रही है।

अजय देवगन की आवाज में शतक, आरएसएस के 100 साल की कहानी का ट्रेलर जारी

फिल्म शतक संघ के 100 वर्ष का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर जारी हो गया है। इस ट्रेलर को बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन की प्रभावशाली आवाज ने दर्शकों के लिए और भी खास बना दिया है। उनकी आवाज ट्रेलर में न सिर्फ गहराई और भाव जोड़ती हैबल्कि दर्शकों में देशभक्ति का भाव भी जागृत करती है। ट्रेलर में त्याग, संघर्ष और राष्ट्र-प्रथम की भावना से जुड़ी 100 साल की यात्रा को दिखाया गया है। यह उन लोगों को श्रद्धांजलि देता है जिन्होंने अनुशासन, सेवा और समर्पण के साथ समाज और देश के लिए अपना जीवन समर्पित किया। यह फिल्म एक ऐसी विचारधारा की कहानी है, जिसे कभी समय के साथ समाप्त हो जाने वाला माना गया था। लेकिन वह हर पीढ़ी के साथ और अधिक सशक्त होती गई। गुरुजी एम. एस. गोलवलकर जी के शब्दों से प्रेरित होकर फिल्म दिखाती है कि संघ को समय की तरह अटूट माना गया है। लोगों को जोड़ना इस यात्रा का मुख्य आधार रहा। यह फिल्म सिर्फ इतिहास नहीं बताती, बल्कि लंबे समय से चली आ रही धारणाओं और गलतफहमियों पर भी अपनी बात रखती है। आरएसएस की किताबों और दस्तावेजों के आधार पर बनी यह फिल्म अपने नजरिए से उन घटनाओं और योगदानों को सामने लाने की कोशिश करती है, जिन्हें अक्सर कम जाना गया। अजय देवगन ने फिल्म से जुड़ने पर कहा, आरएसएस को 100 साल पूरे करने पर बधाई। एक सदी सिर्फ समय नहीं होता, बल्कि कई पीढ़ियों के त्याग और देश के लिए किए गए योगदान का प्रतीक होती है।

इन वर्षों में संघ ने सेवा, एकता और सांस्कृतिक पहचान पर अहम भूमिका निभाई है। शतक इसी लंबी यात्रा को दिखाने की कोशिश है। इस कहानी को अपनी आवाज देना मेरे लिए सम्मान की बात है। यह सिर्फ एक संगठन की नहीं, बल्कि एक विचार की कहानी है, जो समय के साथ मजबूती से खड़ा रहा। शतक संघ के 100 वर्ष पैनोरमा के सहयोग से बनाई गई है। इसके निमार्ता वीर कपूर, निर्देशक आशीष मल्ल और सह-निमार्ता आशीष तिवारी हैं।

डेस्टिनेशन वेडिंग नहीं, इस थीम पर कृतिका कामरा और गौरव कपूर करेंगे शादी; कपल ने शेयर की जानकारी

कृतिका कामरा और गौरव कपूर जल्द ही नए बंधन में बंधने वाले हैं। जानिए कब, कहां और कैसी होगी शादीह्न क्रिकेट होस्ट गौरव कपूर औ कृतिका कामरा जल्द ही शादी करने वाले हैं। दोनों की शादी की खबरें बीते दिनों से सुर्खियों में थी। अब खबर है कि जल्द ही गौरव और कृतिका शादी करने वाले हैं। साथ ही दोनों ने शेयर भी किया है कि वे कैसी शादी करना चाहते हैं। सादगी भरी होगी शादी कृतिका कामरा और गौरव कपूर मार्च में अपने जीवन में नई शुरूआत करने वाले हैं। लेकिन उन्होंने बड़ी और आलीशान डेस्टिनेशन वेडिंग की जगह एक मॉडर्न और मिनिमलिस्ट शादी करने का फैसला किया है। दोनों अपनी शादी की तैयारियों में खुद पूरी तरह शामिल हैं। हर छोटी-बड़ी चीज को सोच-समझकर प्लान किया जा रहा है। उनका मकसद दिखावे से दूर रहकर एक सादगी भरी शादी करना है। मुंबई में होगी शादी कृतिका और गौरव अपनी सादगी भरी सोच के लिए जाने जाते हैं। वे चाहते हैं कि उनकी शादी उनके असली व्यक्तित्व को दिखाए। मॉडर्न और एलिगेंट अंदाज को अपनाने का फैसला उन्होंने किसी ट्रेंड की वजह से नहीं, बल्कि अपनी पसंद और सोच के मुताबिक लिया है। कपल के एक करीबी सूत्र ने बताया, कृतिका और गौरव के लिए शादी का मतलब बड़ा आयोजन नहीं, बल्कि उसकी अहमियत है। उन्होंने डेस्टिनेशन वेडिंग छोड़कर मुंबई में एक सादी, मॉडर्न और इंटिमेट शादी करने का फैसला किया है। वे चाहते हैं कि यह जश्न उनकी पर्सनालिटी के हिसाब से हो। शादी के लिए हर डिटेल पर खास ध्यान दिया जा रहा है। सजावट से लेकर स्टाइलिंग तक, सब कुछ उनकी पसंद और पर्सनालिटी को दर्शाएगा। जानकारी के मुताबिक, शादी का माहौल बेहद एनर्जी भरा और अपनापन लिए होगा। सजावट और पूरे सेटअप सादगी से भरा होगा, ताकि पूरे कार्यक्रम में अपनापन महसूस हो।

विपक्ष का काम केवल आलोचना , बजट पढते तो देते धन्यवादः केशव

लखनऊ,(संवाददाता)। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज प्रदेश के बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बजट प्रदेश के समग्र और संतुलित विकास का मार्ग प्रशस्त करने वाला है। उन्होंने कहा कि बजट से प्रदेश का विकास हुआ है और निरंतर होता रहेगा। सरकार का लक्ष्य गांव, गरीब, किसान, युवा, महिला और व्यापारी,सभी वर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में आधारभूत संरचना, ग्रामीण संपर्क मार्ग, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, रोजगार सृजन और महिला सशक्तिकरण के लिए ऐतिहासिक प्रावधान किए गए हैं। यह बजट आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की दिशा में एक मजबूत कदम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार की प्राथमिकता अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज विधानसभा की कार्यवाही देखने पहुंचीं छात्राओं से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें जीवन में आगे बढ़ने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा हमारी बेटियां कल का भविष्य हैं। जब वे शिक्षित और जागरूक होंगी, तभी एक सशक्त और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश का सपना साकार होगा। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष का काम केवल सरकार की आलोचना करना रह गया है। यदि वे बजट को गंभीरता से पढ़ लें और उसके प्रावधानों को समझ लें, तो उन्हें इसकी सराहना करनी पड़ेगी। मनरेगा अभियान पूरी तरह खोखला साबित हुआ है।

शक्तिशाली भारत, चीन का मुकाबला करने के लिए बेहद जरूरी अमेरिका के शीर्ष अधिकारी का बड़ा बयान

वॉशिंगटन। अमेरिका ने भारत को चीन के खिलाफ अपना सबसे महत्वपूर्ण साथी बताया है। अमेरिकी अधिकारी पॉल कपूर के अनुसार, एक मजबूत और स्वतंत्र भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के दबदबे को रोकने के लिए जरूरी है। दक्षिण और मध्य एशिया के लिए अमेरिकी सहायक सचिव पॉल कपूर ने भारत की भूमिका पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि चीन के खिलाफ अमेरिका की कोशिशों में भारत एक बेहद जरूरी साथी है। कपूर के अनुसार, एक ताकतवर भारत न केवल चीन को हिंद-प्रशांत क्षेत्र से बाहर रखता है, बल्कि किसी भी बड़े देश को इस इलाके पर कब्जा करने या दबाव बनाने से भी रोकता है। सवाल के जवाब में क्या बोले अमेरिकी सहायक सचिव? उन्होंने यह बातें बुधवार को दक्षिण और मध्य एशिया पर बनी एक सब-कमेटी की बैठक में कहीं। इस बैठक का मकसद इलाके में अमेरिका की विदेश नीति की जांच करना था। जब उनसे पूछा गया कि भारत इंडो-पैसिफिक इलाके में तेजी से आक्रामक होते चीन का मुकाबला करने के लिए अमेरिकी कोशिशों में कैसे मदद करेगा। इस पर उन्होंने कहा कि भारत का आजाद रहना, अपने पैरों पर खड़ा होना और अपने

काम करने की आजादी को बनाए रखना, अमेरिका के रणनीतिक फायदे के लिए है। उन्होंने साफ किया कि अमेरिका का मकसद चीन को पूरी तरह बाहर निकालना नहीं, बल्कि उसे मनमानी करने से रोकना है। कपूर ने इस बात पर जोर दिया कि भारत को आर्थिक और सैन्य रूप से मजबूत होना चाहिए। इससे चीन पर भारत की निर्भरता कम होगी। उन्होंने कहा कि एक आजाद और खुशहाल भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा चीन के प्रभाव से बचा लेगा, जो अमेरिका के लिए एक बड़ी जीत होगी। हालांकि, कैलिफोर्निया की प्रतिनिधि कामलागर-डोव ने ट्रंप सरकार के कुछ फैसलों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि भारत पर भारी टैक्स लगाने और बैठकों में देरी करने से दोनों देशों के बीच भरोसे को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन कदमों से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका की स्थिति कमजोर हुई है। दोनों देश के संबंध हो रहे मजबूत इन आलोचनाओं के बीच कपूर ने कहा कि भारत और अमेरिका के संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। दोनों देश रक्षा तकनीक और ऊर्जा के क्षेत्र में मिलकर काम कर रहे हैं। हाल ही में राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बीच व्यापार को लेकर एक अहम सहमति बनी है। इस समझौते के तहत भारत अमेरिकी सामानों पर टैक्स कम करेगा। इसमें खेती से जुड़े उत्पाद जैसे सूखे मेवे, ताजे फल, सोयाबीन तेल, वाइन और जानवरों का चारा शामिल है। बदले में अमेरिका कुछ खास भारतीय सामानों पर 18 प्रतिशत टैक्स लगाएगा। इसमें कपड़े, चमड़ा, जूते, प्लास्टिक, रबर और मशीनरी जैसी चीजें शामिल हैं। जब यह समझौता पूरी तरह लागू हो जाएगा, तब दवाओं, जेम्स-ज्वेलरी और हवाई जहाज के पुर्जों पर से अमेरिकी टैक्स हटा लिए जाएंगे। कपूर ने कहा कि इस समझौते से दोनों देशों की खुशहाली बढ़ेगी और भारत को अपनी सीमाओं की रक्षा करने में मदद मिलेगी।

60 लाख ग्राहकों के बैंक-पासपोर्ट का डाटा चोरी मामले की जांच शुरू

एम्सटर्डैम। नीदरलैंड की टेलीकॉम कंपनी ओडिडो पर साइबर हमला हुआ। 60 लाख से ज्यादा ग्राहकों का निजी डेटा चोरी हुआ। इसमें बैंक डिटेल्स और पासपोर्ट नंबर शामिल हैं। कंपनी ने सात फरवरी से जांच शुरू की और हैक रोक दिया। ग्राहकों को ईमेल से सूचना दी। नीदरलैंड की प्रमुख टेलीकॉम कंपनी ओडिडो पर साइबर हमलावरों ने बड़ा हमला बोल दिया है। कंपनी ने खुद माना कि हैकर्स ने उसके सिस्टम में घुसकर 60 लाख से ज्यादा ग्राहकों का निजी डेटा चुरा लिया। यह डेटा बहुत संवेदनशील है। इसमें लोगों के बैंक खाते की जानकारी और पासपोर्ट नंबर जैसी चीजें शामिल हैं। यह नीदरलैंड में अब तक का सबसे बड़ा डेटा लीक मामला बन गया है। कंपनी ने ग्राहकों को चेतावनी भेजी है और जांच शुरू कर दी है। ओडिडो ने सात फरवरी को संदेह होने पर जांच शुरू की। कंपनी ने अपने अंदरूनी विशेषज्ञों और बाहर के एक्सपर्ट्स की मदद ली। जांच में पता चला कि हैकर्स ने कंपनी के उस सिस्टम पर हमला किया जिससे ग्राहकों से संपर्क किया जाता है। कंपनी ने तुरंत अनधिकृत पहुंच रोक दी। अब कंपनी का कहना है कि फोन और इंटरनेट इस्तेमाल करना पूरी तरह सुरक्षित है। प्रभावित ग्राहकों को ईमेल भेजकर सूचित किया गया है कि उनका डेटा प्रभावित हो सकता है। कंपनी की कार्रवाई ओडिडो ने इस घटना की सूचना नीदरलैंड की प्राइवेसी और डेटा प्रोटेक्शन संस्था एपी को दे दी है। कंपनी ने कहा है कि वह पूरी जांच कर रही है और ग्राहकों की सुरक्षा के लिए हर कदम उठा रही है। कंपनी ने ग्राहकों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और कोई संदिग्ध ईमेल या मैसेज पर ध्यान न दें। ओडिडो ने यह भी बताया कि हमले के बाद सिस्टम को सुरक्षित कर लिया गया है। कंपनी के बारे में ओडिडो पहले टी-मोबाइल का डच बिजनेस था। 2021 में इसे प्राइवेट इक्विटी फर्म्स अपैक्स और वॉरबर्ग पिंकस ने खरीद लिया था। कंपनी नीदरलैंड में करीब 80 लाख ग्राहकों को सेवा देती है। वहां के बाजार में यह केपीएन और वोडाफोनजिग्गो जैसी बड़ी कंपनियों से मुकाबला करती है। यह हमला कंपनी की छवि पर बड़ा असर डाल सकता है। ग्राहकों के लिए सलाह यह हमला दिखाता है कि साइबर खतरा कितना बड़ा है। ग्राहकों को अपने बैंक खातों पर नजर रखनी चाहिए। पासवर्ड बदलने चाहिए और दो-कारक प्रमाणीकरण चालू करना चाहिए। कंपनी ने कहा है कि वह प्रभावित लोगों की मदद के लिए कदम उठा रही है। नीदरलैंड की सरकार और प्राइवेसी वॉचडॉग इस मामले की गहराई से जांच कर रहे हैं। ऐसे हमलों से बचने के लिए हर कोई सतर्क रहना जरूरी है।

ट्रंप ने दूसरा युद्धपोत पश्चिम एशिया भेजा ईरान से तनाव के बीच अमेरिका की बड़ी तैयारी

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर दबाव बनाने के लिए दुनिया के सबसे बड़े युद्धपोत को मध्य पूर्व भेजने का आदेश दिया है। वहां पहले से ही एक युद्धपोत मौजूद है। ट्रंप प्रशासन का यह कदम ईरान के परमाणु कार्यक्रम के खिलाफ संभावित सैन्य कार्रवाई और अमेरिकी रणनीति में बड़े बदलाव का संकेत माना जा रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक नए फैसले ने दोनों देशों के बीच इस कड़वाहट को और ज्यादा बढ़ा दिया है। दरअसल ट्रंप ने दुनिया के सबसे बड़े विमानवाहक पोत 'यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड' को कैरेबियन सागर से हटाकर मिडिल ईस्ट (मध्य पूर्व) भेजने का आदेश दिया है। यह मिडिल ईस्ट में तैनात होने वाला अमेरिका का दूसरा बड़ा विमानवाहक पोत होगा। इस इलाके में 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' विमानवाहक पोत पहले से ही अपनी मौजूदगी बनाए हुए है। ट्रंप प्रशासन ईरान पर बनाना चाहता दबाव इस खबर को सबसे पहले द न्यूयॉर्क टाइम्स ने रिपोर्ट किया था। ट्रंप के इस फैसले के बाद अब मध्य पूर्व के इलाके में अमेरिका के दो बड़े विमानवाहक पोत और उनके साथ चलने वाले वॉरशिप इस इलाके में पहुंच जाएंगे। ट्रंप प्रशासन इस कदम के जरिए ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर दबाव बनाना चाहता है। सैन्य गतिविधियों की जानकारी देने वाले व्यक्ति ने अपनी पहचान गुप्त रखने की शर्त पर यह बातें साझा की हैं। पहले से तैनात है अब्राहम लिंकन विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन और तीन मिसाइल वाले विध्वंसक जहाज (डिस्ट्रॉयर) दो हफ्ते पहले ही मध्य पूर्व पहुंच चुके हैं। यूएसएस फोर्ड के लिए यह एक अचानक बदलाव है। पिछले साल अक्टूबर में ट्रंप ने इसे भूमध्य सागर से कैरेबियन भेजा था। उस समय वेनेजुएला के तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए वहां बड़ी सैन्य मौजूदगी तैयार की गई थी। व्हाइट हाउस ने क्या कहा? यह कदम ट्रंप की उस सुरक्षा रणनीति से अलग नजर आता है, जिसमें उन्होंने दुनिया के दूसरे हिस्सों के बजाय पश्चिमी गोलार्ध पर ज्यादा ध्यान देने की बात कही थी। इस हफ्ते की शुरूआत में ट्रंप ने एक्सियोस को बताया था कि वह मध्य पूर्व में एक और युद्धपोत भेजने के बारे में सोच रहे हैं। फिलहाल व्हाइट हाउस ने इस मामले पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

डार्क प्रिंस तारिक रहमान बनेंगे अगले पीएम चुनाव से मतदान तक 10 अहम बातें

ढाका। सत्ता, सियासत और लंबे घमासान के बाद बांग्लादेश की राजनीति में बड़ा उलटफेर दिख रहा है। 18 महीनों के बाद हुए आम चुनावों के शुरूआती रुझानों में तारिक रहमान की अगुवाई वाली बीएनपी बहुमत की दहलीज पार करती नजर आ रही है। 299 सीटों वाली जातीय संसद में सरकार बनाने का आंकड़ा 150 है और बीएनपी गठबंधन इसे पार करता दिख रहा है। करीब 18 महीनों के अंतराल के बाद बांग्लादेश में चुनावी लोकतंत्र फिर से पटरी पर लौटता दिख रहा है। अंतरिम शासन के बाद 13वें संसदीय चुनाव में कल यानी 12 फरवरी को जनता को नई सरकार चुनने का मौका मिला और अब जनता ने इस चुनाव में अपना रुख पूरी तरह साफ करते हुए अपना निर्णय दे दिया है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार इस चुनाव में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को स्पष्ट बढ़त मिलती दिखाई दे रही है। पार्टी ने अब तक 151 सीटों पर जीत हासिल कर ली है, जो बहुमत के आंकड़े 150 से अधिक है।

मतदान शाम 4 बजे समाप्त हुआ था। शुक्रवार सुबह करीब 5 बजे तक आए रुझानों के मुताबिक, बीएनपी के नेतृत्व वाले गठबंधन को 151 सीटें मिलीं, जबकि जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाले गठबंधन को 43 सीटें मिली हैं। अन्य टीवी चैनलों ने भी बताया कि बीएनपी 120 से अधिक सीटों पर आगे चल रही है। क्या है सीटों का समीकरण, समझिए बांग्लादेश की संसद, जिसे जातीय संसद कहा जाता है, में कुल 300 सीटें हैं। इनमें से 299 सीटों पर मतदान हुआ। शेरपुर-3 सीट पर एक उम्मीदवार की मृत्यु के कारण चुनाव रद्द कर दिया गया। बहुमत के लिए 150 सीटें जरूरी होती हैं। इसके अलावा 50 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं। इन सीटों का बंटवारा 300 सामान्य सीटों पर पार्टियों के प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है। चुनाव के साथ ह्यजुलाई नेशनल चार्टरह्ल पर भी वोटिंग हुई। इसमें प्रधानमंत्री के कार्यकाल की सीमा और केयरटेकर सरकार बहाल करने जैसे प्रस्ताव शामिल हैं। यह प्रस्ताव अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस की अगुवाई में तैयार हुआ। बांग्लादेश पर भारत की पैनी नजर भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में बीते कुछ दिनों उतार-चढ़ाव देखने को मिली है। अंतरिम शासन के दौरान कई बातों पर दोनों देशों के रुख अलग थलग दिखे है। ऐसे में भारत इस चुनाव पर करीबी नजर रखे हुए है। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस मामले में कहा कि पहले चुनाव के नतीजों का इंतजार करना चाहिए, उसके बाद ही आगे की स्थिति पर टिप्पणी की जाएगी। कुल मिलाकर, शुरूआती नतीजों से साफ है कि बीएनपी बहुमत की ओर है।

बांग्लादेश की सत्ता में बीएनपी की वापसी बहुमत का आंकड़ा पार जमात का बुरा हाल

ढाका। बांग्लादेश चुनाव 2026 में बीएनपी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बहुमत हासिल कर लिया है, जबकि जमात-ए-इस्लामी और उसके सहयोगी दल काफी पीछे हैं। मतगणना के रुझानों में बीएनपी गठबंधन स्पष्ट बढ़त पर है। तारिक रहमान की जीत के साथ उनके प्रधानमंत्री बनने का रास्ता मजबूत माना जा रहा है। बांग्लादेश के आम चुनाव में सियासी तस्वीर तेजी से बदलती दिख रही है। देश में जनता ने कट्टरपंथियों की जमात को पूरी तरह नकार दिया है। भारत विरोधी रवैया रखने वाली जमात-ए-इस्लामी और उसके नेतृत्व वाला 11 दलों का गठजोड़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) से पूरी तरह से हारता दिख रहा है। देश में पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत बेगम खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी करीब 20 साल के बाद सरकार बना सकती है। रॉयटर्स के अनुसार बांग्लादेश के चुनावी नतीजों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी ने बहुमत हासिल कर लिया है। वहीं, कट्टरपंथी दलों को अपेक्षित समर्थन नहीं मिला। बांग्लादेशी मीडिया ढाका ट्रिब्यून के अनुसार मतगणना में बीएनपी ने पूर्ण बहुमत हासिल कर लिया है और अब तक 151 सीटों पर जीत दर्ज कर चुकी है। शुरूआती रुझान बताते हैं कि जमात-ए-इस्लामी 43 सीटों के साथ मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभर रही है। जबकि इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश को एक सीट और अन्य दलों को अबतक चार सीटें मिली हैं। इन रुझानों से संकेत मिल रहा है कि बीएनपी गठबंधन मजबूत स्थिति में पहुंच चुका है। ऐसे में तारिक रहमान की ताजपोशी पक्की मानी जा रही है। बीएनपी जीती तो कौन बनेगा प्रधानमंत्री? शुरूआती अनौपचारिक नतीजों के अनुसार 299 में से 204 सीटों की गिनती पूरी होने तक बीएनपी 158 सीटों पर आगे या जीत दर्ज कर चुकी थी, जबकि जमात-ए-इस्लामी 41 और अन्य दल पांच सीटों पर रहे। बीएनपी प्रमुख बेगम खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान ने बोगरा सीट से 2,16,284 वोट पाकर जीत हासिल की। बीएनपी पहले ही साफ कर चुकी है कि सत्ता मिलने पर तारिक रहमान को प्रधानमंत्री बनाया जाएगा बीएनपी प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत बेगम खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान ने ढाका-17 और बोगरा-6 सीट से जीत दर्ज की है। अगर अंतिम नतीजे इसी रुझान पर रहे तो उनका अगला प्रधानमंत्री बनना तय माना जा रहा है। बेगम खालिदा जिया 2001 से 2006 तक प्रधानमंत्री रहीं। चुनाव प्रचार के दौरान तारिक रहमान ने अवामी लीग के समर्थकों से भी समर्थन की अपील की थी। रुझानों से संकेत मिला है कि अवामी लीग के कई पारंपरिक वोट इस बार बीएनपी की ओर गए। मतदान के दौरान हिंसा और धमाके की घटनाएं मतदान के दिन कई इलाकों से हिंसा और झड़प की खबरें आईं। खुलना में एक मतदान केंद्र के बाहर जमात-ए-इस्लामी कार्यकर्ताओं और बीएनपी समर्थकों के बीच भिड़ंत में एक बीएनपी नेता की मौत हो गई। बीएनपी का आरोप है कि धक्का दिए जाने से वह पेड़ से टकराए और जान गई। जमात ने दावा किया कि नेता पहले से बीमार थे। गोपालगंज के निचुपाड़ा स्थित रेशमा इंटरनेशनल स्कूल मतदान केंद्र पर सुबह करीब 9 बजे हैंडबम हमला हुआ, जिसमें 13 साल की लड़की समेत तीन लोग घायल हुए। चुनाव ड्यूटी में लगे अंसार बल के दो सदस्य भी घायल हुए। जनमत संग्रह में सुधारों को समर्थन चुनाव के साथ अंतरिम सरकार की ओर से संवैधानिक सुधारों पर जनमत संग्रह भी कराया गया। इसमें करीब दो तिहाई मतदाताओं ने सुधारों के पक्ष में राय दी। यह जनमत संग्रह चुनावी प्रक्रिया के साथ ही आयोजित हुआ। इसे अंतरिम प्रशासन के एजेंडे का अहम हिस्सा बताया गया। अधिकारियों के अनुसार सुधारों का मकसद शासन व्यवस्था में बदलाव और संस्थागत ढांचे को मजबूत करना है। शेख हसीना ने चुनाव पर उठाए सवाल अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अंतरिम सरकार के तहत कराए गए चुनाव को सुनियोजित तमाशा बताया है। उन्होंने तटस्थ कार्यवाहक सरकार के तहत नए सिरे से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की मांग की। अवामी लीग इस चुनाव में अपने पारंपरिक चुनाव चिन्ह के बिना मैदान में रही। हसीना ने कहा कि उनकी पार्टी की गैरमौजूदगी में कराया गया मतदान लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है और मतदाताओं के अधिकारों की अनदेखी है। भारत ने क्यों पर्यवेक्षक नहीं भेजे? भारत सरकार ने बताया कि उसे चुनाव प्रक्रिया की निगरानी के लिए पर्यवेक्षक भेजने का निमंत्रण मिला था, लेकिन हस्तक्षेप के आरोप से बचने के लिए पर्यवेक्षक नहीं भेजे गए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत चाहता है कि चुनाव की विश्वसनीयता का फैसला बांग्लादेश की जनता और अंतरराष्ट्रीय समुदाय करे। भारत ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के समर्थन की बात दोहराई।

मिलकर काम करने के लिए उत्सुक, बांग्लादेश में बीएनपी की जीत पर पाकिस्तान पीएम का बयान

इस्लामाबाद। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद हुए चुनाव में बीएनपी ने शानदार जीत हासिल की है। अब बांग्लादेश के अगले प्रधानमंत्री तारिक रहमान होंगे।

ऐसे में पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व ने क्या कुछ कहा? बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को प्रचंड बहुमत मिला है। 300 सीटों में 200 से ज्यादा सीटें जीतकर बीएनपी सत्ता में आ रही है। ऐसे में तारिक रहमान प्रधानमंत्री बनने के लिए तैयार हैं। इस बीच भारत के बाद अब पाकिस्तान ने भी बीएनपी की जीत पर बधाई दी है। बीएनपी की जीत पर क्या बोला पाकिस्तान? पाकिस्तान के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व ने शुक्रवार को बीएनपी और पार्टी नेता तारिक रहमान को संसदीय चुनावों में भारी बहुमत हासिल करने पर बधाई दी। रेडियो पाकिस्तान की रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने अपने एक बयान में बांग्लादेश की संप्रभुता और लोकतांत्रिक आकांक्षाओं के लिए इस्लामाबाद के समर्थन की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान व्यापार, रक्षा, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और क्षेत्रीय मंचों में सहयोग को मजबूत करने के लिए नई सरकार के साथ काम करने के लिए उत्सुक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि ढाका में नया राजनीतिक वातावरण पूरे क्षेत्र में अधिक संतुलित, स्वतंत्र और पारस्परिक रूप से सम्मानजनक जुड़ाव में योगदान देगा। इसी के साथ बांग्लादेश की निरंतर स्थिरता, प्रगति और समृद्धि के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। शहबाज शरीफ ने किया पोस्ट प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी बीएनपी को 'शानदार जीत' दिलाने पर तारिक रहमान को बधाई भी दी। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, 'बांग्लादेश में संसदीय चुनावों में बीएनपी को शानदार जीत दिलाने के लिए मैं तारिक रहमान को हार्दिक बधाई देता हूं। मैं चुनावों के सफल संचालन के लिए बांग्लादेश की जनता को भी बधाई देता हूं।' पाकिस्तान के पीएम ने आगे कहा कि वह बांग्लादेश के नए नेतृत्व के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं ताकि ऐतिहासिक, भाईचारे वाले बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत किया जा सके और दक्षिण एशिया और उससे परे शांति, स्थिरता और विकास के हमारे साझा लक्ष्यों को आगे बढ़ाया जा सके। तख्तापलट के बाद बांग्लादेश में पहला चुनाव बता दें कि साल 2024 में युवा नेतृत्व वाले विद्रोह के बाद शेख हसीना की अवामी लीग सरकार गिर गई थी। इसी के साथ चुनाव में हसीना की पार्टी अवामी लीग नहीं उतरी थी। ऐसे में चुनाव में बीएनपी और उसके पूर्व सहयोगी जमात-ए-इस्लामी के बीच सीधी टक्कर देखी जा रही थी। बीएनपी पिछली बार 2001 से 2006 के बीच सत्ता में थी, जब जमात उसकी महत्वपूर्ण सहयोगी पार्टी थी और उसके दो नेता मंत्री के रूप में कार्यरत थे। इससे पहले बीएनपी ने घोषणा की थी कि अगर वह चुनाव जीतती है, तो उसके अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे रहमान बांग्लादेश के अगले प्रधानमंत्री होंगे।

बांग्लादेश के लिए खुशखबरी पड़ोसी देश में चुनाव परिणामों पर बोले रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञ

नई दिल्ली। बांग्लादेश चुनाव नतीजों को बांग्लादेश में लोकतंत्र की वापसी और भारत के साथ बेहतर रिश्तों की दिशा में सकारात्मक कदम माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर नई सरकार स्थिर रहती है और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करती है, तो भारत-बांग्लादेश संबंधों में फिर से गर्मजोशी आ सकती है। बांग्लादेश में हुए संसदीय चुनाव के नतीजों को लेकर रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञों ने इसे भारत-बांग्लादेश संबंधों के लिए अच्छी खबर बताया है। माना जा रहा है कि करीब 18 महीनों से दोनों देशों के रिश्तों में जो ठंडापन था, उसमें अब सुधार आ सकता है। यह चुनाव ऐसे समय में हुआ जब देश पिछले डेढ़ साल से राजनीतिक अस्थिरता और हिंसा के दौर से गुजर रहा था। अगस्त 2024 में छात्र आंदोलन के बाद पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की 15 साल पुरानी सरकार गिर गई थी। उनकी पार्टी अवामी लीग को इस बार चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी गई। बांग्लादेश का 13वां राष्ट्रीय चुनाव बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को चुनाव में स्पष्ट बहुमत मिला है। पार्टी के नेता तारिक रहमान के नेतृत्व में बीएनपी 300 सदस्यीय संसद में 151 से ज्यादा सीटें जीत चुकी है।

ढाका-3 से अल्पसंख्यक हिंदू नेता गायेश्वर रॉय जीते, बीएनपी की दो दशक बाद सत्ता में होगी वापसी

ढाका। बांग्लादेश के 13वें संसदीय चुनाव में बीएनपी के वरिष्ठ हिंदू नेता गायेश्वर चंद्र रॉय ने ढाका-3 सीट पर बड़ी जीत दर्ज की। उनकी यह सफलता ऐसे समय आई है जब देश में अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा और राजनीतिक प्रतिनिधित्व चर्चा में है। बांग्लादेश के 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव में एक अहम राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वरिष्ठ नेता और अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय से आने वाले गायेश्वर चंद्र रॉय ने ढाका-3 संसदीय सीट पर प्रभावशाली जीत दर्ज की है। सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक, रॉय ने 99,163 वोट हासिल कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी मोहम्मद शाहिनुर इस्लाम को पराजित किया। शाहिनुर इस्लाम जमात-ए-इस्लामी के उम्मीदवार थे। यह जीत 1971 में स्वतंत्रता के बाद ढाका से चुने गए पहले हिंदू सांसद के रूप में दर्ज की गई है। अल्पसंख्यक समुदाय के लिए अहम संदेश रॉय की जीत ऐसे समय में आई है जब देश में हिंदू अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ कथित हमलों और उत्पीड़न की खबरें सामने आती रही हैं। दिसंबर में कट्टरपंथी युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद कई स्थानों पर तनाव की स्थिति बनी थी। भारत ने भी बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदू समुदाय की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।